kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

वर्ष-13 | अंक-315 | रविवार, 15 दिसम्बर 2024 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

संविधान की भावना के अनुसार ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास के साथ सरकार का कामकाज शुरू किया। उन्होंने कहा कि संविधान की बदौलत ही आज देश के सर्वोच्च पद पर एक आदिवासी महिला विराजमान है।
किरण रिजिजू

बदलते युद्ध की प्रकृति में 'एयरोस्पेस पावर' महत्वपूर्ण : वायु सेना प्रमुख 11
भारतीय सेना को मिले 491 युवा अफसर, अंतिम पग पार कर ली भारत माता की रक्षा की सौगंध 12

संक्षेप

बिजली बकायेदारों के लिए आज से शुरू ओटीएस

लखनऊ। बिजली बकायेदारों की सुविधा के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) 15 दिसम्बर से शुरू होगी। लखनऊ सेंट्रल जोन के मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल ने बताया कि सभी श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं को अपने विलंबित भुगतान अधिकार में छूट मिलेगी। योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। पंजीकरण के समय 30 सितंबर, 2024 तक के विद्युत बिलों के मूल बकाए का 30 प्रतिशत राशि जमा करना अनिवार्य होगा। उपभोक्ताओं को 30 सितंबर तक के बकाया विद्युत बिलों के सरचार्ज में छूट मिलेगी। उपभोक्ताओं को एकमुश्त भुगतान के साथ किस्तों में भी भुगतान का विकल्प मिलेगा। उपभोक्ता योजना का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण विभागीय खंड, उपखंड कार्यालय, जनसेवा केंद्र, या विभागीय वेबसाइट के माध्यम से करा सकते हैं।

अभिनेता अल्लू अर्जुन जेल से रिहा, प्रशंसकों का जताया आभार

हैदराबाद। अभिनेता अल्लू अर्जुन जेल से रिहा हो गए। संध्या थियेटर हादसा केस में अदालत ने उन्हें कल 14 दिन की न्यायिक हिरासत पर भेजने का आदेश दिया था। पुलिस उन्हें चंचलगुडा सेंट्रल जेल ले गई। इसके बाद उनके वकीलों ने तेलंगाना हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाई कोर्ट ने उन्हें 50,000 रुपये के पर्सनल बॉन्ड पर अंतरिम जमानत प्रदान की। अल्लू जेल से रिहा होने के बाद जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पहुंचे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने अपने प्रशंसकों का आभार जताया। अल्लू ने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं, वह ठीक हैं। वह सदैव कानून का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण पल के उन्हें खेद है। वह फिलहाल अपने परिवार के साथ हैं।

आडवाणी की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में कराया गया भर्ती

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी को शुक्रवार देर रात दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार 96 वर्षीय आडवाणी का न्यूरोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर विनीत सूरी की देखरेख में उपचार किया जा रहा है। उनकी हालत स्थिर है। इससे पहले इसी साल 04 जुलाई को भी श्री आडवाणी को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उससे कुछ दिन पहले उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) उपचार के लिए ले जाया गया था। उन्हें एम्स में उपचार के बाद अगले दिन अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी थी। इसके बाद 06 अगस्त को भी उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था। हालांकि उनकी पुत्री प्रतिभा आडवाणी ने बताया था कि उन्हें रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल ले गए थे।

कांग्रेस संविधान का अपमान करती रही : मोदी

हिन्दुस्तान का सबसे बड़े जुमला गरीबी हटाओ था जो कांग्रेस की चार पीढ़ियों तक चला : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान को भारत के गौरव का प्रतीक बताते हुए कहा कि संविधान निर्माताओं ने देश के लिए जो सपना देखा था उसकी भावना के अनुरूप प्रगति कर आजादी के समय की सारी नकारात्मक सोच को करारा जवाब देकर विकास के प्रतिमान स्थापित कर भारत दुनिया का सबसे बड़ा और खुशहाल लोकतंत्र बन गया और अब 2047 तक विकसित भारत बन जाएगा।

श्री मोदी ने लोकसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर दो दिन चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि संविधान के 75 साल की यात्रा के मूल में हमारे संविधान निर्माताओं की दिव्यदृष्टि और उनके योगदान का उत्सव मनाने का पर्व है और आज संसद भी इस उत्सव में शामिल हुई है। संविधान अंगीकार करने के 75 साल की उपलब्धि असाधारण है और देश के बारे में जो नकारात्मक बातें उस समय की जाती थीं। देश की 75 साल की इस यात्रा ने नकारा है और परास्त कर संविधान निर्माताओं की भावना के अनुरूप जीने की कसौटी पर खरा उतरे हैं और इसके कारण भारत एक विशाल लोकतंत्र और लोकतंत्र की जननी है।

कांग्रेस पर देश के लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पिछले 75 साल कांग्रेस के एक परिवार का कुविचार, कुनीति और कुरीती लगातार चल रही है। वर्ष 1952 में देश में चुनी हुई सरकार नहीं थी बल्कि अंतरिम व्यवस्था के तहत सरकार चल रही थी। तब तक राज्यसभा का भी गठन नहीं हुआ था और जनता का कोई आदेश भी नहीं था उसके बावजूद 1951 जब चुनी हुई सरकार नहीं थी अध्यादेश लाकर संविधान बदला और अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला कर दिया गया था। यह संविधान निर्माताओं का अपमान था। संविधान सभा में चली नहीं होगी और बाद में उस पर हथौड़ा मार दिया और यह पाप तब हुआ है जब वह चुनी हुई सरकार के प्रधानमंत्री भी नहीं थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को मुंह लग गया था कि वह समय समय पर संविधान का शिकार करती रही है। संविधान को लहूलुहान करती रही है। छह दशक में 75 बार संविधान बदला गया। जो बीज देश के पहले प्रधानमंत्री ने बोया था उस बीज को खादपानी देने का काम श्रीमती इंदिरा गांधी ने किया। उन्होंने कहा कि 1971 उच्चतम न्यायालय का एक फैसला आया, लेकिन उस फैसले को संविधान में संशोधन कर पलट दिया और देश की अदालतों के पंख काट दिये थे। इस परिवर्तन ने इंदिरा गांधी को मौलिक अधिकार छीनने और न्यायपालिका के अधिकार सीमित कर दिया था, हालांकि अदालत ने उनके अधिकार छीन लिए, उनका संसद सदस्य पद चला गया और अपनी कुर्सी बचाने के लिए देश में आपातकाल लगा दिया।

उन्होंने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन, राधाकृष्णन तथा बाबा साहेब अम्बेडकर को उद्धत करते हुए कहा कि हमारे यहां लोकतंत्र पुरातन काल से रहा है। एक समय था जब हमारे यहां कई गणतंत्र हुआ करते थे। उन्होंने कहा कि संविधान को सशक्त करने में नारीशक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संविधान सभा में 15 महिला सदस्यों ने संविधान को अपने सुझाव से मजबूती प्रदान की है। दुनिया के कई देशों में संविधान बना, आजाद हुए, लेकिन दशकों बाद महिलाओं को अधिकार दिया गया जबकि हमारे यहां शुरु से ही महिलाओं को उनके अधिकार दिया था। उन्होंने कहा कि जी-20 के बाद देश ने नारी शक्ति का सम्मान करते हुए देश के लोकतंत्र में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं। हमारी सभी प्रमुख योजनाओं के केंद्र ● शेष पेज 11 पर

पलटवार

- संविधान संशोधन का खून कांग्रेस के मुंह लग चुका था, 6 दशक में 75 बार बदलाव हुए
- इंदिराजी ने कुर्सी के लिए गुस्से में देश पर इमरजेंसी थोप दी

मोदी ने सदन के सामने रखे 11 संकल्प

1. सभी नागरिक और सरकार अपने-अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें।
2. हर क्षेत्र और समाज को विकास का समान लाभ मिले, 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना बनी रहे।
3. भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए, और भ्रष्टाचारियों की सामाजिक स्वीकार्यता समाप्त हो।
4. देश के कानूनों और परंपराओं के पालन में गर्व का भाव जागृत हो।
5. गुलामी की मानसिकता से मुक्ति मिले और देश की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व किया जाए।
6. राजनीति को परिवारवाद से मुक्त कर लोकतंत्र को सशक्त बनाया जाए।
7. संविधान का सम्मान हो और राजनीतिक स्वार्थ के लिए उसे हथियार न बनाया जाए।
8. जिन वर्गों को संविधान के तहत आरक्षण मिल रहा है, वह जारी रहे, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण न दिया जाए।
9. महिलाओं के नेतृत्व में विकास को प्राथमिकता दी जाए।
10. राज्य के विकास के माध्यम से राष्ट्र के विकास को सुनिश्चित किया जाए।
11. एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लक्ष्य को सर्वोपरि रखा जाए।

भाजपा हर समय करती है संविधान पर हमला : राहुल

एजेंसी

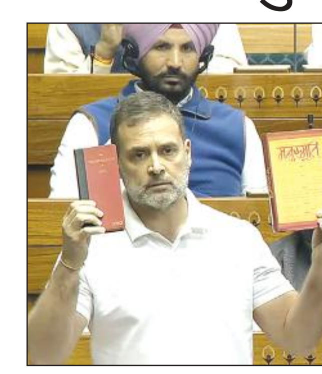

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हर समय संविधान पर हमला करती है और मोदी सरकार देशवासियों का हक एक उद्योगपति के हवाले कर देश के किसानों, मजदूरों, गरीबों, दलितों तथा पिछड़ों का हिस्सा उनको दे रही है।

श्री गांधी ने शनिवार को 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा' में हिस्सा लेते हुए कहा कि अभय मुद्रा का आईडिया भगवान शिव, भगवान कृष्ण, गुरुनानक, महात्मा बुध, कबीर आदि महापुरुषों से मिला। यह संविधान इन्हीं महापुरुषों की अभय मुद्रा के भाव से आया है जिसमें सबको निर्भय रहने की बात कही गई है। मनुस्मृति आज का कानून है और यह बात उन्हीं सावरकर ने कहा है जो आरएसएस की विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम करते रहे हैं। संविधान को लेकर जब आरएसएस के लोग बात करते हैं तो वे अपने नेता और अपनी विचारधारा को गाली देते हैं उनका अपमान करते हैं। उत्तर प्रदेश में संविधान का नहीं 'मनुस्मृति' का कानून चल रहा है और वहां गरीब की सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि 'भारत के संविधान के बारे में सबसे बुरी बात यह है कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है' यह बात भाजपा की विचारधारा के पोषक महापुरुष नेता ने कही थी जिनकी भाजपा के लोग पूजा करते हैं। दलितों के संदर्भ में एकलव्य का जिक्र करते हुए उन्होंने कि गुरु द्रोणाचार्य ने एकलव्य की जाति के आधार पर उनका गुरु बनने से इनकार कर दिया था तो एकलव्य अकेले धनुषबाण चलाने की तपस्या करने लगे। काफी समय बाद उसी जंगल में एकलव्य ने अपने बाणों से एक कुत्ता बाधक बना लिया और कुत्ते को नुकसान पहुंचाए बिना उसे चारों ओर से बाणों से घेर लिया। जब द्रोणाचार्य उस वन से निकल रहे तो उन्हें कुत्ते की यह हालत देखकर आश्चर्य हुआ तो बोले यह काम किसने किया। ● शेष पेज 11 पर

सोमवार को सरकार लाएगी 'एक देश एक चुनाव' पर दो विधेयक

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने से जुड़े दो विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किए जाएंगे। संसद की कार्य सूची के अनुसार केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल विधेयक पेश करेंगे।

पहला संशोधन विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए और दूसरा विधेयक दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुदुचेरी में विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए होगा। इस बीच, अर्जुन राम मेघवाल संघ राज्य क्षेत्र कानून (संशोधन) विधेयक 2024 भी पेश करेंगे ताकि संघ राज्य क्षेत्र अधिनियम 1963, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम 1991 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 में और संशोधन करने के लिए विधेयक पेश किया जा सके।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 'एक देश एक चुनाव' से जुड़े विधेयक को गुरुवार को मंजूरी प्रदान की थी। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 18 सितंबर को 'एक देश, एक चुनाव' से जुड़ी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों को मंजूरी प्रदान की थी। मोदी सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में देशभर में एक साथ चुनाव कराने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में समिति का गठन किया था। समिति ने इस संबंध में विभिन्न पार्टियों और हितधारकों से इस पर विचार किया और पिछली सरकार के दौरान ही अपनी सिफारिशें दीं। ● शेष पेज 11 पर

इंजीनियर आत्महत्या मामले में पत्नी समेत चार ने दाखिल की जमानत अर्जी

जौनपुर। अपनी पत्नी और उसके परिवार वालों से प्रताड़ित होकर बेंगलुरु में इंजीनियर अतुल सुभाष के खुदखुशी मामले में अब आरोपी ससुराल वालों को गिरफ्तारी का डर सता रहा है। घटना के सामने आने के बाद रात के अंधेरे में फरार होते आरोपियों ने 12 दिसंबर को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी लगाई है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मृतक के भाई विकास ने 9 दिसंबर को बेंगलुरु के मराठाहल्ली थाने में मुकदमा दर्ज कराया। इस मामले में वांछित मृतक की पत्नी निकिता व उसके परिवार के लोगों को थाने में हाजिर होने के लिए बेंगलुरु पुलिस ने तीन दिन का नोटिस दिया। बृहस्पतिवार को बंगलुरु पुलिस जौनपुर पहुंची। संभवतः इस बात कि जानकारी निकिता व उसके परिवार को थी। इसे देखते हुए उसी दिन परिवार वालों ने वकील अजय सिंह के माध्यम से हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी है। इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या मामले में उसके छोटे भाई विकास द्वारा ● शेष पेज 11 पर

अभिव्यक्ति और संवाद के संतुलन पर पनपता है लोकतंत्र : धनखड़

एजेंसी

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि लोकतंत्र केवल प्रणालियों पर ही नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और संवाद के संतुलन पर केंद्रित मूल मूल्यों पर भी पनपता है।

श्री धनखड़ ने यहां भारतीय डाक एवं दूर संचार लेखा और वित्त सेवा के 50वें स्थापना संबोधित करते हुए कहा कि आज की संस्थागत चुनौतियाँ भीतर और बाहर से अक्सर सार्थक संवाद और प्रामाणिक अभिव्यक्ति के क्षरण से उत्पन्न होती हैं। विचार की अभिव्यक्ति और सार्थक संवाद दोनों ही लोकतंत्र के अनमोल रत्न हैं। अभिव्यक्ति और संचार एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों के बीच सामंजस्य ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, डिजिटल संचार आयोग के वित्त सदस्य मनीष सिन्हा और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

श्री धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र केवल व्यवस्थाओं पर नहीं, बल्कि मूल मूल्यों पर पनपता है। इसे अभिव्यक्ति और संवाद के नाजुक संतुलन पर केंद्रित होना चाहिए। अभिव्यक्ति और संवाद, ये जुड़वां ताकतें लोकतांत्रिक जीवन शक्ति को आकार देती हैं। उन्होंने कहा कि प्रगति को व्यक्तिगत पदों से नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक लाभ से मापा जाता है। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा इस बात का उदाहरण है कि विविधता और विशाल जनसांख्यिकीय क्षमता राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा दे सकती है। लोकतांत्रिक स्वास्थ्य और आर्थिक उत्पादकता राष्ट्रीय विकास में बराबर भागीदार हैं। स्व-लेखा परीक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री धनखड़ ने कहा, ''सेल्फ ऑडिट बहुत ज़रूरी है। किसी व्यक्ति या संस्था को गिराने का सबसे पक्का तरीका है, उसे या सज्जन या सज्जन महिला को जांच से दूर रखना। आप जांच से परे, आपका पतन निश्चित है। और इसलिए, आत्म-लेखा परीक्षा, स्वयं से परे एक लेखा परीक्षा, आवश्यक है''। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और तालमेल पर जोर देते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा, ''एक दूसरे से जुड़ी दुनिया में विभागों के बीच सहयोग बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। हमें एक दूसरे के साथ तालमेल में रहना चाहिए, हमें एक दूसरे के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। मैंने अक्सर सभी को यह समझाया है कि शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत कुछ और नहीं बल्कि तीन संस्थाओं, न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका, को एक साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्हें सामंजस्य के साथ काम करना चाहिए।

संभल में बंद पड़े 48 साल पुराने मंदिर को जिला प्रशासन ने खुलवाया

एजेंसी

संभल। जनपद में जिला एवं प्रशासन ने शनिवार को 48 साल से बंद पड़े एक शिव मंदिर को मुक्त कराया है। एक बंद मकान में ये मंदिर मिला है, जो 1978 के दंगे के दौरान हिंदू परिवार का था। पुलिस अधिकारियों ने मंदिर की साफ-सफाई की गई। मंदिर को पुराने स्वरूप में लौटने का प्रयास जारी है। जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि शाही जामा मस्जिद क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने और बिजली चोरी रोकने के लिए सख्त कार्रवाई जारी है। इसी दौरान महमूद खां सराय में एक बंद मकान में शिव मंदिर मिला है। 1978 से पहले ये मकान एक हिंदू परिवार का था। लेकिन 1978 के सांप्रदायिक दंगे के दौरान हिंदू घरों में आग लगा दी गई। डर के चलते हिंदू परिवारों ने यहां से पलायन कर दिया और हिंदू आबादी वाले इलाके में बस गए। मंदिर मुस्लिम आबादी में होने के चलते उस पर कब्जा कर मकान में मिला लिया। बाद में इसको बेच दिया गया। बताया जा रहा है कि तब से यह बंद पड़ा था। मंदिर की सफाई कराई गयी और इसके पास स्थित एक प्राचीन कुआं है, जो पाट दिया गया था। नगर निगम टीम के सहयोग से खुदवाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि मकान के मालिकाना हक को लेकर जांच की जा रही है। मंदिर को उसके असली मालिकों को सौंपा जाएगा और अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई होगी। हिन्दू सभा के संरक्षक विष्णु सरन रस्तौगी के मुताबिक पहले यहां हिंदू आबादी हुआ करती थी। इस मंदिर में भजन कीर्तन हुआ करते थे, मंदिर के बराबर में ही एक कुआं है। जिसको अकील अहमद ने पाट दिया। मंदिर मुस्लिम आबादी में होने के चलते उस पर कब्जा कर मकान में मिला लिया था।

विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वस्थ भारत बनाना होगा अंगदान के लिए लोगों को जागरूक करें चिकित्सक : योगी

एसजीपीजीआई की कार्यक्षमता तीन गुना बढ़ाने की जरूरत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान का 41 वाँ स्थापना दिवस समारोह शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। समारोह का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक,राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह,प्रो.गीतांजलि व सचिव चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एसजीपीजीआई की कार्यक्षमता को तीन गुना बढ़ाने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश, बिहार व नेपाल के मरीजों के परिवारों का आग्रह होता है कि हम एसजीपीजीआई में इलाज मिल जाय। इसलिए ओपीडी में देखे जाने वाले मरीजों की संख्या व भर्ती करने के लिए बेड बढ़ाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि एसजीपीजीआई को संसाधन के लिए सरकार हर संभव सहयोग करेगी। वर्तमान की प्रतिस्पर्धा में स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो कुछ नया हो सकता है वह करना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मिशन मोड पर काम हो रहा है। आज कई विभाग यहां खुल रहे हैं। देश का यह पहला संस्थान होगा जिसको 500 करोड़ रुपये सीएसआर फंड के रूप में मिला। टेली मेडिसिन और टेली कंसल्टेंट के सेन्टर के रूप में केन्द्र सरकार ने एसजीपीजीआई को चुना है। प्रदेश के अन्य मेडिकल कालेज को इसके साथ जोड़ने की तैयारी हो रही है। टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग कैसे कर सकते हैं। हम इस संस्थान को सेन्टर फार इक्सीलेंस सेंटर के रूप में स्थापित करना है। स्वास्थ्य के अधिकार से हमें कोई वंचित नहीं कर सकता। हमें यह तय करना है समय नहीं लगाना चाहिए कि क्या करना है। इसी वर्ष 13 नये सरकारी मेडिकल कालेज प्रदेश में खुले। यानि 70 वर्ष में खुले 12 और इस एक वर्ष में खुले 13 मेडिकल कालेज। 65 जनपदों में मेडिकल कालेज खोल चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करना है तो एक चिकित्सक के रूप में हमारी भी भूमिका होनी चाहिए। विकसित भारत में खुशहाल भारत चाहिए। कम समय में इलाज व आपरेशन होना चाहिए। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वस्थ भारत बनाना होगा। स्वस्थ भारत से समर्थ भारत बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सकों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव है। इसलिए चिकित्सक अंगदान के लिए लोगों को जागरूक करें। समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि एसजीपीजीआई में हैप्पी लाइफ सेन्टर खुलना चाहिए। उन्होंने कहा कि एसजीपीजीआई के पास स्थान भी है। इसलिए यहां पर एक ऐसा सेन्टर बनना चाहिए कि रोज बीमार ही न पड़ें। वह सेन्टर देश में रोल माडल बने जहां पर स्वस्थ दिनचर्या के बारे में भी लोगों को जागरूक किया जाय। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज युवा दिन में सो रहे हैं और रात में जग रहे हैं। इस कारण बीमार हो रहे हैं। संस्थान के निदेशक डा.आर.के.धीमान ने बताया कि क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग में बेड की संख्या दो गुना होगी। अभी 20 बेड पर गंभीर मरीजों की भर्ती होती है जिसे बढ़ाकर 40 किया जा रहा है। नए साल में संस्थान पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी और पीडियाट्रिक यूरोलाजी समेत पांच नये विभाग शुरू करने जा रहा है।

खोदाई की ज्यादा बात होने से सांप्रदायिक सौहार्द को खतरा : अखिलेश यादव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि खोदाई की ज्यादा बातों से देश के सांप्रदायिक सौहाद्र को खतरा हो सकता है।

श्री यादव ने शनिवार को कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय और दलितों, पिछड़ो, अल्पसंख्यकों, किसानों को उनका हक और सम्मान दिलाने के लिए काम कर रही है जबकि भाजपा के लोग नफरत फैलाने की राजनीति करते है। जो लोग देश में जगह-जगह खोदाई की बात कर रहे है, ये सब एक दिन देश का सौहार्द खो देंगे। अगर हर जगह खुदाई होगी तो देश आगे नही बढ़ेगा। अगर विकसित भारत बनना है तो बहुत चीजों पर कार्य करना होगा। सबका सम्मान करना होगा।

उन्होने कहा ल्र पीडीए जितना मजबूत और एकजुट होगा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उतनी ही ज्यादा साम्प्रदायिक राजनीति करेगी। हमने पीडीए को एकजुट करके 2024 के चुनाव में भाजपा को हराया है। हमारे कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर मेहनत की है। भाजपा से जमीन पर लड़ना होगा। 2027 के विधान सभा चुनाव में जनता 2024 से भी बेहतर परिणाम देगी। श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की लड़ाई भाजपा की साम्प्रदायिक नफरत और भेदभाव की राजनीति से है। जो भाजपा को हराएगा हम उसके साथ है। भाजपा विकास की बात नही करती है। प्रधानमंत्री ने दस साल पहले गंगा सफाई का वादा किया था। लेकिन आज भी गंगा साफ नहीं हुई। नदियों के नाले आज भी गंगा में जा रहे है। कानपुर, कन्नौज समेत तमाम जगह नाले गंगा में जा रहे है। भाजपा अपने वादों पर चर्चा नहीं कर रही है। प्रधानमंत्री जिस एक्सप्रेस वे पर हरक्यूलिस जहाज से उतरे थे, वह एक्सप्रेस वे समाजवादी सरकार डिजाइन किया हुआ हैं। समाजवादी सरकार ने एक्सप्रेस वे बनाया, लखनऊ, कानपुर, आगरा, नोएडा की मेट्रो समाजवादी सरकार की देन है। समाजवादी सरकार ने लखनऊ में गोमती नदी पर रिवरफ्रन्ट बनाया। गोमती नदी साफ रहे इसके लिए नालों को रोका। नदियों की सफाई के लिए एक मॉडल बनाया लेकिन भाजपा सरकार ने उस काम को नहीं पूरा होने दिया। गोमती रिवर फ्रन्ट गुजरात के साबरमती रिवरफ्रन्ट से बेहतर बना है, इसीलिए भाजपा को दिक्कत है।

उन्होने कहा कि भाजपा ने उपचुनाव में पुलिस और सत्ता का दुरुपयोग किया। संविधान में लोकतंत्र में सभी को वोट का अधिकार मिला है, भाजपा ने वोट डालने से रोका। पुलिस ने भाजपा के लिए वोट डाले, और पुलिस ने भाजपा को जिताया। पुलिस के एक अधिकारी ने महिलाओं को रिवाल्वर दिखाकर डराया, वोट डालने से रोका। समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग में तीन सौ से ज्यादा शिकायत की।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से ईवीएम के खिलाफ है। हम ईवीएम से चुनाव जीतकर ईवीएम को हटाएंगे। दुनिया के तमाम विकसित देशों में ईवीएम से चुनाव नही होता हैं। जर्मनी समेत कई देशों में ईवीएम से वोटिंग असंवैधानिक है। ईवीएम से वोटिग से पता चल जाता है, कहां किसे वोट मिला, इससे दुश्मनियां बढ़ रही हैं। मतदान गुप्त होता है। सीक्रेट वोटिंग बैलेट से ही हो सकता है।

उन्होने कहा कि हमने समाज को जातियों में नहीं बांटा। हम तो वंचित और शोषित जातियों को उनका हक दिलाने की लड़ाई लड़ रहे है। समाज को जातियों में ऋषि मनु ने बांटा है। मै जोड़ने की और सामाजिक न्याय दिलाने का काम कर रहा हूं। मेरे मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भाजपा ने मुख्यमंत्री आवास गंगाजल से क्यों धुलवाया था, मन्दिर से जाने के बाद मन्दिर क्यों धुलवाया था।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा सदन चलना चाहिए। सरकार को चलाना चाहिए। सदन चलेगा तभी सभी मुद्दों और समस्याओं पर चर्चा होगी। हमारे लिए संभल पर चर्चा होना प्राथमिकता था। क्या कोई कल्पना कर सकता है कि सर्वे के बहाने माहौल इतना खराब कर दिया जायेगा। संभल में घटना प्रशासन के अधिकारियों ने कराया। वहां प्रशासन की नाकामी है। जब कभी संभल की घटना की जांच होगी, न्यायालय का फैसला आयेगा तो अधिकारी ही दोषी पाए जायेंगे। संभल में सब कुछ अधिकारियों का कराया हुआ है।

ओटीएस योजना के प्रचार, प्रसार हेतु निकाली गई जागरूकता रैली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश सरकार द्वारा लाये गए ओटीएस योजना का बिजली विभाग द्वारा लगातार प्रचार प्रसार किया जा रहा है जिससे कि ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ता लाभ उठा सकें।

इसी के चलते लखनऊ मध्य क्षेत्र के मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल के निर्देश पर शनिवार को ठाकुरगंज डिवीजन के अधिशासी अभियंता दीपक कुमार के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी रामू गुप्ता, उपखंड अधिकारी अवधेश प्रसाद चौधरी, अवर अभियंता अंकित, दुर्गेश एवं समस्त स्टाफ के साथ राधाग्राम पावर हाउस से ओटीएस योजना के प्रचार, प्रसार एवं राजस्व वसूली हेतु फीडर वाइज टीम सुबह 8 बजे एक जागरूकता रैली रावना की गयी। जिसने पूरे क्षेत्र में उपभोक्ताओं को जा जाकर जागरूक किया और उन्हें बताया कि किस तरह से ओटीएस योजना का लाभ उठाया जा सकता है।

प्रयागराज में आउटर रिंग रोड व नैनी-सुलेमसराय में फ्लाईओवर अति आवश्यक : सांसद उज्जवल

रीवा रोड और मिर्ज़ापुर रोड चौड़ीकरण में कटे वृक्षों की जगह पर वृक्षारोपण नगण्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

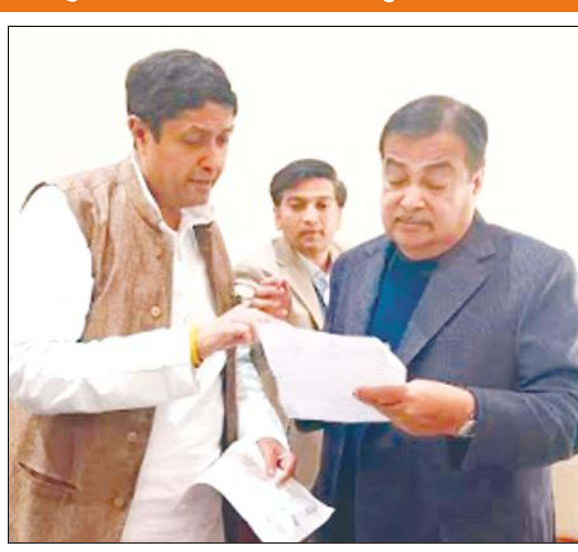

प्रयागराज। सांसद उज्जवल रमण सिंह ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से व्यक्तिगत मुलाकात कर पत्र के माध्यम से अनुरोध किया कि प्रयागराज कि मुख्य समस्या इस समय जाम की है जिससें आम जनता मरीज आदि को बहुत परेशानी झेलनी पड़ रही हैं इसलिए अभी से आउटर रिंगरोड़ पर काम चालू हो तो आने वाले 5 से 10 साल के बाद जो इनर रिंगरोड़ अभी बन रहा है वो भी अभी जाम वाले क्षेत्र में है आने वाले कुछ सालों में वहाँ भी जाम लगने लगेगा सिर्फ आउटर रिंगरोड़ ही विकल्प हैं जाम के झाम से निजात के लिए।

सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने बताया कि सांसद उज्जवल रमण सिंह ने केंद्रीय परिवहन मंत्री से नैनी में प्रस्तावित फ्लाईओवर पर तेजी से कार्य कराने के लिए फंड रीलीज करने का अनुरोध किया और कहा कि एक फ्लाईओवर पुरानी जीटी रोड सुलेमसराय से बमरौली तक बनें जिससें इसपर लगने वाले जाम से निजात मिलें लोग आसानी से एयरपोर्ट व कानपुर हाईवे जा सकें। सांसद ने केंद्रीय मंत्री से शिकायत किया कि रीवा रोड़ और मिर्ज़ापुर रोड़ चौड़ीकरण में लाखों पेड़ काट दिऐ गये लेकिन धरातल पर उगें एक भी नहीं हा कागज पर भले ही लाखों पेड़ लगायें गये हो इसकी जांच करा कर दोषी लोगों के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित हो।

समाधान दिवस में नहीं पहुंचे अधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज में थाना समाधान दिवस कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा। मायूस होकर फरियादियों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा । थाना अध्यक्ष के अलावा और समाधान दिवस में कोई अन्य अधिकारी नहीं दिखाई दिया। प्रशासन के निर्देशानुसार राजस्व और पुलिस के अधिकारियों की मौजूदगी होना।समाधान दिवस में नायब तहसीलदार अनुपम वर्मा की अध्यक्षता में होना था लेकिन वे समय से नही पहुंच पाए।ऐसी दशा में फरियादियों को मायूस होकर लौटना पड़ा। थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि महुरा गांव से जमीनी विवाद का प्रार्थना पत्र समाधान दिवस में पहुंचा था जिसका त्वरित निस्तांतरण किया गया ।उन्होंने बताया कि राजस्व संबंधी दो मामले सामने आए थे।

करियर मेला में विद्यार्थियों को दिए तैयारियों के लिए टिप्स

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। यमुनापार के समहन उरुवा के पंडित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज में शनिवार को करियर मेले का आयोजन हुआ। विद्यार्थियों को अतिथियों ने विभिन्न क्षेत्रों की तैयारियों के लिए टिप्स दिए। शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज समहन उरुवा प्रयागराज में कैरियर मेला का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जयसिंह प्रधानाचार्य राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुंवर पट्टी जेवनिया एवं प्रधानाचार्य लल्लन सिंह द्वारा बच्चों के भविष्य के बारे में विस्तार से बताया और समझाया गया। विद्यालय के बच्चे इस आयोजन से बहुत लाभान्वित होंगे।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में हुआ पेंशन अदालत का अयोजन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। शनिवार को मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड मुख्यालय में निदेशक का.प्र.एवं.प्र.शा. की अध्यक्षता में पेंशन अदालत का अयोजन किया गया। जिसमें 5 पेंशन प्रकरण आये थे। जिसमें 3 प्रकरण पारिवारिक पेंशन से सम्बन्धित तथा 2 प्रकरण व्यक्तिगत पेंशन से सम्बन्धित थे। निदेशक (का.प्र.एवं प्र.शा) द्वारा उपरोक्त प्रकरणों पर जोकि इन्दिरानगर, आलमबाग, राजभवन, परीक्षण खण्ड विकास नगर एवं ऐशबाग खण्ड से सम्बन्धित थे। इन सभी क्षेत्रों के सम्बन्धित अधिकारियों को प्रकरण अपने स्तर से एक सप्ताह में निस्तारण कराकर अवगत कराने के लिए निर्देश दिए गए हैं एवं अन्य एक प्रकरण मुख्य अभियन्ता जल विद्युत से सम्बन्धित होने के कारण उसकी पत्रावली सम्बन्धित कार्यालय को उपलब्ध करा दी गयी है।

ग्राम चौपालों में 04 लाख 42 हजार से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का किया गया निस्तारण

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल,(गांव की समस्या –गांव में समाधान)का आयोजन किया जा रहा है,और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है।उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है व्यक्तिगत समस्याओं? के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है।उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत किया जाता रहे।

श्री कृष्ण व सुदामा की मित्रता सुन श्रद्धालु हुए भाव विभोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

करछना प्रयागराज। क्षेत्र के भड़ेवरा गांव में चल रही साप्ताहिक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन शनिवार को कथा व्यास पं अवधेश शुक्ल शास्त्री जी ने श्री कृष्ण व सुदामा की मित्रता की कथा सुनाकरके श्रद्धालु भक्त लोगों को भाव विभोर कर दिया। उन्होंने सुदामा की गरीबी की व्यथा को बताया। वहीं पत्नी सुशीला के पतिव्रता व्रत का गुणगान भी किया। और बताया कि जिसका दामन साफ है वही सुदामा हैं। और जो बहुत ही सज्जन है वही सुशीला है। द्वारिका पुरी में पहुंचने पर श्री कृष्ण व सुदामा का प्रेम भाव देखकर लोग अचंभित रह गए। इसके बाद परीक्षित मोक्ष की कथा कह करके कथा व्यास ने कथा को विश्राम दिया। कथा की मुख्य श्रोता यजमान सोना देवी की ओर से गुरु पं रमेश चंद्र शुक्ल और पुरोहित पं राजेश कुमार त्रिपाठी के सहित अन्य आचार्य लोगों का माल्यार्पण करके अभिनंदन किया गया। और सामूहिक रूप से भागवत भगवान की आरती की गई। कथा के आयोजक रमाशंकर पांडेय व संयोजक पवनेश कुमार पांडेय की ओर से कथा में मौजूद सभी श्रद्धालु भक्त लोगों के प्रति आभार जताया गया। और बताया गया कि रविवार को हवनोपश्चात कथा की पुर्णाहुति होगी। और भंडारा भी आयोजित होगा। वही सांयकालीन में संगीतज्ञ कलाकारों की ओर से भजन संध्या की प्रस्तुतियां हुई। और महिलाओं की ओर से मांगलिक भक्ति के गीतों के गायन भी हुए। इस मौके पर ग्राम प्रधान अनुराधा देवी विश्वकर्मा, उमाकांत तिवारी , अंकित पांडेय, प्रकाश नारायण द्विवेदी, कुलदीप प्रसाद पांडेय, उदय शंकर पाठक, सुरेंद्र कुमार द्विवेदी, हरि पांडेय, राम कैलाश द्विवेदी , जटाशंकर पांडेय, रमाशंकर पाठक , एडवोकेट पिंटू पांडेय, उमेश पांडेय, गोलू पंडित, छोटू पंडित , अजय द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त सहित महिलाएं लोग मौजूद रही।

करछना वन रेंज की सहभागिता से हरे पेड़ों पर चल रही है कुल्हाड़ी

पखवाड़े भर में सैकड़ों हरे पेड़ जमींदोज कर दिए गए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

करछना प्रयागराज। वन विभाग करछना रेंज के अंतर्गत एक पखवाड़े के भीतर सैकड़ो हरे पेड़ों को जमींदोज कर दिया गया जिसमें वन रेंज के सहभागिता स्थानीय प्रशासन एवं ठेकेदारों के चलते हरियाली को उजाड़ने में व्यापक पैमाने पर ठेकेदारों ने अलग-अलग गांवों में हरे पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलाई है वहीं आंख मूंद कर मुक दर्शक बना वन विभाग करछना कार्यालय की तरफ से खुली छूट दी गई है कि जिसके चलते माफिया अपना काम तो निकाल लेते हैं एवं अधिकारियों की भी जेब गर्म करने में लगे हैं जिसको लेकर क्षेत्र में अरे पेड़ों की कटान की व्यापक स्तर पर किए जाने से गांव में लोगों में आक्रोश है इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो पेड़ों के कटान की खबरें प्रसारित हुई उसके बावजूद भी वन विभाग करछना द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई अभी हाल में मच्छर का पूरवा में व्यापक पैमाने पर सागवान के पेड़ काट ले गए जिसका इंटरनेट मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ वहीं घोरहट में बड़ी संख्या में प्राथमिक विद्यालय के पास हरे पेड़ों को काटा गया है इसी क्रम में मुंगारी का ककरम ,मझुआ निरिया ,खाई, करछना,सहित दो दर्जन से अधिक गांव में युद्ध स्तर पर वन माफियाओं ने हरे पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलाकर हरियाली को नष्ट किया वहीं प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है

मच्छर उर्फ पूर्व में 10 हरे पेड़ की हुई कटाई ठेकेदार नाजिम अली जो कि बराव के रहने वाले हैं थाने और वन विभाग की सहमति से हो रहे अवैध हरे पेड़ों की कटान, वन विभाग, करछना के अंतर्गत घोरहट प्राइमरी स्कूल से आगे पानी टंकी के पास 32 पेड़ सागौन सुरेश पटेल द्वारा काटा गया जिसका इंटरनेट मीडिया में वीडियो वायरल हुआ है के बावजूद संबंधित विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं हुई।

हाल ही में बनी इंटरलाकिंग सड़क धंसी

- ❐ भरा पानी, बदबू गंदे पानी जमाव सें पनप रहे मच्छर
- ❐ कोरांव नगर पंचायत लोहार गली मे लोगो को आने जाने मे हो रही परेशानी
- ❐ ठेकेदार द्वारा नहीं कराया गया था मानक के अनुसार कार्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव प्रयागराज। नगर पंचायत कोरांव के वार्ड नंबर 08 शहीद नगर लोहार गली मुख्य मार्ग कोरांव ड्रामनगंज झब्बू सिंह घर के आगे तक मोहम्मद गुलाम हुसैन ठीकेदार द्वारा इंटर लाकिंग का निर्माण कार्य कराया गया लेकीन मानक के अनुसार टिकाऊ मजबूत इंटर लाकिंग का कार्य न कराये जाने सें बनने के कुछ ही दिन बाद सड़क जगह -जगह पूरी धस गईं दरारे आ गईं गड्ढा जगह जगह हो गया शिकायत के बाद आंशिक धसे भाग को शिकायतोपरांत सही कराया गया था लेकीन पुनः उसी हालत मे इंटर लाकिंग मार्ग का हालात हो गया है जिससे पानी निकासी नहीं हो पा रहा पानी एक ही जगह जमाव हो रहा है जिससे लोग़ फिसल भी रहे है बदबू बहुत ज्यादा है चार पहिया वाहन को आने जाने मे काफी परेशानी हो रहा है कुछ रास्ता सकरा है जिसमे अधिकांश भाग टुट कर धस गया है कई बार मौखिक रूप सें इस संदर्भ मे स्थानीय लोगो ने शिकायत भी किया लेकीन कोई सुनवाई नहीँ हुई हालात जस का तस है जबकि कार्यदाई संस्था का एंग्रीमेंट तीन वर्ष तक का पूरा है देखभाल का लेकीन अपने अनुबंध सर्त का पालन ठीकेदार नहीँ कर रहा है स्थानीय व मोहल्ले के लोगो ने नगर पंचायत अध्यक्ष व जिलाधिकारी प्रयागराज का ध्यान आकृस्ट कराया है।

कोरांव में हो रही टैक्स की चोरी

- ❐ गिट्टी बालू सरिया सीमेंट मालिक टैक्स बचत कर हो रहे मालामाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव प्रयागराज। कोरांव तहसील क्षेत्र मे जैसे कोरांव, रत्योरा, लेडियारी, देवघाट, गाढ़ा, खीरी महुली, मानपुर, बड़ोखर समेत अन्य पुरे क्षेत्र मे व्यापक पैमाने पर जगह जगह गिट्टी सरिया बालू सीमेंट की दुकान खोलकर बैठे है लेकीन ज्यादातर लोगो के यहां फर्म के नाम का कोई बोर्ड नहीँ लगा है बिना जीएसटी लाइसेंस के दुकान चलाकर टैक्स की चोरी करके मालामाल हो रहे है जो ग्राहक ऐसे प्रतिष्ठानों पर मकान बनवाने के लिए मटेरियल लेने जाता है उसको पक्की रसीद भी नहीँ मुहैया कराते मागने पर कहते है मै हु ना मुझे आप जानिए रसीद की कोई जरूरत नहीँ है ज्यादातर मटेरियल बिना बिल बाउचर के मगाते है नाम चार का खाना पूर्ति के लिए जो कोई ग्राहक खाता मे पैसा भेज देता है उसी को केवल नंबर एक मे आय व्यय दिखाते जो पैसा नगद आता है उसका आकड़ा इनकम टैक्स को नहीँ भेजते कुछ ऐसे ब्यापारी है जो अपना दुकान बिना लाइसेंस के चला रहे उनके यहां जो पैसा खाता मे डालता है उससे सीधे अपने खाता मे नहीँ ट्रांसफर लेते सीधे उस पैसे को जहाँ सें मटेरियल खरीदते है वहाँ ट्रांसफर करवा देते है नाप तौल का कोई सही माप यँत्र भी नहीँ रहता क्षेत्र की गरीब भोली जनता को गुमराह करके उनकी जेब ढीली कर रहे है जब कभी कभार जीएसटी टीम जांच करने आती है तो उनको सुविधा शुल्क पकडाकर बैरन वापस लौटा देते है इसी मे जीएसटी व इनकम टैक्स विभाग के अधिकारी भी सहज और खुश रहना समझते है लेकीन इससे सरकार की छबि धूमिल होने के साथ साथ टैक्स की चोरी करके राजश्व की क्षति पहुंचा रहे है।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	ADVT-InEXT-197330-1-24-1 (Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	29.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	16.12.2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	16.12.2024 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	ADVT-InEXT-155464-1-24-1 (Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	29.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	16.12.2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	16.12.2024 समय 10:40 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	ADVT-InEXT-109933-1-24-1 (Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	29.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	16.12.2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	16.12.2024 समय 10:50 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	ADVT-InEXT-174932-1-24-1 (Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	29.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	16.12.2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	16.12.2024 समय 11:00 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	ADVT-InEXT-96839-1-24-1 (Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	29.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	16.12.2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	16.12.2024 समय 11:10 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहॉं पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3836/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जलदूत नन्दकिशोर वर्मा का दिल्ली से जल प्रहरी सम्मान के लिए चयन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। जल एवं नदी संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित जल प्रहरी सम्मान के लिए जलदूत के नाम से सुप्रसिद्ध नन्दकिशोर वर्मा का चयन किया गया है सरकारी टेल डाटकाम, जलशक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से जल प्रहरी सम्मान न्यू महाराष्ट्र भवन नई दिल्ली में 18 दिसंबर को प्रदान किया जायेगा। बताते चलें कि श्री वर्मा जी विगत 16 वर्षों से जल, नदी एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अनवरत रूप से कार्य करते रहे हैं जिसके लिए क्षेत्रीय,राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों में यूं एन इन्वायरनमेंट डे हीरो, जलशक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वाटर हीरो, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गोमती तट पर वृहद वृक्षारोपण के लिए सम्मान एवं लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है उनकी लिखी अथश्री नदी कथाएं और जल, नदी एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेशों युक्त दोहों की पुस्तक ''जलदूत के दोहे'' बहुत ही सराही जा रही है जिसका विमोचन माननीय जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने किया, भारत के जलपुरुष के रूप में विश्वविख्यात राजेन्द्र सिंह ने भूरि भूरि प्रशंसा की एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

लखनऊ की खूबसूरती में चार चांद लगाएगा पेडिस्ट्रियन ब्रिज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। शनिवारः अहमदाबाद के साबरमती रिवर फ्रंट की तरह लखनऊ के गोमती रिवर फ्रंट पर भी पेडिस्ट्रियन ब्रिज बनेगा। लगभग 100 मीटर लंबा व 10 मीटर ऊंचा यह ब्रिज नदी के एक छोर को दूसरे से जोड़ेगा। ब्रिज की डिजाइन बेहद आकर्षक व अनूठी हो, इसके लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण ने आर्किटेक्चर डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित की थी। जिसमें दिल्ली, गोवा व बंगलुरू समेत देश भर से 24 प्रविष्टियां आयी हैं। अब इसमें से सर्वश्रेष्ठ चुनी जाने वाली डिजाइन के आधार पर पेडिस्ट्रियन ब्रिज को आकार दिया जाएगा। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि गोमती रिवर फ्रंट पर पेडिस्ट्रियन ब्रिज के लिए एडीसीपी ऑफिस के पास जगह चिन्हित की गयी है। जहां से नदी के एक छोर से दूसरे छोर तक लगभग 100

मीटर लंबा 15 मीटर चौड़ा व 10 मीटर ऊंचे ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। यह ब्रिज लखनऊ में पर्यटन का नया केन्द्र बनेगा। जहां पर लोग चहलकदमी करते हुए गोमती नदी व उस पर चलते क्रूज का नजारा देख सकेंगे। उपाध्यक्ष ने बताया कि ब्रिज की डिजाइन बेहद खास हो इसके लिए आर्किटेक्चर डिजाइन प्रतियोगिता नवम्बर 2024 से खोली गयी थी। इसमें लखनऊ, दिल्ली, गोवा, गुरूग्राम व बंगलुरू समेत देश भर से 24 आर्किटेक्ट आर्किटेक्चरल फर्म द्वारा डिजाइन भेजी गयी हैं। जिसमें से ज्यूरी पैनल ने प्रथम चरण की बैठक में 10 डिजाइन चयनित की हैं।

अब द्वितीय चरण की बैठक में इसमें से एक सर्वश्रेष्ठ डिजाइन का चयन किया जाएगा। जिसके आधार पर गोमती रिवर फ्रंट का पेडिस्ट्रियन ब्रिज आकार लेगा। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि पेडिस्ट्रियन ब्रिज के लिए अलग-अलग तरह के आकर्षक थीम पर डिजाइन प्राप्त हुयी हैं। जिसमें से गोमती गेट-वे, कथक ब्रिज, देव सेतु, द नॉट कनेक्टिंग, स्माइलिंग ब्रिज, तरंत सेतु, जश्न-ए-पुल व हेरिटेज वॉक आदि थीम की डिजाइन ने ज्यूरी पैनल को खूब आकर्षित किया। ये सभी डिजाइन इतनी कलात्मक व प्रभावशाली थीं कि ज्यूरी पैनल को इनमें से टॉप-10 डिजाइन का चुनाव करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। उपाध्यक्ष ने बताया कि पेडिस्ट्रियन ब्रिज पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। ब्रिज पर केवल पैदल यात्रा व साइकिलिंग की जा सकेगी। कुछ ऐसी डिजाइन प्राप्त हुयी हैं जिनमें लोगों की सुविधा के लिए ब्रिज पर पेडिस्ट्रियन प्लाजा, व्यू प्वाइंट्स, डेक, मनोरंजन के स्थान व बैठने की व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। जिन्हें वरीयता देते हुए पेडिस्ट्रियन ब्रिज की डिजाइन का चयन किया जाएगा।

बीकेटी में पुरानी रंजिश को लेकर हुई थी युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बीकेटी, लखनऊ । बख्शी का तालाब थानांतर्गत बीते दिनों घर से गांव के पास ही एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकला नया अस्तल रैथा गांव निवासी किसान सोनू (40)वर्ष पुत्र स्व.राम औतार का शव संदिग्ध परिस्थितियों में रैथा गांव के पास आलू के खेत के पास पड़ा पाया गया था।वहीं बीकेटी पुलिस ने मौक़े पर पहुंचकर शव का पंचनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर अग्रिम कार्यवाही में जुटी हुई थी,जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर बीकेटी पुलिस व पुलिस उपायुक्त उत्तरी क्राइम टीम द्वारा शनिवार को रैथा गांव निवासी रजनीश उर्फ़ छोटू निषाद पुत्र केशव निषाद को रैथा अंडरपास छठामील जाने वाली रोड़ के पास से गिरफ्तार किया वही रजनीश से जब कड़ाई से पूछताछ की तो उसने कबूला कि पुरानी रंजिश को लेकर मैंने अकेले ही सोनू की हत्या कर उसके शव को आलू के खेत में डालकर फरार हो गया था।वहीं घटना के सफ़ल अनावरण होने पर शनिवार को एडीसीपी लखनऊ उत्तरी जीतेंद्र कुमार दुबे ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि 10 दिसंबर 2024 को बीकेटी थानांतर्गत अस्तल गांव निवासी सोनू का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया था,जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर रैथा गांव निवासी रजनीश उर्फ़ छोटू को गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर मैंने सोनू की हत्या कर दी थी।वही पुलिस ने आरोपी को शनिवार को अदालत में पेश किया,जहां से जेल भेज दिया गया।

नगराम के अमित वर्मा ने माता-पिता का किया नाम रोशन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जिला पंचायत सदस्य अमरेन्द्र भारद्वाज ने घर पहुंचकर दी बधाई

नगराम, लखनऊ। होनहार बिरवान के होत चिकने पात यह कहावत नगराम क्षेत्र के डोरिया गांव निवासी हरिहर वर्मा के बेटे अमित वर्मा चरितार्थ की जाती है , थाना नगराम क्षेत्र के डोरिया हरदोइया निवासी हरिहर वर्मा जो की पेशे से कृषि कार्य करते हैं लेकिन उनके बेटे अमित वर्मा ने अपनी मेहनत और अपने लगन से आज अपने लक्ष्य का मुकाम हासिल किया है , जिसमें गांव व क्षेत्रीय लोगों का इन दिनों बधाई देने के लिए तांता लगा रहता है इसी क्रम में शनिवार को जनपद के वार्ड - 19 के जिला पंचायत सदस्य अमरेंद्र भारद्वाज व गौरव भारद्वाज अमित के घर पहुंचकर अमित वर्मा के लगन और मेहनत को साराहा और निरंतर आगे की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया एक प्रेस वार्ता में अमित वर्मा ने बताया कि कक्षा आठ तक पढ़ाई के बाद लखनऊ पब्लिक कालेज एट, शारदानगर से 10वीं और 12वीं किया। फिर लवि से 2020 में बी. एससी में साख्यिकी विषय लेते ही तय कर लिया था कि आइएसएस की तैयारी करनी है। 2022 में एम.एससी सांख्यिकी आइआइटी मुंबई से किया। बिना कोचिंग सेल्फ स्टडी को अपनाया। परीक्षा के हर विषय पर फोकस किया। बताया कि आज इस मुकाम पर पहुंचा हूं जो भी कुछ हूं अपने माता-पिता के आशीर्वाद से हूं । मां श्रीकान्ती व पिता हरिहर वर्मा खेती करते हैं, पूरा श्रेय माता पिता व गुरू जनों का है।

थाना समाधान दिवस बना मजाक, समस्याओं के निराकरण में उदासीनता, नहीं पहुंच रहे फरियादी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बंथरा। थाने पर महीने के दूसरे शनिवार को होने वाला संपूर्ण समाधान दिवस मजाक बनता जा रहा है। पुलिस अधिकारियों द्वारा फरियादियों की समस्याओं के निराकरण में उदासीनता एवं लेट लतीफी से पीड़ितों का विश्वास खोता जा रहा है। यही कारण है कि फरियादी अपनी समस्याओं को लेकर थाना दिवस में पहुंच ही नहीं रहे हैं। फिलहाल पुलिस उपायुक्त दक्षिणी केशव प्रसाद ने शनिवार को बंथरा थाने में आयोजित समाधान दिवस में पहुंचकर जनसुनवाई की। वह यहां करीब एक घंटे रूके। इस दौरान क्षेत्र के अलग-अलग जगहों से चार फरियादी अपनी शिकायतें लेकर आए। इनमें

एक शिकायत भटगांव प्रधान पति पीनू रावत की भी थी। उन्होंने पुलिस उपायुक्त को बताया कि करीब छः बीघा दस बिस्वा रकबे का चक है जिसमें उनका हिस्सा है लेकिन कुछ लोगों ने पूरी जमीन को जबरन जोतकर उसमें सरसों की बुआई करा दी है। उनका कहना है कि उन्होंने मामले का वाद न्यायालय में भी दायर कर दिया है लेकिन विपक्षियों से उन्हें खतरा सता रहा है। प्रधान पति पीनू ने पुलिस सुरक्षा की मांग की। इसके अलावा थाना समाधान दिवस में तीन और मामले आए। यह तीनों भी जमीन से ही

बंथरा थाने पर समाधान दिवस में मौजूद है रहे पुलिस उपायुक्त

संबंधित थे। कुल सभी चार मामलों में एक का निस्तारण करा दिया गया शेष में जांच के लिए कहा गया है। जन शिकायतों की सुनवाई के बाद डीसीपी केशव प्रसाद ने जांच अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए निर्देशित भी किया। इस मौके पर थाना प्रभारी राम सिंह सहित लगभग सभी बीटों के इंचार्ज और लेखपाल आदि मौजूद रहे।

अवैध मिट्टी खनन कर पाटा गया निजी वेयरहाउस

बंथरा कैनविज टाइम्स संवाददाता। बंथरा क्षेत्र के सादुल्ला नगर गांव में नवनिर्मित एक निजी वेयरहाउस की पटान अवैध रूप से मिट्टी की खनन कर की गई है। सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार वेयरहाउस की पटान गांव में ही स्थित एक तालाब से अवैध रूप से मिट्टी खनन कर की गई। सूत्र बताते हैं कि बीते कई दिनों से रात में जेसीबी मशीनों के साथ दर्जन भर ट्रैक्टर ट्राली से तालाब की खुदाई करते हुए वेयरहाउस की पटान की गई। क्षेत्र में अवैध खनन से संबंधित मामले लगातार प्रकाश में आ रहे हैं बावजूद खनन माफिया बेखौफ होकर खनन व पुलिस विभाग से सांठ-गांठ कर क्षेत्र में कृषि योग्य अथवा तालाब की अवैध रूप से मिट्टी खोदकर मोटा मुनाफा कमाने के साथ सरकार को भारी राजस्व की धनहानि करा रहे हैं। अभी हाल ही में थाना क्षेत्र के मिर्ज़ापुर गांव में हो रहे अवैध खनन से संबंधित मामले में वीडियो वायरल होने पर खनन अधिकारी द्वारा आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा लिखाया गया था। बावजूद क्षेत्र में मिट्टी के अवैध कारोबार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस संबंध में जब खनन अधिकारी दिनेश कुमार आर्य से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि मुझे इस मामले में कोई जानकारी नहीं है।

सेंट मैरी पब्लिक इंटर कॉलेज के वार्षिक कार्यक्रम में मासूमों ने मारी बाज़ी

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। अंबरगंज स्थित सेंट मैरी पब्लिक इंटर कॉलेज में हर साल होने वाले कार्यक्रम इस साल भी जारी हैं। शनिवार को इन्हीं कार्यक्रमों के चलते प्री प्राइमरी सेक्शन के मासूम बच्चों ने कई तरह के कार्यक्रम पेश किये। इस बार कार्यक्रम में लगभग 350 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में छोटे-छोटे मासूम बच्चे अलग-अलग वेशभूषा और किरदारों में नज़र आये। इस मौके पर कार्यक्रम में छोटे-छोटे मासूम बच्चों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यहाँ फ्रूट और फूलों के साथ साथ ज़ेबरा क्रॉसिंग, ट्रैफिक लाइट, एंबुलेंस, ट्रैफिक पुलिसकर्मी, डॉक्टर, एयर होस्टेस और न्यूज़ एंकर जैसे रूप धारण कर स्टेज पर नजर आए। बच्चों के इस रूप में मासूमियत झलक रही थी। बच्चों ने अपने इस किरदारों से समाज और जागरूकता से जुड़े संदेशों को बड़ी सुंदरता से प्रस्तुत किया। बच्चों ने अपनी-अपनी भूमिकाओं में डूबकर परफॉर्म किया, और दर्शकों ने उनकी मेहनत और कला को दिल खोलकर सराहा। पूरे कार्यक्रम में तालियों की गूंज और बच्चों की मुस्कान ने माहौल को आनंदमय बना दिया। इस तरह के कार्यक्रम न केवल बच्चों की कल्पनाशीलता और आत्मविश्वास को उजागर करते हैं बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रेडियो जॉकी और दूरदर्शन की न्यूज़ एंकर समरीन सिद्दीकी मौजूद थीं। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम में प्रथम द्वितीय व तृतीय आने वाले बच्चों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया साथ ही उन बच्चों को भी मेडल पर रहकर सम्मानित किया। उन्होंने कार्यक्रम और स्कूल की खुले दिल से तारीफ करते हुए कहा कि सेंट मैरी पब्लिक इंटर कॉलेज, की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यहां बच्चों के बीच पहला या दूसरा जैसी प्रतिस्पर्धा का भाव नहीं है। सभी बच्चों को समान दृष्टि से देखा जाता है और उन्हें विजेता के रूप में प्रोत्साहित किया जाता है। समरीन सिद्दीकी ने आए हुए माता-पिता को संदेश दिया कि वे अपने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी आगे बढ़ने का मौका दें। उन्होंने बच्चों की प्रस्तुतियों और उनकी प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उनका यह प्रोत्साहन बच्चों और अभिभावकों दोनों के लिए प्रेरणादायक रहा।

निगोहां में धूमधाम से निकाली गई राम बरात, दिखी गंगा जमुनी तहज़ीब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। शनिवार को संकट मोचन हनुमान मंदिर से निगोहां कस्बे में हांथी, घोडा, पालकी ऊंट व बाइक, कारो के साथ भव्य आतिशबाजी कर श्री राम बरात निकाली गयी। जिसमे हिन्दू समुदाय के साथ-साथ मुस्लिम समुदाय के लोग व किन्नर भी शामिल हुए और हिन्दू- मुस्लिम एकता की मिशाल कायम हुई। मेला प्रबन्धक लक्ष्मीकांत तिवारी व अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी संकट मोचन हनुमान मंदिर पर दो दिन मेले का आयोजन हुआ, जिसमे रामलीला , राम बरात व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पहले दिन शुक्रवार को भव्य दीपोत्सव, आतिशबाजी ,धनुष यज्ञ, सीता स्वयंवर का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। शनिवार को भगवान श्री राम की बरात हनुमान मन्दिर से निकाली गयी और जगह - जगह बरात की अगवानी व जलपान की व्यवस्था की गयी। बरात में हाथी घोड़ा पालकी बाइक कार सहित हजारों की संख्या में हिंदुओं के साथ साथ मुस्लिम समुदाय के लोग ने भी शामिल होकर

गंगा जमुनी तहज़ीब की मिसाल पेश की। मेला उपप्रबंधक अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि यह मेला सैकड़ों वर्षों से चला आ रहा है वहीं लक्ष्मीकांत तिवारी द्वारा हनुमान मन्दिर पर राम बरात की आगवानी की गयी। जिसके बाद निगोहां में होटल रामगुलाम, लल्लन शुक्ल, थाना निगोहां, एस एन टी कालेज में बारात का स्वागत किया। वहीं निगोहां थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने नंगे पांव विधिवत भगवान श्री राम की आरती कर,माला पहना कर मिठाई वितरित करते हुए बारात की अगवानी करके दक्षिणा दी। थानाध्यक्ष निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि श्री राम बरात हेतु स्थानीय पुलिस बल भी तैनात की गई और कार्यक्रम को सकुशल संपन्न करवाया गया।

किन्नरों और मुस्लिम समुदाय के लोगो ने भी किया भगवान राम की बरात का स्वागत

निगोहां कस्बे में किन्नर प्रियंका सिंह रघुवंशी, मल्लिका व रूही ने बरात का पूजन कर स्वागत किया, वहीं कस्बे में मुस्लिम समुदाय से मो. खलील, लाला, अकील, हफीज,नादिर सब्बीर, एजाज समेत सैकड़ो की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग भी शामिल हुए और फूल माला पहनाकर व जलपान करवाकर बरात की अगवानी की।

धूमधाम से निकाली गई भोलेशंकर की बारात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बंथरा। बंथरा गांव में शनिवार को भक्तों ने भोलेशंकर की बारात बड़े ही धूमधाम के साथ निकाला। आगे-आगे फूलों से सजे-धजे वाहन पर शिव, पार्वती, गणेश और नंदीजी की मूर्ति और उसके पीछे ढोल नगाड़े के साथ नाचते गाते श्रद्धालुओं की कतार। महादेव की बारात में आतिशबाज़ी के साथ अबीर, गुलाल भी खूब उड़ा। लोग शिवभक्त में सराबोर दिखे। इसी तरह श्रद्धालुओं ने मूर्ति के साथ पूरे गांव का भ्रमण किया। नवनिर्मित शिव मंदिर में मूर्ति स्थापना से पहले परंपरा के अनुसार बारात के साथ इन मूर्तियों को पांच मंदिरों में ले जाया गया। इन सभी मंदिरों में पहुंचने पर विधि विधान पूर्वक कार्यक्रम संपन्न कराए गए। इसके बाद मूर्तियों के साथ निकली शिव बारात वापस जगदेश्वर मंदिर लौटी। इसके बाद आचार्यो ने मंत्रोच्चारण के साथ विधि पूर्वक मूर्तियों की स्थापना कराई। वहीं बाद में विवाह

की सारी रस्में अदा की गई। घराती और बरातियों के लिए भोजन आदि की भी व्यवस्था थी। बारात में शामिल लोगों ने रात को भोजन भी किया। आयोजक गोवर्धन सिंह ने बताया कि कार्यक्रम प्रभू की इच्छा से संपन्न हुआ। वह तो सेवक मात्र हैं। उन्होंने बारात में शामिल भक्तगणों का आभार भी व्यक्त किया। आचार्य अनुज पांडे कहते हैं कि इस तरह के कार्यक्रम तो हर एक को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति के आगे सब बेकार है। यही एक साधन है जिससे इंसान मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है।

निर्माणाधीन मकान का लिंटर गिरने से मजदूर की मौत,परिजन का हंगामा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत मऊ गांव में निर्माणाधीन मकान का दीवाल लेंटर गिरने से गंभीर रूप से घायल राजगीर मिस्त्री को सीएचसी मोहनलालगंज ले जाया गया जहां डॉक्टर ने राजगीर को मृत घोषित कर दिया सूचना पर पहुंचे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत मऊ गांव निवासी मोहम्मद वसीम के निर्माणाधीन जर्जर मकान का शनिवार को छज्जा गिरने से घर में काम कर रहे नगर पंचायत मोहनलालगंज के अहमदपुर खालसा निवासी राजगीर मिस्त्री ओम प्रकाश 60 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें साथी

मजदूरों व घर वालों की मदद से सीएचसी मोहनलालगंज ले जाया गया जहां डॉक्टर ने राजगीर मिस्त्री को मृत घोषित कर दिया। राजगीर मिस्त्री की मौत की सूचना घर वालों को मिलते ही परिजन व भारी संख्या मे ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एकत्रित हो गए और हंगामा करने लगे सूचना पर पहुंची मोहनलालगंज पुलिस ने हंगामा कर रही आक्रोशित भीड़ को समझा कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक ओम प्रकाश के घर में पत्नी सुशीला चार बेटे संतोष, योगेश, मनीष, शिवम एवं एक शादी शुदा बहन लक्ष्मी है इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया कि राजगीर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

नन्ही गौरैया, वन्य जीवो का संरक्षण हम सबका दायित्व : सितांशु पाण्डेय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

काकोरी लखनऊ। मेरी प्यारी गौरैया संरक्षण समिति के अध्यक्ष महेश साहू (पंक्षी प्रेमी)द्वारा मोहान रोड स्थित ड्रीम चिल्ड्रेन एकेडमी में गौरैया व पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।?कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीएफओ अवध सितांशु पाण्डेय उपस्थित रहे। पक्षी प्रेमी महेश साहू ने मुख्य अतिथि डीएफओ अवध सितांशु पाण्डेय का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। वही विधालय प्रबंधन के शिशिर श्रीवास्तव, ज्योति श्रीवास्तव, प्रिया श्रीवास्तव ने भी अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया । इस दौरान मेरी प्यारी गौरैया संरक्षण समिति की वेबसाइट की भी शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा की गई। छात्र छात्राओ ने नन्ही गौरैया पर्यावरण पर कविता व गीत गाया जिसपर जमकर तालियां बजी?। वही छात्र छात्राओ ने अपशिष्ट पदार्थ से नन्ही गौरैया के कृत्रिम

घोंसले भी बनाए जिसने सब मन मोह लिया। मुख्य अतिथि सितांशु पाण्डेय ने कहा कि गौरैया हमारी फसलों को भी कीड़ों से बचाती है ।गौरैया को वापस बुलाने के लिए घर की छत पर दाना, पानी रखें और घर के आस-पास पेड़-पौधे लगाएं, क्योंकि यही गौरैया का प्राकृतिक परिवेश है शहर में नन्ही गौरैया को घोंसले बनानें का सुरक्षित स्थान मिलना मुश्किल है। इसलिए हम सबको नन्ही गौरैया को बचाने के लिए कृत्रिम घोंसले भी लगाने चाहिए। मेरी प्यारी गौरैया संरक्षण समिति द्वारा नन्ही गौरैया संरक्षण के लिए किया जा रहा प्रयास सराहनीय है। नन्ही गौरैया, वन्य जीव, पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को आगे आना चाहिए। पंक्षी प्रेमी महेश साहू ने कहा कि तेजी से बदलते शहर अब घरेलू गौरैया के लिए उपयुक्त आवास नहीं रह गए हैं , क्योंकि बुनियादी ढांचे के नए और आधुनिक डिजाइन में गौरैया के लिए घोंसला बनाने के लिए कोई जगह नहीं है; माइक्रोवेव टावरों और कीटनाशकों के कारण प्रदूषण; घरेलू गौरैया अपने चारागाह (प्राकृतिक) खो रही है। अभी समय रहते नन्ही गौरैया को बचाने के प्रयास हम सभी को करना चाहिए। शिशिर श्रीवास्तव ने सम्बोधित करते हुए कहा कि नन्ही गौरैया हम सबकी घरेलू चिड़िया है हम सब पचपन में उसके साथ खेलते थे, लेकिन अब हम सबकी कुछ गलतियों की वजह से नन्ही गौरैया हम सब से दूर चली गई है इसलिए हम सबको नन्ही गौरैया को वापस बुलाने के प्रयास करने होंगे। नहीं वह दिन दूर नहीं जब नन्ही गौरैया केवल गूगल व किताबो में ही दिखाई देगी। इस मौके पर ज्योति श्रीवास्तव, प्रिया श्रीवास्तव, मनीष गुप्ता, डॉ अंजू सहित सैकड़ों छात्र छात्राएं व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सड़क किनारे ऊगी झाड़ियों को कटवाने के नाम पर की गई खानापूर्ति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। मधवापुर रामकोट मार्ग पर बरसात के समय बड़ी-बड़ी झाड़ियां रोड के दोनों किनारो पर उगी थी जिसमें कुछ कटीली झाड़ियां भी हैं कुछ दिन पहले इस रोड के अवर अभियंता द्वारा दो लेबर लगा करके जहां-तहां झाड़ियों को कटवाया गया। झाड़ियों को कटवाने के नाम पर केवल खाना पूर्ति की गई है दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र में बड़ी-बड़ी कटिली झाड़ियां उगी हुई हैं जिन पर यदि कोई वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है तो यह कटिली झाड़ियों से निकले कंटे शरीर में चुभ जायेंगे लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता द्वारा इस रोड पर कुछ काम तो कराया परंतु

झाड़ियों को काटने के नाम पर मात्र खाना पूर्ति कर कागज का पेट भरा गया है इस संबंध में गांव के रजत शुक्ला राम भरोसे सीताराम दीपक शुक्ला आदि क्षेत्रीय लोगों से बात की गई तो उन्होंने बताया झाड़ियां साफ करने के नाम पर मात्र लीपापोती गई है मात्र एक-दो दिन इस पर दो लेबर लगा करके साफ कराया गया कटीले पौधे ज्यादा उग आये है जिससे लोगों को गिरने पर यह कटीली झाड़ियां वाले पेड़ उसके शरीर में चुभ जाएंगे जिससे दुर्घटनाग्रस्त लोग को और पीड़ित हो जायेंगे क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा मांग की गई है कि सीतापुर मधवापुर रामकोट मार्ग पर झाड़ियां को यथाशीघ्र कटवाया जाए तथा मार्ग के किनारे मिट्टी पटान कराया जाये।अवर अभियंता द्वारा साफ सफाई के नाम पर लोक निर्माण विभाग द्वारा लगाया गया दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र में बोर्ड भी साफ नहीं हो सका है।

नहीं थम रहा है स्मैक का कारोबार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

क्षेत्र में हो रही मादक पदार्थों की बिक्री पर रोक नही लगा पा रही है पुलिस

सुलतानपुर। जिले के बल्दीराय थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री इन दिनों पुलिस की शिथिलता के चलते जोरों पर है। जिससे बूढ़े जवान ही नहीं युवा वर्ग भी नशाखोरी की गिरफ्त में दिनों दिन फंसता चला जा रहा है। क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों ने कई बार इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस से की लेकिन कार्रवाई के नाम पर पुलिस महज खानापूर्ति करती ही नजर आती है। जिससे मादक पदार्थों की बिक्री करने वालों के हौसले बुलंद हैं। वही क्षेत्र की जनता में पुलिस की इस कार्यशैली से आक्रोश भी व्याप्त है। थाना क्षेत्र के बहुरावां, बीहीनिदूरा, बलदीराय, गिरजा मोड़, देहली, लकेहटा, पारा समेत अन्य चौराहों पर स्मैक और गांजे का धंधा स्थानीय पुलिस की शिथिलता के कारण फल-फूल रहा है। थाना क्षेत्र में पुलिस खानापूरी कर एक-दो लोगों को पकड़ने के बाद उनके पास दस-बारह पुड़िया की माल बरामदगी दिखा जेल भेजने की कार्रवाई कर अपना पल्ला झाड़ लेती है। जबकि मादक पदार्थों की सप्लाई करने वाले पाक साफ बचे रह जाते हैं। क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में रह रहे युवाओं में नशाखोरी एक फैशन सा बनता जा रहा है। इसका एक प्रमुख कारण क्षेत्र में स्थित बाजारों में मादक पदार्थों की धडल्ले से हो रही बिक्री माना जा रहा है। क्षेत्र के विभिन्न चौराहों पर बुजुर्ग जहां गांजे की चिलम खींचते दिखाई पड़ते हैं। तो वही युवा वर्ग स्मैक जैसे खतरनाक मादक पदार्थ का सेवन कर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि नशा सिर्फ स्वास्थ्य के लिए ही हानिकारक नहीं है, बल्कि यह नशा परिवार से लेकर समाज तक का दुश्मन है। नशा के कारण जहां पूरा परिवार बर्बाद हो जाता है। वहीं समाज में व्यक्ति को हेय दृष्टि से देखा जाता है। शिक्षा की कमी और गरीबी के कारण समाज में यह बुराई लगातार फैल रही है। इस बाबत क्षेत्राधिकारी सौरभ सावंत ने बताया कि स्मैक के कारोबारी के ठिकानों पर पुलिस लगातार दबिश देती है कई को पुलिस गिरफ्तार भी कर चुकी है। जल्द ही पुलिस नशा कारोबारियों के विरुद्ध एक अभियान चलाकर इस धंधा को बंद कराया जाएगा।

डिजिटल प्लेटफार्म का दुरूपयोग, भ्रामक शिकायत पोस्ट करने वाले के विरूद्ध होगी कार्यवाही

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर उप जिलाधिकारी महमूदाबाद ने एक पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि श्री शिवेन्द्र प्रताप यादव निवासी करबा व तहसील महमूदाबाद जनपद सीतापुर के प्रार्थना पत्र जो मा0 मुख्यमंत्री महोदय उ0प्र0 शासन को सम्बोधित है के सन्दर्भ में, उक्त पत्र को शिकायतकर्ता द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्वीटर/एक्स पर पोस्ट किया गया है, जिसमें ग्राम जयरामपुर में बधाइन मोड़ वाले मार्ग पर क्षेत्रीय लेखपाल व राजस्व निरीक्षक की मिली भगत से अवैध खनन किराये जाने की शिकायत की गयी है। उन्होंने उक्त शिकायत के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि शिकायतकर्ता द्वारा दिनांक 07.12.2024 को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसीलदार महमूदाबाद से उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में शिकायत की गयी। तहसीलदार महमूदाबाद द्वारा प्रकरण की जांच करायी गयी, जिसमें पाया गया कि ग्राम जयरामपुर परगना व तहसील महमूदाबाद जिला सीतापुर की गाटा सं0 133/0.1940 हे0 व गाटा सं0 132/0.5940 हे0 पर क्रमशः प्यारेलाल, सुरेश प्रकाश पटेल, जयसिह, अमर सिंह, प्रदीप कुमार व लालता प्रसाद, श्रीमती राशदीबानों सं0भू0 सहखातेदार दर्ज अभिलेख है। उक्त गाटों पर आवेदक पंकज वर्मा निवासी तेतारपुर बिलौली बाजार महमूदाबाद जिला सीतापुर द्वारा कार्यालय जिलाधिकारी सीतापुर खनन अनुभाग द्वारा साधारण मिट्टी की निकासी हेतु अनुज्ञा पत्र दिनांक 16.11.2024 को प्राप्त किया गया है जिस पर आवेदक द्वारा मिट्टी खनन रायल्टी जमा कर अनुज्ञा की अवधि दिनांक 16.11.2024 से 14.01.2025 तक समय सीमा के अन्तर्गत खनन किया जा रहा है। प्रार्थी द्वारा की गयी शिकायत असत्य व निराधार है।

उन्होंने बताया कि उपरोक्त सन्दर्भित प्रकरण में शिकायतकर्ता द्वारा डिजिटल प्लेटफार्म का दुरूपयोग कर भ्रामक शिकायत पोस्ट करके सरकार की छवि खराब की गयी है जिसके सम्बन्ध में शिकायतकर्ता के विरूद्ध सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित की जाए।

बड़े-बड़े गडढे में तब्दील नहर की पटरियां, प्रतिदिन होती हैं दुर्घटनाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। जिले मे खण्ड 49 जौनपुर ब्रांच की नहर की पटरी महेश्वर गंज से लेकर ऊंचगांव तक लगभग 15 किलोमीटर जिसमें निगोलिया, परवरभार, रेवती का पुरवा, धम्मौर, नरही, भांटी, अल्पी मिश्र का पुरवा, रामापुर, हाकुहा, देवलपुर, चकौदी, दाउद्पुर, टिकरिया,अलीगंज, रायापुर, पूरे बनीराय, ऊंचगांव पूरे पांडेपुर आदि पचासो गांवो की लाखों की आबादी का प्रतिदिन इसी रास्ते से आना जाना रहता है हजारों की संख्या में दो पहिया वाहन और चार पहिया वाहन, पैदल राहगीर यात्रा करते हैं। सिंचाई विभाग द्वारा बनाई गई नहर की पटरी लगभग 1 वर्ष पूर्व से बड़े-बड़े गड्ढे में तब्दील है जिस पर प्रतिदिन गिरकर दुर्घटनाएं हो रहे हौं स्थानीय निवासी सूर्य नरायण तिवारी, रामप्रकाश तिवारी, नितिन शुक्ला, निशांत आदि लोगों ने कहा कि नहर की पटरी पर चलने से गाड़ी और सेहद दोनों कब खराब

हो जाए कोई भरोसा नहीं है। स्थानीय प्रशासन को तुरंत नहर की पटरी ठीक कराया जाय, जिससे लोगों को आने जाने में सुगमता हो और सफर में समय भी कम लगे। इस विषय को लेकर स्थानीय विधायक मोहम्मद कई बार नहर विभाग के अधिकारियों को लिखित शिकायत कर अवगत कराया था स्थानीय विधायक ने कहा कि जल्द ही विधानसभा में इस समस्या को लेकर प्रश्न उठाया जाएगा। नहर विभाग के अधिकारियों का कहना है कई बार पटरी रिपेयर कराया गया लेकिन बजट कम होने के कारण गुणवत्तापूर्ण सड़क नहीं बन पाती है और टोल टैक्स बचाने के चक्कर में भारी वाहनों का नहर की पटरी से आवागमन होता है जिससे नहर की पटरी जर्जर हो जाती है।

सीतापुर की नहरों में हुई सिल्ट सफाई का किया गया सघन निरीक्षण

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। सिंचाई विभाग के मुख्य अभियन्ता (शारदा) श्री हृदय नारायण सिंह द्वारा दिनांक 12.12.2024 को जनपद सीतापुर की नहरों में हुई सिल्ट सफाई का सघन निरीक्षण किया गया । मुख्य अभियन्ता द्वारा मिश्रिख क्षेत्र की नहरों का निरीक्षण मा0 विधायक श्री रामकृष्ण भार्गव के साथ किया गया एवं सिधौली क्षेत्र की नहरों का निरीक्षण मा0 विधायक श्री मनीष रावत के साथ किया गया है। उनके द्वारा बताया गया कि जनपद की 129 नहरो में कि0मी0 749 की सिल्ट सफाई का कार्य कराया गया है। दिनांकः-13.12.2024 को बनबसा स्थिति मुख्य नहर से पानी का संचालन प्रारम्भ कर दिया गया है। इससे कृषको को रबी फसल की सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध हो जायेगा। उनके द्वारा यह भी कहॉ गया कृषक रास्ते के लिए माइनर में पाईप इत्यादि न लगाये जिससे पानी का अवरोध उत्पन्न न हो। उनके द्वारा नहरों की पटरी को अवगमन हेतु सुगम बनाने के लिए ग्राम पंचायत के माध्यम से मनरेगा से कार्य कराया जा सकता है। जिसे सिंचाई विभाग द्वारा आनापत्ति दे दी जायेगी। सभी कृषको द्वारा अवैध रूप से बन्धा अथवा खादी न की जाये। मुख्य अभियन्ता द्वारा मा0 विधायक सिधौली के समीप ग्राम- टेढ़ई में स्थिति निरीक्षण भवन का भी निरीक्षण किया गया। मा0 विधायक द्वारा निरीक्षण भवन के पुनरोद्धार हेतु मुख्य अभियन्ता से कहॉ गया। जिस पर मुख्य अभियन्ता द्वारा उपस्थित अधिशासी अभियन्ता से निरीक्षण भवन का प्रस्ताव तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के समय श्री निलेश कुमार जैन, अधीक्षण अभियन्ता, श्री विशाल पोरवाल अधिशासी अभियन्ता, श्री तरूण द्विवेदी, सहायक अभियन्ता, श्री अंकित कुशवाहा, सहायक अभियन्ता उपस्थित रहे।

कन्नौजः खड़ी बस में टक्कर मार ट्रक ने दो को रौंदा, चार जखमी

कन्नौज। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार की रात के समय खड़ी बस में ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दो सवारियों की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। घटना एक्सप्रेस-वे पर तालग्राम थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 168 पर हुई। दिल्ली से 33 सवारियों को लेकर नेपाल के काठमांडू जाने के लिए बस निकली थी। जिसको नेपाल के सप्लाई जिले के जनकपुर आंचल निवासी पुष्कर थापा चला रहे थे। रात 12 बजकर 10 मिनट पर जैसे ही बस कन्नौज जिले के तालग्राम थाना क्षेत्र में पहुंची, तभी उससे धुआं उठता दिखाई दिया। इंजन से धुआं निकलता देख ड्राइवर ने बस को साइड में खड़ा कर दिया और पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास करने लगा कुछ सवारियां भी बस से नीचे उतर कर खड़ी हो गईं। इस दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने नीचे खड़ी सवारियों को रौंदते हुए बस में टक्कर मार दी। जिसमे ज्ञानू सुनार (20) निवासी ललितपुर नेपाल और सुभाष बुद्ध ठोकी (32) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि इस हादसे में सागर तामन, प्रेमपुण्य, प्रीतम निवासीगण दरभंगा नेपाल और सनी कुमार निवासी द्वारिका कालोनी दिल्ली घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही यूपीडा और पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। जबकि घायलों को तिर्वा स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवा दिया। बाकी सवारियों को दूसरी बस से भेज दिया गया।

फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाने के नाम पर भी 3000 रुपये तक की हो रही है वसूली

मुरादाबाद। आयुष्मान कार्ड बनाने के नाम पर कुछ जनसेवा केंद्र संचालक लोगों से तीन हजार रुपये तक वसूल कर रहे हैं। सूची में शामिल जिन लोगों ने अपने आयुष्मान कार्ड नहीं बनवाए हैं, उनके नामों का फायदा उठाकर फर्जीवाड़ा चल रहा हैं। जिले में दो मामले ऐसे सामने आएं जिसमें दो मरीजों ने आयुषमान कार्ड की केवाईसी के दौरान पता चला कि वह फर्जी है। पीड़ितों ने जहां से कार्ड बनवाया था वह साइबर कैफ़े बंद हो चुका है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह ने कहा कि फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाने की शिकायतों की गहनता से जांच कराई जाएगी। आयुष्मान कार्ड बनवाने व इस संबंध में कोई भी जानकारी लेने के लिए कार्यालय में तैनात स्टाफ से लें। कार्यालय में रखी सूची या स्टाफ द्वारा सूची में नाम होने की पुष्टि हो जाए तभी कार्ड बनवाएं। जिले में 13 लाख 62 हजार लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने थे। इनमें से 11 लाख 20 हजार लोग आयुष्मान कार्ड बनवा चुके हैं। करीब दो लाख लोग ऐसे हैं जिनके नाम सूची में हैं लेकिन वह आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए आगे नहीं आए। इन नामों का फायदा उठाकर कुछ जनसेवा केंद्र संचालक लोगों से कार्ड बनाने के नाम पर तीन हजार रुपये तक वसूल रहे हैं। सूची से मिलते जुलते नाम वाले व्यक्ति का कार्ड बनाकर उन्हें सौंप दिया जाता है। अस्पताल में केवाईसी के दौरान पता चलता है कि कार्ड फर्जी है। दो दिन पूर्व थाना मझोला क्षेत्र के रामतलैया निवासी मोहन यादव और उनके भाई श्याम यादव आयुषमान कार्ड की केवाईसी कराने जिला अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि कार्ड पर उनका नाम तो सही था, लेकिन वल्दियत मैच नहीं हुई। जांच में पाया गया कि ये कार्ड फर्जी है। पीड़ितों ने बताया कि उन्होंने दीपावली से पहले यह कार्ड तीन-तीन हजार रुपये में बनवाएं थे, जहां से यह कार्ड बनवाये थे वह साइबर कैफ़े बंद हो चुका है।

प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर पलटी, महिला की मौत

बांदा। बांदा से बबेरू वाया राजापुर चित्रकूट की ओर जा रही एक प्राइवेट बस शुक्रवार को बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के पास पलट गई। बस की रफ्तार तेज होने के कारण दुर्घटना हुई। दुर्घटना में एक महिला यात्री की मौत हो गई। जबकि सभी 70 यात्री घायल हो गए। इनमें 24 यात्रियों को जिला अस्पताल व रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। इनमें से दो की हालत गंभीर है। दुर्घटना बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के नीचे दोहा बबेरू रोड पर हुई। मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीधक ने घटनास्थल का जायजा लिया। शनिवार को लगभग 11.30 बजे प्राइवेट बस यूपी 90,बी 9954 बांदा से होकर बस बबेरू राजापुर चित्रकूट की ओर जा रही थी।

नव दिवसीय श्री चंडी महायज्ञ एवं विराट संत सम्मेलन का किया गया आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। जनपद की विकास खंड मछरेहटा के अंतर्गत ग्राम सडिला स्थित पौराणिक स्थल बाबा मंगलेस्वर धाम विगत वर्षो की भांति इस वर्ष एकादश श्री रुद्र चण्डी महायज्ञ एवं विराट संत सम्मेलन का आयोजन कर विशाल भंडारे के साथ समापन किया गया।

यह महायज्ञ भगवान भोलेनाथ की असीम कृपा से सभी ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासियों के सहयोग से कथा व्यास पंडित प्रदीप कृष्ण महाराज एवं आचार्य पंडित भूपेन्द्र जी महाराज के मुखारविंद से धर्मानुरागी कथा प्रेमियों को कथा का रसपान कराया गया। दोपहर बेला में श्री शिव पुराण व रात्रि बेला में श्री मदभागवत कथा का रसपान कराया गया।अमृतमयी भागवत कथा को सुनकर सभी श्रद्धालु भक्त परम् आनंदित हुए । सुन्दर-सुन्दर झांकियो का आयोजन किया गया। जिसके समापन पर

विशाल भंडारे व सुंदर झांकियो के साथ किया गया समापन

विशाल भंडारे का आयोजन किया गया । जिसमें सैकड़ो भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर पंडित संदीप दीक्षित, अमित दीक्षित, कैलाश दीक्षित, त्रिवेणी प्रसाद, जमुना प्रसाद, रामेंद्र दीक्षित, श्याम सिंह, सुमित सिंह, जयपाल दीक्षित, ज्ञानेन्द्र दीक्षित,रामू अवस्थी, मोहित दीक्षित, पीताम्बर दीक्षित, रामासारे दीक्षित, रामधार राजवंशी, विश्राम राजवंशी, राजेन्द्र राजवंशी, चित्रसेन तिवारी, नीरज पांडे, वीरू शुक्ला, ओम प्रकाश शुक्ला , महिपाल मौर्या, छोटे राजवंशी , गुडालू कश्यप , बिनोद कश्यप , राजकुमार नाई , शिवकुमार नाई , संदीप मौर्य आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए डॉ. दीपा द्विवेदी चयनित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। जिले के वैदहा गांव निवासी डॉ. दीपा द्विवेदी हिन्दी प्रवक्ता केशकुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सुलतानपुर में कार्यरत हैं। बीते दिनों उन्हें राज्य अध्यापक पुरस्कार में चयनित होने की सूचना पर जनपद में शिक्षकों के खेमे में

शिक्षकों और साहित्यकारों ने को दी बधाई

खुशी की लहर फैल गई। इस अवसर पर साहित्यकार सर्वेश कंात वर्मा और कटका क्लब सामाजिक संस्था के अध्यक्ष सौरभ मिश्रा विनम्र ने उन्हें उनके मूल निवास पर जा कर उन्हें अंगवस्त्र और मिष्ठान खिलाकर उन्हें बधाई दी। सुलतानपुर जिले के साहित्यकार एवं शिक्षक सर्वेशकंात वर्मा ने कहा कि डॉ. दीपा द्विवेदी का नाम शिक्षा विभाग के सर्वोच्च पुरस्कार राज्य अध्यापक पुरस्कार में चयनित होना सुलतानपुर जनपद के लिए गौरव की बात है और हम सभी शिक्षकों को डॉ. दीपा से प्रेरणा लेनी चाहिए। कटका क्लब सामाजिक संस्था के

अध्यक्ष सौरभ मिश्रा विनम्र ने कहा कि डॉ दीपा की इस महान उपलब्धि ने जनपद का नाम रोशन किया है हम और हमारी कटका क्लब संस्था इनके मंगल भविष्य की कामनाए करती है। मौके पर उपस्थित केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सुलतानपुर की प्रवक्ता डॉ. मुक्ता सिंह अपने साथ शिक्षण कार्य करने वाली डॉ. दीपा द्विवेदी को शुभकामना देते हुए कहा की इन्होंने विद्यालय और जनपद के साथ-साथ हम सबको भी गौरवान्वित किया है। पूर्व में राज्य अध्यापक पुरस्कार पाने वाले केशव सिंह, कंाति सिंह सहित रामरती इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रबंधक भूपेंद्र नाथ वर्मा ने उनके आवास पर जाकर शुभकामनाएं दी।

बीएचयू के 104वें दीक्षांत समारोह में 14072 छात्रों को उपाधि दी गई

एजेंसी

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू)के 104वें दीक्षांत समारोह में 14072 छात्रों को उपाधि प्रदान की गई। स्वतंत्रता भवन सभागार में आयोजित मुख्य समारोह के मंच पर 30 मेधावियों को स्वर्ण पदक मंच से ही दिए गए। स्नातक के लिए प्रज्ञा प्रधान और स्नातकोत्तर के लिए ईशान घोष को चांसलर मेडल दिया गया।

समारोह में बतौर मुख्य अतिथि जेड स्केलर के सीईओ और चेयरमैन जय चौधरी ने मेधावी विद्यार्थियों को मेडल देने के बाद उन्हें सम्बोधित भी किया। उन्होंने छात्रों से बड़े सपने देखने और जीवन की मांग के अनुसार खुद को ढालने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पैसे के पीछे मत भागो, कुछ अलग करने के पीछे भागो। उपलब्धि की भावना ही मनुष्य को प्रेरित करती है। एक साधारण पृष्ठभूमि से वैश्विक तकनीकी आइकन बनने तक की अपनी व्यक्तिगत यात्रा को साझा करते हुए

पैसे के पीछे मत भागो, बल्कि 'बदलाव लाने' के पीछे भागोः जय चौधरी

छात्रों को जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ प्रयास करने और अपने जुनून के क्षेत्र की तलाश करने का संदेश

उन्होंने कहा कि ''प्रतिकूलता एक अद्भुत चीज है। जब मैंने हाईस्कूल पूरा किया तो आईआईटी के बारे में जानता भी नहीं था। 1977 में गांव से आकर पहली बार काशी हिंदू विश्वविद्यालय जैसा परिसर देखा। ग्रामर, इंग्लिश और कम्युनिकेशन सब कुछ गड़बड़ था। यहां पर गणित और रसायन विज्ञान पढ़-पढ़ कर अंग्रेजी सुधारी। उन्होंने कहा कि बचपन में प्रतिकूल परिस्थितियों ने उन्हें काम करने की आदत विकसित करने में मदद की। उन्होंने कहा, ''हम हमेशा अवसरों का सामना करते हैं। अगर आप कड़ी मेहनत करते हैं, तो आप अच्छे काम करते हैं, आपके साथ अच्छी चीजें होती हैं। ऐसा हर बार नहीं होता, लेकिन दस में से नौ बार, जो लोग कड़ी मेहनत करते हैं और अतिरिक्त प्रयास करते हैं, उनके साथ अच्छी चीजें होती हैं।'' उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे अपने भविष्य में कदम रखते समय लचीलापन और निरंतर सीखने को अपनाएं। जोर देते हुए कि सफलता समर्पण, अनुकूलनशीलता और जोखिम लेने से मिलती है, उन्होंने छात्रों से साहसी बनने और चुनौतियों से डरने के बजाय उन्हें आगे बढ़ने के अवसर के रूप में देखने का आग्रह किया।

उन्होंने छात्रों को याद दिलाया कि जीवन उतार-चढ़ाव से भरा है और कमजोरियों का पता लगाना और उनमें सुधार करना बहुत महत्वपूर्ण है। बीएचयू में के अनुभवों,गंगाघाटों पर सैर और लंका क्षेत्र में टहलने का जिक्र कर छात्रों को कड़ी मेहनत करने को कहा। उन्होंने मेहनती, ईमानदार होने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्नातक होने का दिन छात्रों के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है, और यह उन पर निर्भर करता है कि वे किस दिशा में जाना चाहते हैं, साथ ही जीवन की मांग के अनुसार खुद को ढालना भी सीखें। समारोह में बीएचयू कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने छात्रों से जीवन में दो मूलभूत गुणों, मूल्यों और कृतज्ञता के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। उन्होंने बीएचयू के महत्वपूर्ण प्रगति को साझा किया। उन्होंने छात्रों के समग्र विकास, संकाय सदस्यों को सशक्त बनाने, बुनियादी ढांचे के विकास और शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की पहलों को बताया। प्रो. जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय समुदाय शैक्षणिक सफलता, व्यक्तिगत विकास और स्नातक छात्रों की एक नई यात्रा की शुरुआत का जश्न मनाने में उत्साहित है। जिस दुनिया में आप कदम रख रहे हैं, वह अपार अवसरों से भरी है, लेकिन साथ ही अभूतपूर्व जटिलता से भरी भी है।

मेरठः मुठभेड़ में मारा गया गैंगस्टर सोनू मटका

मेरठ। मेरठ एसटीएफ और दिल्ली पुलिस की सयुंक्त टीम ने शनिवार की सुबह कार्रवाई करते हुए टीपी नगर में गैंगस्टर अनिल उर्फ सोनू उर्फ मटका को मुठभेड़ में मार गिराया। एसटीएफ मेरठ के एसपी बृजेश सिंह ने बताया कि दिल्ली का कुख्यात गैंगेस्टर सोनू मटका पर 31 अक्टूबर को दिल्ली के शाहदरा इलाके में कारोबारी चाचा-भतीजे की हत्या करने का आरोप था। वो हाशिम बाबा गैंग और उमेश पंडित गैंग से जुड़ा हुआ था। वारदात के बाद से ही दिल्ली पुलिस उसकी तलाश में थी। उसकी लोकेशन मेरठ में मिली तो दिल्ली पुलिस ने एसटीएफ की मदद ली। दोनों टीमों ने एक साथ मिलकर सर्च ऑपरेशन चलाया। टीपी नगर में एसटीएफ और बदमाश की मुठभेड़ हो गई। गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। तलाशी के दौरान सोनू मटका के पास से एसटीएफ को दो पिस्टल और 10 कारतूस, बाइक बरामद हुई। श्री सिंह ने बताया कि एनकाउंटर में मारा गया सोनू हाशिम बाबा गैंग का शूटर था। उस पर करीब 12 हत्या और डकैती के मुकदमे दिल्ली और यूपी में दर्ज थे। पुलिस ने उस पर 50 हजार रुपये का इनाम रखा था।

सनातन की अलख जगाने श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े का महाकुम्भ नगर में हुआ भव्य प्रवेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

छावनी प्रवेश की शोभा यात्रा में दिखी दिव्य, भव्य और सुव्यवस्थित महाकुम्भ के आयोजन की झलक

अनुगामी बनकर किन्नर अखाड़े ने भी छावनी में किया प्रवेश

छावनी प्रवेश मार्ग में दिखी सुव्यवस्थित और सुरक्षित महाकुम्भ की झलक

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज में जनवरी 2025 में आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ में जन आस्था के सबसे बड़े आकर्षण 13 अखाड़ों का महाकुम्भ नगर में प्रवेश का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में शनिवार को महाकुम्भ 2025 के लिए श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े ने पूरी भव्यता और राजसी अंदाज के साथ महाकुम्भ नगर में प्रवेश किया। जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़े ने भी अनुगामी बनकर अपनी छावनी में प्रवेश किया।

त्रिवेणी के तट पर लगने जा रहे आस्था के महा समागम महाकुम्भ में शामिल होने के लिए अखाड़ों का महाकुम्भ नगर में प्रवेश का सिलसिला शुरू हो गया है। शनिवार को श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े ने अपने आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी की अगुवाई में अपनी छावनी में प्रवेश किया। जूना अखाड़े के श्री मौज गिरी आश्रम से शुरू हुई जूना का यह छावनी प्रवेश महा कुम्भ नगर के सेक्टर 20 में समाप्त हुआ। जूना अखाड़े के राष्ट्रीय प्रवक्ता महंत नारायण गिरी का कहना है कि इस प्रवेश यात्रा में आचार्य महा मंडलेश्वर सहित 65 महा मंडलेश्वरों ने हिस्सा लिया। सौ से अधिक शाही बग्घियों में सवार होकर 8 हजार से अधिक साधु संत छावनी पहुंचे।

अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी का कहना है कि दुनिया भर के करोड़ों लोगों की नजरें हमारे सनातन संस्कृति के कालजयी पर्व पर हैं। हमारे अखाड़े का छावनी प्रवेश में पहला दिन होगा जिसके बाद अखाड़े के सभी पूजा अनुष्ठान छावनी में स्थापित देवता के समक्ष होंगे। श्री पंच दशनाम अखाड़े के साथ उसका अनुगामी बनकर किन्नर अखाड़े ने भी अपनी प्रवेश यात्रा निकाली। किन्नर अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की अगुवाई में यह प्रवेश यात्रा निकाली गई जिसमें किन्नर अखाड़े के सैकड़ों सदस्यों ने हिस्सा लिया। भव्य राजसी सिंहासनों में सवार होकर किन्नर अखाड़े की सवारी निकली।

श्री पंच दशनाम अखाड़े के छावनी प्रवेश मार्ग में योगी सरकार की तरफ से विशेष व्यवस्था की गई थी। सम्पूर्ण मार्ग पहली बार अखाड़ों के जुलूस के ऊपर से गुजरने वाले बिजली के तारों से मुक्त कर दिया गया। इसके अलावा मार्ग से बिजली के पोल हटाकर अंडर ग्राउंड केबल बिछाई गई। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के मुख्य अभियंता प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि छावनी प्रवेश के सभी मार्गों से बिजली के पोल हटा दिए गए हैं। अंडर ग्राउंड केबल से बिजली आपूर्ति की जा रही है। लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से मेला क्षेत्र में प्रमुख प्रवेश मार्गों पर रोड क्रॉसिंग तारों को केबल में बदला गया है। इससे अखाड़ों के संतों के जुलूस निर्बाध रूप से शहर से छावनी में प्रवेश कर सकेंगे। चौड़ी और विस्तारित सड़कों के निर्माण से मार्ग में जाम की समस्या से पूरी तरह निजात मिल गया। स्पेन से आई जूना अखाड़े की अवधूत संत अंजना गिरी बताती हैं कि वह 30 बरस से हर कुम्भ और महाकुम्भ आ रही हैं लेकीन महा कुम्भ में इतनी स्वच्छता और इतनी भव्यता कभी नहीं दिखी।

10 दिन में सजकर तैयार हो जाएगी कुम्भनगरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीएम और सीएम योगी की विजिट के बाद अब मेला क्षेत्र में सभी विकास कार्य पूरे करने पर फोकस

मेला क्षेत्र में तेजी से हो रहा कार्य, पांटून पुल, टेंट,

लाइटिंग समेत सभी कार्य किए जा रहे पूर्ण

सभी अधिकारियों को अगले ढाई माह तक बिना रुके, बिना थके कार्य संपन्न करने का निर्देश

महाकुम्भ नगर। तीर्थराज प्रयागराज में अगले साल होने जा रहे सनातन संस्कृति के सबसे बड़े समागम महाकुम्भ 2025 के लिए योगी सरकार ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पीएम मोदी की विजिट के बाद अब 10 दिन के अंदर मेला क्षेत्र को पूरी तरह सजाने संवारने की योजना है। अधिकारियों ने सभी कार्यरत कर्मियों से आगामी 10 दिनों में तैयारियों को अमली जामा पहनाते हुए मेला क्षेत्र को सजाने का निर्देश दिया है। साथ ही, ढाई माह तक एकजुटता के साथ कार्य करते हुए महाकुम्भ के आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान देने की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रयागराज दौरे पर महाकुम्भ से संबंधित 5500 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान पीएम ने कहा कि 45 दिनों तक चलने वाले इस महा आयोजन की जो तैयारी की जा रही हैं, वह वाकई वृहद है। प्रयागराज में महाकुम्भ का आयोजन इतिहास बनाने जा रहा है। पीएम मोदी और सीएम योगी महाकुम्भ की तैयारियों से संतुष्ट नजर आए। इससे अधिकारियों में भी उत्साह है। शुक्रवार शाम को पीएम और सीएम के जाने के बाद अधिकारियों ने अगले दस दिनों की कार्ययोजना के बारे में चर्चा की।

मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप अगले 10 दिन में मेला पूरी तरह सज संवर जाएगा। सभी अधिकारी पूरी तत्परता से जुटे हुए हैं। मेले की शुरुआत से लेकर समापन तक आगामी ढाई माह बिना रुके और बिना थके यूं ही कार्य करना होगा। दूसरी तरफ, पीएम और सीएम के दौरे के बाद अब अधिकारी सभी कार्यों में तेजी लाते हुए इन्हें 10 दिन के अंदर पूर्ण करने पर फोकस कर रहे हैं। पांटून पुल बनाने का कार्य तेजी से संपन्न हो रहा है, जबकि चैनेलाइजेशन का कार्य भी अंतिम चरण में है। लाइटिंग, टेंट, सौंदर्यीकरण समेत सभी कार्य प्रगति पर हैं और इनके निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है।

सेवा संकल्प के साथ हुआ स्काउट गाइड शिविर का समापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। बुद्ध इंटरमीडिएट कालेज में चल रहे त्रिदिवसीय स्काउट गाइड शिविर का समापन शनिवार को हुआ। जिसमें गाइडों को समाज व राष्ट्र भक्ति की शपथ दिलाई गई।

मुख्य अतिथि नपाप कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने कहा कि स्काउट गाइड शिविर में सीखे गुर जीवन में आने वाली चुनौतियों से निबटने में काम आते हैं।

प्रशिक्षित छात्र छत्राएँ विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय अध्यक्षता व स्वागत करते हुए प्रधानाचार्य उमेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि प्रशिक्षण का लाभ बच्चों के सामाजिक जीवन में मिलता है। कहा कि शिविर में सीखे गए अनुभवों को अपने जीवन में उतारना ही प्रशिक्षण की वास्तविक सार्थकता है। माध्यमिक शिक्षक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह आदि ने भी संबोधित किया। स्काउट मास्टर विजय मणिद्र तिवारी ने स्कार्फ लगाकर अतिथियों का स्वागत किया। आभार शंम्भू राव व संचालन मोहम्मद इजहारुल खान ने किया। इसके पूर्व टेंट का निरीक्षण किया गया। निवेदिता श्रीवास्तव, एलपी सिंह, राहुल गोंड़, ऋषि यादव, रीति प्रभा, मीरा यादव ने प्रशिक्षण दिया। इस दौरान लक्ष्मी नरायण त्रिपाठी, प्रेम कुमार मिश्र, शंम्भू राव, अशोक उपाध्याय, अशोक चौरसिया, शंम्भू शरण श्रीवास्तव, प्रधान लिपिक नगेन्द्र पाण्डेय सहित शिक्षक व बच्चे मौजूद रहे।

धारदार हथियार से हमला कर युवक को घायल करने के मामले में मुकदमा दर्ज

पुराना विवाद में बीते शुक्रवार को होटल व्यवसाई युवक के साथ मारपीट कर धारदार हथियार से किया हमला

घायल युवक के तहरीर पर चार नामजद के खिलाफ हत्या के प्रयास, वसूली सहित अन्य धाराओं में मुकदमा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। जिले के कसया थाना क्षेत्र के बुद्ध नगरी कुशीनगर में चाय की दुकान पर खड़े युवक को कुछ मनबढ़ युवकों द्वारा मारने पीटने के बाद धारदार हथियार से हमलाकर घायल कर दिया गया। घायल युवक की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद मनबढ़ युवकों के खिलाफ हत्या का प्रयास, वसूली सहित अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर गिरफ्तारी में जुटी हुई है।

बताते चले कि पुराने विवाद को लेकर बीते शुक्रवार को लगभग 3:00 बजे दिन में बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित एक चाय की दुकान पर खड़ा होटल व्यवसाई युवक नवीन राव पुत्र उपेन्द्र राव निवासी गोपालगढ़ को कुछ मनबढ़ युवकों द्वारा मारपीट के दौरान धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया गया। घटना कारीत के बाद मनबढ़ युवक, घायल युवकों को छोड़कर मौके से फरार हो गए, लहूलुहान स्थित में युवक को इलाज के लिए स्थानीय लोगों ने जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के बाद देर शाम युवक ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आकाश मिश्रा पुत्र शारदा मिश्रा, सत्यम सिंह पुत्र बलीराम सिंह निवासीगण गोपालगढ़, मन्टू मद्धेशिया उर्फ झमेला पुत्र मदन मद्धेशिया निवासी गोला बाजार कसया व करन सोनकर पुत्र अज्ञात निवासी गोला बाजार कसया के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या- 0782/2024 धारा 109(1), 115(2), 308(2), 351(3), 352 बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया है। इस संबंध में सीओ सदर अभिषेक प्रताप अजेय ने बताया कि घटना में शामिल की गिरफ्तारी को लेकर प्रयास चल रहा है।

मार्ग दुर्घटना में 55 वर्षीय व्यक्ति के जिला अस्पताल में इलाज के दौरान हुई मौत

पडरौना, कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया कुशीनगर जनपद के हनुमानगंज थाना क्षेत्र के पनियहवा- नेबुआ हाईवे मार्ग पर डोमन छपरा चौराहा मोड पर बीती रात मार्ग दुर्घटना में एक 55 वर्षीय व्यक्ति की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई वही बाइक सवार युवक मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में जिंदगी और मौत का जंग जूझ रहा है।बताते चले की डोमन छपरा चौराहा मोड़ पर ग्राम दरगौली के जरलहिया टोला निवासी राजेंद्र चौहान पैदल घर से केशव छपरा चौराहा पर जा रहे थे कि नेबुआ से आ रही एक बाइक के चपेट में आ गये।जिससे अज्ञात बाइक चालक व राजेन्द्र दोनों घायल हो गये। हनुमानगंज पुलिस ने सीएचसी कोटवा भेजवाया जहां चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।वही उपचार के दौरान बीती रात राजेन्द्र की मौत हो गयी ! अज्ञात बाइक चालक को चिकित्सक ने मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया। वही मृतक राजेन्द्र की पत्नी उमरावती देवी ने हनुमानगंज थाना में अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वही मृतक के स्वजनों का रो- रोकर बुरा हाल है।इस संबंध में थाना अध्यक्ष ओमप्रकाश तिवारी ने बताया कि मृतक के पत्नी का तहरीर मिला है मुकदमा पंजीकृत कर शव को पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

कुशीनगर । हाटा नगर के वार्ड संख्या 24 हरिटोला में एक महिला की शनिवार की दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वार्ड निवासी रीमा 27 वर्ष पत्नी किसन का शव अपने ही घर में दीवार के सहारे लटकता मिला। मृतका की दो साल की बेटी है। घटना की सूचना पर चौकी इंचार्ज अनुराग शर्मा ने मौके पर पहुंचकर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।किसन की शादी 2019 में कसया के पास सुखपुरवा निवासी रीमा के साथ हुई थी। मृतका के पति किसन ने पुलिस को बताया कि सुबह किसी बात को लेकर पति पत्नी के बीच कहा सुनी हुई थी। जिसके बाद वह कस्बे में चला गया। दो घंटे बाद लौटा तो रीमा का शव साड़ी के फंदे से सहारे दीवार से लटक रहा था। कस्बा चौकी प्रभारी हाटा अनुराग शर्मा ने बताया कि मृतका के मायके से अभी कोई नहीं आया है।

चुनाव अधिकारी ने लिया मण्डल चुनाव प्रक्रिया का जायजा

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व 2024 के तहत प्रदेश में हो रहे पार्टी के संगठनात्मक चुनावों के अंतर्गत कुशीनगर जिला चुनाव अधिकारी डॉ रंजन शर्मा शनिवार को रविन्द्र नगर स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे और मण्डल चुनाव प्रक्रिया का जायजा लिया। जिला चुनाव अधिकारी डॉ रंजन शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से अपने संगठन का निर्माण कराती है। पार्टी का इस समय देशव्यापी संगठन महापर्व चल रहा है। संगठन पर्व के प्रथम चरण में बूथ समितियां और पन्ना प्रमुखों का गठन तेजी से किया गया है। उन्होंने बताया कि 15 और 16 दिसम्बर को कुशीनगर जनपद के सभी 34 मण्डलों में मण्डल चुनाव सम्पन्न कराए जाएंगे। सभी मण्डल चुनाव अधिकारी अपने अपने मण्डल में जाकर पार्टी के दिशा-निर्देश के अनुसार मण्डल में चुनाव सम्पन्न कराएंगे। मण्डल अध्यक्षों के निर्वाचन हेतु विचार करने की भी प्रक्रिया आरंभ हो गई है। निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल लोगों को यह सुनिश्चित करना है कि 50 सक्रिय सदस्य बने मंडलों को चुनाव में शामिल करना है । 45 वर्ष तक की आयु तक के कार्यकर्ता को ही मण्डल अध्यक्ष के लिए चुनना है।

शाहजहांपुर में पड़ोसी के साथ मिलकर की पति की हत्या

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर जिले के खुटार क्षेत्र में एक विवाहिता ने पड़ोसी के साथ मिल कर ईट से कुचल कर पति की हत्या कर दी। आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक राजेश एस ने शनिवार को बताया कि टाह खुर्द कला गांव निवासी यूनिट (40) शुक्रवार रात को अपने घर में पत्नी के साथ एक कमरे में सो रहा था कि रात में यूनिट की पत्नी ने पड़ोस में रहने वाले मनोज को बुलाकर पति के सिर पर प्रहार किया जिससे उसके पति की मौत हो गई। पत्नी ने हत्या को हादसा बनाने के लिए ईंटों का ढेर गिराना बताया। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच की इसके बाद पुलिस ने शक के आधार पर मृतक की पत्नी शमीम बानो को हिरासत में ले लिया इसके बाद उससे पूछताछ की गई। मृतक के भाई की ओर से मृतक की पत्नी शमीम बानो तथा पड़ोसी मनोज के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी महिला शमीम वनों को गिरफ्तार कर लिया है वही मनोज की गिरफ्तारी के लिए एक टीम बना दी गई है।

शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता की तैयारियां जोरों पर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। उन्नीसवें अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी की स्मृति में हर वर्ष आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट टूर्नामेंट में रणजी और आईपीएल के खिलाड़ी भाग लेते हैं।

इस वर्ष प्रतियोगिता का आयोजन 23 दिसंबर से होगा। इसके लिए ग्राउंड और पिच की विशेष तैयारी की जा रही है। इकौना स्टेडियम में लखनऊ के पिच क्यूरेटर अनिल सिंह की देखरेख में पिछले एक सप्ताह से पिच तैयार की जा रही है। ताकि खिलाड़ियों को खेल के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। सहायक पिच क्यूरेटर गुड्डू चौहान ने बताया कि पिच को बल्लेबाजों के लिए उपयुक्त बनाया जा रहा है। पिच को बेहतर बनाने के लिए उन्नाव से विशेष प्रकार की मिट्टी मंगाई गई है। मिट्टी को पिच के अंदर डालकर उसे तैयार किया जा रहा है। खेल शुरू होने से पहले पिच को पूरी तरह तैयार कर ढंक दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त बाहर से घास मंगाकर ग्राउंड को हरा-भरा और खेल के अनुकूल बनाया जा रहा है। प्रतियोगिता की तैयारियों में नगर पंचायत अध्यक्ष शत्रुमर्दन शाही, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला, बिनीत कुमार बंटी, आज़ाद अंसारी, दिनेश सिंह, सतेंद्र सिंह, गुड्डू सिंह, पिंटू राय, मोनू इराकी, कविंद्र सिंह, अनिल गुप्ता, गोविंद यादव, चंदन दुबे, भास्कर राय और वरुण समेत कई स्थानीय लोग जुटे हुए हैं। प्रतियोगिता के लिए दर्शकों और खिलाड़ियों में उत्साह चरम पर है, और इस आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

वाराणसी में हुई 'बिजली पंचायत' में निजीकरण का निर्णय वापस लेने का प्रस्ताव

एजेंसी

वाराणसी। निजीकरण का विरोध कर रहे बिजली इंजीनियरों ने शनिवार को वाराणसी में 'बिजली पंचायत' का आयोजन किया जिसमें पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय वापस लेने का प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजा गया। बिजली पंचायत में हजारों की संख्या में बिजली कर्मी और आम उपभोक्ता सम्मिलित हुए। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने ऐलान किया कि आगामी 17 दिसंबर को आगरा में कर्मचारियों, किसानों और घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली पंचायत आयोजित की जाएगी। वाराणसी की बिजली पंचायत में संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि चार वर्ष पूर्व भी वर्ष 2020 में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय लिया गया था। संघर्ष समिति से बातचीत के बाद सूबे के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना एवं तत्कालीन ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा के साथ छह अक्टूबर 2020 को हुए लिखित समझौते में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय वापस लिया जाता है। समझौते में यह भी लिखा गया है कि उप्र के ऊर्जा निगमों में कर्मचारियों को विश्वास में लिए बिना कहीं पर भी किसी प्रकार का निजीकरण नहीं किया जाएगा।

संघर्ष समिति ने कहा कि अब निजीकरण का यह एकतरफा लिया गया निर्णय इतने बड़े स्तर पर हुए लिखित समझौते का खुला उल्लंघन है जो अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है। संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण से सबसे बड़ी चोट उपभोक्ताओं पर पड़ने वाली है। मुम्बई में टाटा पावर और अदानी पॉवर काम करती हैं। मुम्बई में घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली की दरें 17-18 रुपए प्रति यूनिट है। उप्र में घरेलू उपभोक्ताओं की अधिकतम बिजली दर रु 06.50 प्रति यूनिट है।

कर्नाटक में योगी के मंत्रियों ने रोडशो का किया नेतृत्व, जनता को दिया त्रिवेणी स्नान का निमंत्रण

एजेंसी

बेंगलुरु में आयोजित रोडशो का मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और नरेंद्र कुमार कश्यप ने किया नेतृत्व

कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को महाकुंभ का दिया न्योता

बेंगलुरु। योगी सरकार प्रयागराज महाकुंभ-2025 को भारतीय संस्कृति और एकता का वैश्विक प्रतीक बनाने के लिए कमर कस ली है। इसी कड़ी में शनिवार को बेंगलुरु में आयोजित भव्य रोड शो के माध्यम से वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप ने कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और जनता को महाकुंभ का न्योता दिया। उन्होंने महाकुंभ को भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक चेतना का सबसे बड़ा पर्व बताते हुए इसे दिव्य, भव्य और डिजिटल बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

इस दौरान पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मंत्रियों ने कहा कि महाकुंभ के आयोजन में 45 करोड़ श्रद्धालुओं, साधु-संतों और पर्यटकों के आगमन की संभावना है। इसे स्वच्छ, हरित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया गया है और तीन लाख पौधों का रोपण किया गया है। स्वास्थ्य सुविधाओं में 100-बेड का अस्पताल, आईसीयू और विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती की जा रही है। डिजिटल महाकुंभ के तहत आरएफआईडी रिस्टबैंड, जीपीएस ट्रैकिंग, स्मार्ट पार्किंग और एआई चैटबॉट जैसी तकनीकें लागू की जाएंगी। 44 घाटों पर पुष्प वर्षा, 15.25 किमी लंबे रिवर फ्रंट का निर्माण और सीसीटीवी आधारित भीड़ प्रबंधन जैसी व्यवस्थाएं मेले को ऐतिहासिक बनाएंगी। मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह आयोजन 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का उत्सव होगा। उन्होंने इसे भारतवर्ष की विविधता में एकता का जयघोष बताया।

लोकबंधु नर्सिंग ऑफिसर योगाचार्य पं नवीन ने योग के प्रति किया जागरूक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। कानपुर रोड स्थित लोकबंधु अस्पताल मे लोकबंधु के नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत और पतंजलि योग समिति मे युवा प्रभारी योगाचार्य पं नवीन द्वारा सर्दियों मे होने वाली बीमारिया सर्दी, जुकाम, खांसी, दमा, स्थमा और उनके यौगिक उपचार को बताया गया द्य उनके साथ अहम भूमिका मे योग शिक्षिका पूजा यादव ने सूर्य नमस्कार के 12 आसन किये द्य योगाचार्य नवीन ने योग की क्रियाओं मे जलनेति सूत्रनेति द्वारा गले, नाक, कान के रोग, बैक्टीरियल इन्फ़ेकशन को दूर करने के उपाय बताए द्य पं नवीन का कहना है की सर्दियों मे ज्यादा से ज्यादा योगासन प्राणायाम से शरीर की इम्युनिटी पावर को बढ़ाया जा सकता है और हार्ट अटैक के खतरे को भी कम किया जा सकता है द्य आज के योग सत्र के एकदिवशीय कार्यक्रम मे अस्पताल के डायरेक्टर डा सुरेश चंद्र कौशल, प्रबंधक, फार्मासिस्ट और नर्सिंग संवर्ग के स्टॉफ भी मौजूद रहे आज के कार्यक्रम की सराहना करते हुए लोकबंधु डायरेक्टर ने बताया की योगाचार्य नवीन ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर योग के क्षेत्र मे एक अलग पहचान बनाई और लोकबंधु डायरेक्टर द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया ।

प्रवासी पक्षियों को देखने पहुंचे स्कूल के बच्चे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । शहर के भुतहा तालाब में आए पक्षियों को देखने शनिवार को वेदम स्कूल के बच्चे नेचर क्लब के आमंत्रण पर पहुंचे और पक्षियों का दीदार किया।इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने प्रवासी और स्थानीय पक्षियों के महत्व,उनके बारे में जाना और साथ ही भुतहा तालाब में फैले प्रदूषण और आसपास हो रहे मानवीय अतिक्रमण का भी अवलोकन किया।नेचर क्लब के अभिषेक दुबे ने आए बच्चों को तालाब और पक्षियों के सामने उत्पन्न समस्याओं और उनके समाधानों के विषय में विस्तार से बताया।इस मौके कर विद्यार्थियों ने धरती और सभी तालाबों को प्लास्टिक के कचरे से बचाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करने और प्लास्टिक पैकेजिंग वाली चीजों का भी उपयोग कम से कम करने के साथ घर में ज्यादा रासायनिक चीजें जैसे डिटर्जेंट, फिनायल आदि का इस्तेमाल कम से कम करके घर की नाली के प्रदूषण को घटाने और कभी भी किसी तालाब या नदी के बाढ़ क्षेत्र में कोई निर्माण न करने की शपथ लिया।स्कूल की प्रधानाचार्य रफ़त उस्मानी ने कहा कि बच्चे ''भुतहा तालाब को कैसे बचाएं'' विषय पर एक निबंध लिखकर नेचर क्लब को सौंपेंगे। इस मौके पर जयशंकर तिवारी,मीनाक्षी,पल्लवी के साथ करीब 25 विद्यार्थी और कुछ स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

बेलावा प्रधान का बड़ा कारनामा, मनरेगा में बिना काम कराए चला रहे मस्टररोल, लाखों हो रहा वारा-न्यारा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । जिले में मनरेगा का भ्रष्टाचार थमने का नाम ही नहीं ले रहा है।ग्राम पंचायत बेलावा में मनरेगा योजना के तहत चक मार्ग सड़क कि पटाई के नाम पर पुरानी फोटो के सहारे सरकारी धन का बंदर बांट का क़र वारा न्यारा क़र रहे है।ग्रामीणों ने बेलावा ग्राम प्रधान पर भ्रष्टाचार करने और उसकी शिकायत करने पर धमकी दिए जाने का आरोप लगाया है।ग्रामीणों ने मुख्यविकास अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर फर्जीवाड़ा की जांच कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।विकासखंड पड़री कृपाल के ग्राम पंचायत बेलावा निवासी साकिर अली ने मुख्यविकास अधिकारी को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है किबेलावा ग्राम पंचायत के प्रधान मनरेगा में फर्जी मस्टर रोल भर क़र लाखो का वारा न्यारा कर रहे हैं।वही ज़ब बेलावा गाँव में पत्रकारो की टीम ने मौके की हकीकत देखी तो एक साइड पर कोई काम नहीं हुआ था और एक साइड पर आधा अधूरा काम हुआ था लेकिन धरातल पर उस दिन एक भी मजदूर मौजूद नहीं थे।बेलावा गांव के निवा सी प्रदीप के घर से सहबान के घर तक 12 दिसम्बर को दोनों साइड पर 85 मजदूरो का मस्टर रोल भर क़र फर्जी तरीके से चक मार्ग पर मिट्टी पटाई का कार्य दिखाकर ग्राम प्रधान और सचिव की मिली भगत से प्रधान के द्वारा भ्रष्टा चार किया जा रहा है।शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि दिल्ली और लुधियाना रह रहे लोगो का भी नाम मस्टर रोल में नाम चल रहा है।बेलावा प्रधान और सचिव ने मिल क़र प्रतिदिन 85 मजदूरों की फर्जी हाजिरी प्रतिदिन लगाई और पुराने फोटो ऑनलाइन अपलोडट करके वित्तीय हेरा फ़ेरी की।जबकि मौके पर काम नहीं कराया जा रहा है।

ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि अगर साइड पर काम नहीं हुआ है तो मनरेगा के वेबसाइट पर मस्टररोल में हाजिरी दर्ज कर ऐप फोटो कैसे लोड हो रही है और लाखो लाखों हो रहा वारा-न्यारा करने के लिए फर्जी मस्टर रोल भर क़र लाखों रुपये भुगतान कि योजना बना रहे है।वही ज़ब मनरेगा के मस्टर रोल में हो रहे फर्जीवाड़ा के जब इस मामले ने तूल पकड़ा तो प्रधान ने दिसम्बर को काम रोक दिया और उसके दूसरे दिन जिस साइड पर काम नहीं चल रहा था उस साइड पर पांच से छह मजदूर लगाकर आनन-फानन में चक मार्ग पर मिट्टी पटाने का कार्य कराया जा रहा है।सूत्र बता रहे है कि इसकी शिकायत बीडीओ से भी की थी लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर अब उन्होंने सीडी ओ को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है पूर्व में भी प्रधान के द्वारा इसी तरह का और भी भ्रष्टाचार किया गया था।कार्रवाई न होने पर प्रधान के हौसले बुलंद हो गये और उन्होंने दोबारा इस तरह की हेराफ़ेरी की है।

मोतीगंज थाना क्षेत्र में खुलेआम हरे पेड़ काट रहे लकड़ कट्टे, जिम्मेदार कुंभकर्णी की नींद में

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । जहां एक तरफ सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ करोड़ों का बजट देकर हरे पेड़ों को लगाने और संर क्षित करने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं वहीं मोतीगंज पुलिस और वन विभाग की मिलीभगत से हरे पेड़ों पर आरा चलाया जा रहा है प्रतिबंधित पेड़ों पर वन माफिया ओं द्वारा खुलेआम आरा चलाने का मामला सामने आया है लेकिन इस तरफ ध्यान देने वाला कोई नहीं है सूत्र बता रहे है कि यहाँ बस सब के एक कार्य खास दरोगा जी से मिल लीजिए और कुछ पूजा चढ़ा दीजिए फिर आपके पास चाहे परमिट हो याँ न हो फिर आप खुलेआम थाना क्षेत्र में हरे पेड़ों की कटाई करे।

दरोगा जी की मिली भगत से खुलेआम काटे जा रहे पेड़: सूत्र..

मोतीगंज थाना क्षेत्र में पिछले एक माह से हरे-भरे फलदार प्रतिबंधित वृक्षों की कटान बिना परमिट जारी है।इस पर न तो वन विभाग अंकुश लगा पा रहा है और न पुलिस ही कार्रवाई कर रही है।यही वजह है कि जिम्मेदारों के उदा सीन रवैए से वन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और वे इलाके में पेड़ों की अंधाधुंध कटान कर रहे हैं।ताजा माम ला मोतीगंज थाना क्षेत्र के राजापुर (बोहिया) गांव का है, जहां शुक्रवार को तड़के शीशम के दो पेड़ों को बिना परमिट के ही काट डाला गया।इसकी शिकायत रेंजर सुशांत शुक्ला, वन दरोगा आरसी सिंह व वन रक्षक समीर रंजन चौधरी को दी गई, लेकिन इस मामले में देर शाम तक कोई कार्रवाई नहीं की गई थी।हालांकि, रेंजर ने कहा कि हर हाल में कार्रवाई की जाएगी।वहीं दूसरी तरफ, पिछले दिनों थाना क्षेत्र के दिनारा,कोल्हुआ में आम के पेड़ों को धराशाई कर दिया गया।इसी थाना क्षेत्र के भोरहा सागौन के करीब दस पेड़ों को बिना परमिट के ही काट लिया गया। इसकी शिकायत वन और पुलिस विभाग में की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।दिनारा में महुआ के दो पेड़ों को काट लिया गया। इसकी भी शिकायत ग्रामीणों द्वारा की गयी किंतु पुलिस और वन विभाग आंखें बंद किए रहा।मोतीगंज थाना क्षेत्र में इन दिनों बड़े पैमाने पर हरे-भरे फलदार वृक्षों की अंधाधुंध कटान की जा रही है लेकिन वन विभाग के साथ ही इलाकाई पुलिस भी चुप्पी साधे हुए है। ऐसे में लोगों द्वारा इनकी कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं।सूत्र बताते हैं कि क्षेत्र में प्रतिबंधित वृक्षों की अवैध कटान में पुलिस के साथ ही वन विभाग के क्षेत्रीय जिम्मेदारों की भी साठगांठ रहती है, जिसके चलते आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के बजाय सिर्फ खानापूर्ति की जाती है।मोतीगंज थाना क्षेत्र में जिम्मेदारों द्वारा खुलेआम पर्यावरण संतुलन की अनदेखी की जा रही है।यहां धड़ल्ले से हरे पेड़ों के बाग उजाड़े जा रहे हैं।इसमें रक्षक ही भक्षक की भूमिका निभाते हैं। लकड़कट्टे चोरी-छिपे प्रतिबंधित वृक्षों को काटने से परहेज नहीं करते हैं।वहीं वन विभाग आंखें बंद करके ऐसे पेड़ों को काटने की अनुमति प्रदान कर रहा है,जो हरा होने के साथ-साथ फल देने की स्थिति में भी होते हैं।

ग्रीन इंडिया,क्लीन इंडिया का सपना अधूरा

आधुनिक मशीनों द्वारा एक पेड़ को पलक झपकते ही काटा जा रहा है ट्रैक्टर पर हरे पेड़ों की लकड़ी खुलेआम बिना रोकटोक के माफियाओं के पास जा रही है अगर हरे पेड़ों की कटान नहीं रुकती है तो फिर ग्रीन इंडिया,क्लीन इंडिया का सपना सपना ही रह जाएगा।

क्या कहते हैं रेंजर

इस संबंध में जब वन विभाग के पंडरी कृपाल के रेंजर सुशांत शुक्ला से बात की गई तो उन्होंने बताया कि शिकायत मिली है। क्षेत्रीय वन रक्षक को मौके पर भेजा गया है।रेंजर सुशांत शुक्ला ने कहा कि क्षेत्र में बिना परमिट के पेड़ों की कटान नहीं होने दी जाएगी।

घूंघट से बाहर नहीं आई महिला प्रधान,पति चला रहे है प्रधानी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । केन्द्र व राज्य सरकारों ने भले ही नारी सशक्तिकरण के लिए कई नियम कानून व प्राविधान स्थापित किए हो लेकिन त्रिस्तरीय पंचायतों में नारी सशक्तिकरण पर नर हावी हैं।चुनाव के दौरान पत्नी को सामने कर उन्हें मान नीय का दर्ज़ा दिलाने के बावजूद कार्यक्षेत्र में उनका कोई हस्तक्षेप नजर नहीं आता है।ग्राम पंचायतों में अधिकांश महिला माननीयों के स्थान पर उनके पति या पुत्र ही प्रधानी या सदस्यता के काम संभालते दिख जाते हैं।जिले की अगर बात करें तो यहाँ कई ग्राम पंचायतों में महिला प्रधान हैं।लेकिन कुछ को अगर छोड़ दें तो जिले की अधिकांश पंचायतों की बैठक से लेकर जो प्रमुख काम महिला प्रधानों को करने चाहिये,वह उनके पति कर रहे हैं। यहां तक कि गांव के विकास कार्यों के लिये भी महिला प्रधानों के पति ही अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करते हैं।अधिकारियों का भी यही मानना है कि महिला प्रधानों की जगह उनके पतियों का प्रभाव ही रहता है।एक ओर सरकार मिशन शक्ति और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को गति देने के लिए जिला प्रशासन लगातार कोशिश कर रहा है लेकिन जिले में कई ऐसी ग्राम पंचायतें हैं जहां महिला ग्राम प्रधान होने के बावजूद उनके पति या पुत्र क प्रधानी करते नजर आते हैं।नारी सशक्तिकरण के प्रयासों को उस वक्त गंभीर झटका लगता है जब प्रशासन या दूसरे विभागों की तरफ से आयोजित होने वाली बैठकों में भी महिला जनप्रतिनिधि के स्थान पर उनके पति या पुत्र ही शिरकत करते हैं।हालांकि उच्च स्तर पर इसमें कमी आई है।गांवों के लिए आने वाली योजनाओं में निरीक्षण, समीक्षा एवं दूसरे कार्यों की जिम्मेदारी भी उनके पति ही संभालते दिखते हैं।महिला माननीय घरों तक ही सीमित दिख रही हैं।

18 दिसम्बर को आयोजित होगा किसान दिवस

बहराइच । शासन के निर्देश के क्रम में किसानों की समस्याओं के निराकरण के दृष्टिगत दिनांक 18 दिसंबर 2024 को पूर्वान्ह 11:00 बजे विकास भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया है। जिसमें गत बैठक में प्राप्त हुई शिकायतों के निस्तारण तथा जनपद में गठित 84 कृषक उत्पादक संगठनों के द्वारा कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर निष्क्रिय कृषक उत्पादक संगठनों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने जनपद के समस्त एफपीओ के निदेशक सदस्यों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के विवरण सहित 18 दिसम्बर को आयोजित किसान दिवस में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे युवक का मिला शव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। थाना क्षेत्र परसपुर अन्तर्गत पुरैना गांव के समीप सड़क किनारे शनिवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही में जुट गई।मिली जानकारी के मुताबिक परसपुर क्षेत्र के ग्राम सुसुंडा चेन लाल पुरवा निवासी 38 वर्षीय युवक बृजेश मिश्रा का शव डेहरास गोण्डा मार्ग पर ग्राम पुरैना के समीप सड़क किनारे पड़ा मिला।घटना की सूचना पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक सभाजीत सिंह,उपनिरीक्षक अबरार अली मय हमराह कांस्टेबल के साथ मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्य वाही करने के पश्चात पोस्टमार्टम के लिए मुख्यालय भेज दिया।परिजनों ने बताया कि युवक बृजेश मिश्रा के पास पिकप वाहन था तथा वह बेलवा चौराहे पर किराने की दुकान करता था।शुक्रवार की देर शाम वह थाना तरबगंज अन्तर्गत पकड़ी बाजार में खाद गिराने की बात कहकर लोडिंग वाहन लेकर निकला था।फिर गाड़ी खराब होने की सूचना दी और कहा कि गाड़ी ठीक करवाकर वापस आएंगे।सुबह उसकी लाश तथा लोडिंग वाहन पुरैना गांव के पास सड़क किनारे मिला।जिसे लेकर लोग तरह तरह के कयास लगा रहे है।वहीं परिजनों में कोहराम मचा है।

खीरी से लेकर सऊदी तक कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अरशद के अपराधों की लंबी फ़ेहरिस्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। गोवध, हत्या,चोरी, जालसाजी, गैंगस्टर समेत कई गंभीर अपराधिक मामलों के बाद भी पासपोर्ट बनवाने वाले खीरी टाउन के मोहल्ला कटरा निवासी कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अरशद अहमद अंसारी का एक और कारनामा सामने आया है। उसने वर्ष 2014 में 1050 कुर्बानी के कूपन छपवाकर हाजियों को ठगने के लिए एक हज यात्री के सहारे मक्का में रह रहे अपने परिवार के दो सदस्यों के पास भेजे थे। हालांकि सऊदी एयरपोर्ट के अधिकारियों की सतर्कता के कारण वह उन तक नहीं पहुंच सके और अफसरों ने कूपनों को बरामद कर लिया था। बताते हैं कि इस मामले की रिपोर्ट भी अरशद और उसके परिवार के लोगों के खिलाफ सऊदी अरब में दर्ज हुई थी। मामला पकड़ में आने के बाद उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति के सचिव की तहरीर पर लखनऊ के थाना हजरतगंज में भी सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। खीरी थाना व मोहल्ला कटरा, कस्बा खीरी टाउन निवासी अरशद अहमद अंसारी, हसीब, इरशाद समेत तीन लोगों के खिलाफ खीरी समेत यूपी के अन्य जिलों में भी 18 से अधिक आपराधिक संगीन मामले दर्ज हैं। इसके बाद भी अरशद अंसारी का पासपोर्ट बन गया। उसके सऊदी अरब भाग जाने की सुगबुगाहट है। पासपोर्ट बनने से लेकर उसके सऊदी जाने की तक की भनक स्थानीय अभिसूचना के साथ ही स्थानीय पुलिस को नहीं लग सकी। कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अरशद अंसारी और उसके परिवार के कुछ लोगों पर यूपी के कई जिलों में गैंगस्टर, चोरी, गोकशी आदि के 18 से अधिक संगीन मामले तो दर्ज हैं साथ ही सऊदी अरब में भी धोखाधड़ी का मामला वर्ष 2014 में दर्ज हो चुका है।

नानपारा ग्राम न्यायालय के लोक अदालत में 227 मामलों का हुआ निस्तारण

नानपारा, बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। वर्ष 2024 की अंतिम लोक अदालत 14 दिसंबर को आयोजित की गई। लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय, बाह्य स्थित न्यायालयों एवं तहसील स्तर पर किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान व जिला न्यायाधीश बहराइच उत्कर्ष चतुर्वेदी के निर्देशन में 14 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय, बाह्य स्थित न्यायालयों, ग्राम न्यायालय नानपारा व तहसील स्तर पर किया गया। इसमें समझौते के आधार पर 227 वादों का निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में ग्राम न्यायालय नानपारा में न्यायाधिकारी अनिल कुमार चौधरी द्वारा लम्बित विभिन्न प्रकार के मामले जैसे फौजदारी के शमनीय वाद, धारा 34 पुलिस एक्ट, धारा 292 बीएनएस, धन वसूली वाद, पारिवारिक एवं वैवाहिक वाद, भूमि अर्जन वाद, सेवा सम्बन्धित वाद, दीवानी वाद आदि न्यायालयों में लंबित छोटे-छोटे प्रकृति के मामले के अतिरिक्त पारिवारिक, वैवाहिक विवादों के प्रीलिटिगेशन मामलों तथा प्रीलिटिगेशन स्तर के कुल 234 के सापेक्ष 227 मामलों का निस्तारण आपसी सुलह समझौता के आधार पर किया गया।

मौके पर प्रदर्शन की थीम पर वन विभाग संचालित करेगा जागरूकता गोष्ठी

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता । प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी बहराइच वन प्रभाग के अंतर्गत स्थापित पौधशाला पर ''मौके पर प्रदर्शन'' की थीम पर 15 से 20 दिसम्बर 2024 तथा पौधशाला एवं वृक्षारोपण सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। डीएफओ श्री सिंह ने बताया कि गोष्ठी में वृक्षारोपण से सम्बन्धित सभी 26 विभागों के नामित अधिकारी, स्थानीय कृषक, गणमान्य व संभ्रान्तजन, स्थानीय लोगों के साथ मीडिया बन्धुओं को आमंत्रित किया जायेगा। गोष्ठी के दौरान वर्ष 2025 में प्रस्तावित वृक्षारोपण कार्यक्रम हेतु माइक्रोप्लानिंग, वृक्षारोपण की सुरक्षा एवं देख-रेख, सिल्विकलचरल ऑपरेशन, कटान के लाटो की मार्किंग, पातन में सावधानियां, वन्य जीव सुरक्षा एवं मानव वन्य जीव संघर्ष आदि विषयों पर उपस्थित लोगों को जागरूक किया जाएगा तथा साथ ही नर्सरी में पौध उगान एवं अग्रिम मृदा कार्य का ''मौके पर प्रदर्शन'' भी किया जायेगा।

चोरों ने खंगाला बंद मकान नगदी सहित लाखों रुपए समान पर किया हाथ साफ

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ढका जामिमा पूरनपुर निवासी गुलिस्ता बी पुत्री समसुल हसन ने कोतवाली प्रभारी को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में कहां की पीड़िता के मकान में बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर घर में राखी ?25000 की नगदी सोने की झुमकी,पेंडल, अंगूठी चांदी की जेवरी सहित लाखों रुपए का सामान चोरी कर लिया है। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

प्राचार्य ने अस्पताल का किया निरीक्षण जाना मरीजों का हाल-चाल

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर संगीता अनेजा ने अस्पताल में पहुंचकर निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों को अस्पताल परिसर में साफ सफाई के निर्देश दिए हैं। ताकि मरीजों को किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न ना हो। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में स्थापित आरओ में व्याप्त गंदगी को देखकर नाराजगी जाहिर की है। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी हाल-चाल जाना है। निरीक्षण के दौरान कई चिकित्सक और अस्पताल का स्टाफ मौजूद रहा है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आज होगा आयोजन डॉक्टर तेजू ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर में पहुंचने की करी अपील

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर के प्रमुख चिकित्सक डॉक्टर तेज बहादुर सिंह तेजू के अस्पताल में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन प्रातः 9:00 से दोपहर 2:00 तक किया जाएगा जिसमें हृदय रोग से संबंधित विभिन्न रोगों की जांच और उनका इलाज किया जाएगा शिविर में मुख्य रूप से डॉक्टर दीप पंत एमडी,डीएम कार्डियोलॉजी अपनी टीम के साथ उपस्थित रहेंगे। शिविर में नि:शुल्क परामर्श, नि:शुल्क ईसीजी,नि:शुल्क शुगर ब्लड प्रेशर सहित अन्य कई बीमारियों की इलाज और परामर्श दिया जाएगा।

फार्मर रजिस्ट्री योजना की प्रगति में सुधार के लिए डीएम ने दिया अन्तिम अवसर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । शुक्रवार को देर शाम कलेक्ट्रट स्थित जिलाधिकारी कक्ष में फार्मर रजिस्ट्री योजना की समीक्षा हेतु आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने मानक से कम प्रगति पाये जाने पर कड़ी नाराज़गी व्यक्त करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अन्तिम चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि यदि प्रगति में अपेक्षित सुधार नहीं आता है तो सम्बन्धित की जिम्मेदारी तय करते हुए दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। डीएम ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता को देखते हुए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण मनोयोग के साथ कार्य कर प्रगति में सुधार लायें। डीएम ने उप निदेशक कृषि को निर्देश दिया कि 20 दिसम्बर को पुनः समीक्षा बैठक आयोजित की जाय। बैठक के दौरान कृषि विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा करते हुए डीएम मोनिका रानी ने निर्देश दिया कि 20 दिसंबर तक अधिक से अधिक किसानों को फसल बीमा योजना से आच्छादित किया जाय। डीएम ने कहा कि आगामी एक सप्ताह में अपेक्षित सुधार न होने पर सम्बन्धित के विरूद्ध एक्शन लिया जायेगा। जिलाधिकारी ने सोलर पंप, खाद-बीज की उपलब्धता एवं वितरण कार्य की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि ज़रूरतमन्द किसानों को शासन की मंशानुरूप उर्वरक एवं बीज उपलब्ध कराया जाय। डीएम द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड वितरण एवं कृषि यंत्रीकरण सहित अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की तथा प्रगति बढ़ाने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, उप कृषि निदेशक टी.पी. शाही, जिला कृषि अधिकारी डॉ. सूबेदार यादव, भूमि संरक्षण अधिकारी बहराइच डॉ. सौरभ वर्मा सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

नानपारा केंद्रीय विद्यालय संगठन का मनाया गया 62वां स्थापना दिवस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच । केंद्रीय विद्यालय 59वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल नानपारा परिसर में केंद्रीय विद्यालय संगठन का 62वां स्थापना दिवस विद्यालय की प्राचार्या सुश्री राजकुमारी निगम की अध्यक्षता में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रातःकालीन सभा में केंद्रीय विद्यालय गीत की मनमोहक प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विद्यार्थियों ने केंद्रीय विद्यालय संगठन के स्थापना दिवस पर भाषण भी प्रस्तुत किए। इसके उपरांत सभी ने केंद्रीय विद्यालय संगठन स्थापना दिवस पर भारत को एक समृद्ध और मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्य करने की शपथ भी ली। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विद्यालय की संगीत शिक्षिका डॉ. प्रियंका मिश्रा के निर्देशन में रंगारंग एवं आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति से सभी को परिचित कराया। जिसके उपरांत सभी प्रतिभागियों को प्राचार्या ने प्रमाण पत्र प्रदान करके प्रोत्साहित किया। विद्यार्थियों ने विद्यालय में आयोजित शैक्षणिक उन्नयन प्रदर्शनी के माध्यम से अपने प्रोजेक्ट , मॉडल,पोस्टर, क्ले मॉडल को प्रदर्शित करके अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक रुचि की अभिव्यक्ति की जिसकी सभी ने सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कोटवा के सचिवालय से आम जनमानस को घर बैठे मिलेंगी सुविधाएं : मयंकेश्वर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने शनिवार को विकास खण्ड तिलोई की ग्राम पंचायत कोटवा में राष्टीय ग्रामीण स्वराज अभियान के तहत निर्मित सचिवालय के साथ अन्नपूर्णा भवन वाटर कूलर और आर आर सी सेंटर का वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ फीता काट कर लोकार्पण किया। राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि यहां के नागरिकों को अब ब्लाक तहसील के साथ ही बैंक के चक्कर नही लगाने पड़ेंगे और घर बैठे सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि आप सब लोगों के सहयोग से कार्य करने की शक्ति प्रदान होती है और तिलोई विधानसभा क्षेत्र विकास के मामले में अग्रिम पंक्ति में रहेगी। राज्यमंत्री ने राष्टीय ग्रामीण स्वराज अभियान के तहत निर्मित भव्य सचिवालय, अन्नपुर्णा भवन, आर आर सी सेंटर के साथ ही वाटर कूलर का फीता काट कर आम जनमानस को समर्पित किया। राज्यमंत्री के साथ ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने सचिवालय प्रांगण में वृक्षारोपण कर आम जनमानस को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिये प्रेरित किया। ब्लाक प्रमुख तिलोई के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि ग्रामीणों को आय,जाति व निवास प्रमाण पत्रों के साथ ही जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र,परिवार रजिस्टर की नकल,विधवा, वृद्धावस्था व दिव्यांग पेंशन धारकों को तहसील व ब्लाक मुख्यालय के चक्कर काटने से निजात मिल जायेगी।प्रधान प्रतिनिधि भाष्कर सिंह व ग्राम पंचायत अधिकारी रजनीश भाष्कर ने अतिथियों का फूल मालाओं से स्वागत कर अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इसके बाद राज्यमंत्री ने ग्राम पंचायत भेलाई कला में नवनिर्मित अतिरिक्त कक्ष का फीता काट कर शुभारम्भ किया।राज्यमंत्री ने इन दोनों गांवों के ग्राम पंचायत सदस्यों को अंगवस्त भेंट किया। प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद अशरफ व ग्राम पंचायत अधिकारी रणवीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम को प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र तिवारी, प्रभारी खण्ड विकास अधिकारी प्रवीणा शुक्ला ने सम्बोधित किया।इस मौके पर उपजिलाधिकारी अमित सिंह, सीओ अजय कुमार सिंह,पूर्व ब्लाक प्रमुख रमेश सिंह, नायब तहसीलदार अमीषा यादव, ग्राम प्रधान देवी शरण बाजपेई, वंश बहादुर सिंह, हरि शंकर सिंह,अवनीन्द्र सिंह,संजय सिंह, शैलेन्द्र सिंह, घनश्याम अवस्थी, दीनानाथ शुक्ला, विनोद मौर्या, गुडडू सिंह, ध्रुवराज पासी, अरुण प्रताप सिंह, आनंद सिंह, अमिता गौतम, नितेश कुमार यादव, सुशील सिंह, योगेंद्र सिंह, हेमेंद्र प्रताप सिंह, सज्जन अवस्थी, राहुल अवस्थी, सुनील सिंह, नीलू सिंह, दिनेश सिंह राठौर सहित अन्य तमाम ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्यगण मौजूद रहे।

आम जनमानस को अयोध्या धाम के दर्शन करायेंगे राज्यमंत्री

तिलोई अमेठी, प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि आगामी बाइस जनवरी को अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का एक वर्ष पूर्ण होने वाला है लेकिन अभी भी तमाम लोग अयोध्या धाम के दर्शन नही कर सके हैं। राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि तिलोई क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत से दर्शन के लिये दो बसें उपलब्ध कराई जायेंगी। उन्होंने कहा कि पांच सौ साल के बाद राम मंदिर निर्माण का पुनीत पर्व आया है। सभी को अयोध्या धाम जाकर भगवान के दर्शन करने चाहिये। राज्य मंत्री श्री सिंह ने कहा कि वह ग्राम सभा स्तर पर एक बस की सेवा उपलब्ध करवाएंगे साथ ही एक बस ग्राम प्रधान की ओर से जायेगी और आप लोग राम मंदिर का दर्शन करने जरूर पहुंचे।

राज्यमंत्री ने सचिवालय अन्नपूर्णा भवन आरआरसी सेंटर के साथ वाटर कूलर का किया लोकार्पण

भेलाई कला में राज्यमंत्री मंत्री ने अतिरिक्त कक्ष का फीता काटकर उदघाटन किया

थाना जामों में आयोजित समाधान दिवस में डीएम व एसपी ने सुनी जन समस्याएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । शासन के निर्देश पर जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उददेश्य से आज माह के द्वितीय शनिवार को जनपद के सभी थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने जामों थाने में आयोजित थाना समाधान दिवस में पहुंचकर जन समस्याओं को सुना एवं उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद सभी राजस्व निरीक्षक व लेखपालों से उनके क्षेत्रों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि जो भी शिकायतें हैं उनका जल्द से जल्द निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने सभी लेखपालों तथा कानूनगो को निर्देशित किया कि उनके क्षेत्रों में जो भी समस्याएं हैं चाहे भूमि विवाद से संबंधित हो तथा नाली, चकमार्ग पर कब्जे, सरकारी भूमि पर कब्जे, तालाबों पर कब्जे, अवैध अतिक्रमण इत्यादि से संबंधित शिकायतें हो उनको तत्काल संज्ञान में लेकर निस्तारण कराया जाए तथा जहां पर पुलिस बल की आवश्यकता हो वहां पर संबंधित थाने से संपर्क कर पुलिस टीम के साथ मौके पर जाकर शिकायत का निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी लेखपाल तथा कानूनगो के क्षेत्र में कोई भी शिकायत लंबित पाई गई तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। आज थाना दिवस के दौरान प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह सहित अन्य राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में समाधान दिवस हुआ संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अविनाश पाण्डेय ने आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना गजरौला व सदर कोतवाली में पहुंचकर जन शिकायतों की सुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी द्वारा फरियादियों की शिकायतों का संज्ञान लिया गया। इसके साथ ही साथ आपसी विवादों संबंधी शिकायतों के संबंध में सम्बन्धित क्षेत्र के लेखपाल व पुलिस कर्मचारियों द्वारा मौके पर जाकर समस्या के निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। आयोजित थाना दिवस में जिलाधिकारी द्वारा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़े निर्देश देते हुये कहा कि थाना समाधान दिवस पर कोई भी कर्मचारी बिना अनुमति के अनुपस्थित न रहे। उन्होंने थाना प्रभारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि जनसुवाई के दौरान आईं समस्त शिकायतों में सम्बन्धित क्षेत्र के राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर दोनों पक्षों को बुलाकर समस्या का समाधान कराया जाये।किसी भी दशा में कोई भी शिकायत अधिक समय तक लम्बित न रहे।जिलाधिकारी द्वारा थानाध्यक्षों को निर्देश देते हुये कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को गुणवत्तापरक ढंग से निस्तारण कराना सुनिश्चित किया जाये।इस दौरान जिलाधिकारी ने शिकायती प्रार्थना पत्र रजिस्टार की जांच की गई। जांच के दौरान शिकायतों का निस्तारण की गुणवत्ता देखी तथा लम्बित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिये गये।थाना समाधान दिवस के दौरान संबंधित थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण उपस्थित उपस्थित रहे हैं।

आईजीआईएस शिकायतों के निस्तारण में फोटो भी करें अपलोड : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। डीएम कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायत व विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में मुख्यमंत्री सन्दर्भ, जिलाधिकारी सन्दर्भ, ऑनलाइन प्राप्त सन्दर्भ, भारत सरकार पीजी पोर्टल सन्दर्भ, शासन राजस्व परिषद निदेशालय सन्दर्भ, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, महिला हेल्प डेस्क, एन्टी भू-माफिया सहित आदि संदर्भों के सम्बन्ध में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों के सम्बन्ध में गहन समीक्षा की गई। डीएम द्वारा सभी सम्बन्धित नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निर्धारित समय में सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जायें। डीएम द्वारा उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन के मंशानुरूप जनसामान्य की शिकायतों का निस्तारण शीर्ष प्राथमिकताओं के अनुरूप किये जायें। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता एवं लापरवाही किसी भी दशा में बर्दास्त नहीं की जायेगी। उन्होंने सभी आईजीआरएस नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक दैनिक रजिस्टर तैयार कर आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का प्रतिदिन अंकन किया जाए। उन्होंने सभी को निर्देशित किया कि निस्तारित की गयी शिकायतों व लंबित प्रकरणों को नियमित रूप से प्रतिदिन अंकित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों का सम्बन्धित अधिकारी मौके पर जाकर मौका मुआयना कर फोटो सहित आख्या लगाकर गुणत्तापूर्ण निस्तारण करें।उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आई.जी.आर.एस. पोर्टल का लगातार अवलोकन कर लंबित प्रकरणों का निस्तारण समय से करें, किसी भी प्रकरण को डिफाल्टर न होने दें। जिलाधिकारी महोदया द्वारा अगली बैठक में एईएमआई मंगल द्वारा सुझाए गए पोर्टल की तकनीकी जानकारी के बारे में प्रशिक्षण कराने के भी निर्देश दिए।

महिला शिक्षक संघ पीलीभीत की टीम ने लखनऊ पहुंच कर प्रदेश अध्यक्ष से की मुलाकात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत से महिला शिक्षक संघ की टीम ने प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंचकर महिला शिक्षक संघ की प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना मौर्य से शिष्टाचार मुलाकात की है। मुलाकात के दौरान पीलीभीत की टीम ने महिला शिक्षक संघ की प्रदेश अध्यक्ष से जनपद में महिला शिक्षक संघ कार्यकारिणी से संबंधित कई बिंदुओं पर लंबी वार्तालाप की है। महिला शिक्षक संघ की प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना मौर्य ने जनपद पीलीभीत की टीम की बातें बड़े ध्यान पूर्वक सुनकर उसको अमली जामा पहनाने की बात कही है।महिला शिक्षक संघ की प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना मौर्य से मुलाकात करने वालों में मुख्य रूप से पीलीभीत जिला अध्यक्ष राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका निराजना शर्मा,पूनम सहगल जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष,रजनी जौहरी जिला महामंत्री,वर्षा सक्सैना जिला कोषाध्यक्ष सहित अन्य शिक्षिकाएं मौजूद रही।

परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को शैक्षिक भ्रमण के लिये किया रवाना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तिलोई अमेठी । विकास खण्ड सिंहपुर के पूर्व माध्यमिक और कम्पोजिट विद्यालयों के लगभग एक सैकड़ा बच्चों को शैक्षिक भ्रमण के लिये बीआरसी मुख्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।यह बच्चे सूबे की राजधानी लखनऊ के चिड़ियाघर का भ्रमण किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी हरिओम तिवारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार आज बच्चों को बेहतर से बेहतर कक्षा शिक्षण तो प्रदान कर ही रही है वहीं उसके साथ साथ उन्हें ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वाले, वैज्ञानिक पृष्ठभूमि वाले और सांस्कृतिक विरासत के स्थानों का शैक्षिक भ्रमण भी करा रही है जिससे बच्चों में बेहतर यथार्थ समझ विकसित हो सके। खण्ड शिक्षा अधिकारी हरिओम तिवारी ने बताया कि लगभग एक सैकड़ा बच्चों का यह जत्था चिड़ियाघर पहुंचा जहां बच्चों ने दुर्लभ दुर्लभ प्रजाति के जीवों को देखा और उनके बारे में जानकारी हासिल की। इसके बाद बस बच्चों को लंच कराकर भ्रमण कराते हुये देर शाम बस बीआरसी सिंहपुर पहुंची जहां से बच्चों को उनके घरों तक सम्बंधित विद्यालयों के शिक्षकों की देख रेख में पहुंचाया गया।भ्रमण करने वाले बच्चों के चेहरे वापस आने पर बहुत ही खिले खिले नजर आ रहे थे। सम्बंधित विद्यालयों के बच्चों के बच्चों के साथ उनकी देखरेख के लिए सम्बंधित विद्यालयों के शिक्षक भी उनके साथ रहे वहीं बच्चों को विभिन्न प्रसिद्ध स्थानों व उनके क्रिया कलापों के बारे विस्तार से अवगत कराने के लिये विकास खण्ड सिंहपुर के एआरपी ओंकार पाण्डेय सुरेन्द्र नाथ पाण्डेय, अनुज कुमार शुक्ला, घनश्याम आनंद मौजूद रहे जो समय समय पर बच्चों को गाइड कर रहे थे। इस मौके पर रविकांत श्रीवास्तव, राम बख्श प्रजापति,आशीष मौर्या,विकल्प श्रीवास्तव,राजेश कुमार,आलोक शुक्ला, पवन कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खंड विकास अधिकारी के खिलाफ भाकियू ने किया धरना प्रदर्शन

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील परिसर में शनिवार को 12 बजे भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट ने खंड विकास अधिकारी शिरीष वर्मा के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। आरोप है कि ग्राम पंचायत लहा में चकमार्ग की पैमाइश में दोनों साइड से यूकेलिप्टस के पेड़ लगे उनको कटवाने की मांग को लेकर दस दिसंबर को खंड विकास अधिकारी के पास गए थे। आरोप है इस दौरान खंड विकसित अधिकारी ने भाकियू कार्यकर्ताओं के साथ अभद्रता की थी। इसी को लेकर पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर में खंड विकास अधिकारी के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन में पहुंचे खंड विकास अधिकारी ने अपनी बातों को बापस लिया और किसान नेताओं से माफी मांगी जिसके बाद धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया है ।

कमरौली पुलिस ने शातिर चोर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता । थाना कमरौली पुलिस ने चोरी के अभियोग में प्रकाश में आया अन्तर्राज्यीय शातिर चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है जिसके कब्जे से पुलिस ने चोरी के दो हजार दो सौ रुपया बरामद किया है। पुलिस ने पकड़े गये शातिर चोर के खिलाफ मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया है। थाना कमरौली के उप निरीक्षक रवीन्द्र प्रताप सिंह मय हमराही द्वारा देखभाल क्षेत्र चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना कमरौली पर चोरी से संबन्धित पंजीकृत अभियोगों में प्रकाश में आया प्रदुम्न सिंह उर्फ शनि सिंह पुत्र गजेन्द्र सिंह निवासी मकान नम्बर बीएच 32 बिसलपुर कॉलोनी वार्ड थाना हनुमाननगर जनपद भीलवाड़ा राजस्थान को हसनगंज कठौरा के पास से समय करीब साढ़े ग्यारह बजे दिन में गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम को दौरान तलाशी उसके कब्जे से दो हजार दो सौ रुपये नगद बरामद हुये। पुलिस टीम द्वारा की गई पूंछतांछ में गिरफ्तार युवक ने बताया कि मैं व मेरे पांच साथी मिलकर इण्डोरामा व बीएचईएल कम्पनी की टाउनशिप में चोरी किया था।मैं गाड़ी से उन लोगों को लेकर आया था तथा चोरी करने के लिए उनलोगों को छोड़कर मै हाइवे पर खड़ा था। चोरी के उपरान्त उनलोगों को गाड़ी पर बैठाकर लेकर चला गया था । चोरी में मिले जेवरात को बेंचने के बाद जो रुपये मिले थे उनको हमलोग आपस में बांट लिये थे। बरामद रुपये उन्ही चोरियों से शेष बचे रुपये हैं । आगे पूछताछ में बताया कि हम लोग रायबरेली लालगंज में रेल कोच फैक्टरी में भी चोरी किया था।चोरी करने के उददेश्य से आज मैं पुनः रेकी करने आया था। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष अमिनेष कुमार ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये शातिर चोर के खिलाफ मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया गया है और अन्य पांच वांछित लोगों की तलाश की जा रही है।

जिले की विभिन्न समस्याओं को लेकर किसान नेताओं ने उप जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष मजीत सिंह ने अपने पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ एक ज्ञापन जिलाधिकारी को संबोधित उप जिलाधिकारी अजीत प्रताप सिंह को सोपा ज्ञापन में जनपद की विभिन्न समस्याओं का ध्यान आकर्षित कराते हुए उनके समाधान करने की बात कही है। इस समय किसानों की गेहूं की फसल में सिंचाई का समय चल रहा है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व वन क्षेत्र के किनारे बाघों का बहुत अधिक डर बना हुआ है। तथा गेहूं की फसल में बहुत हल्की सिंचाई की जरूरत हो रही है। इसलिए किसानों को बिजली की सप्लाई सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक लगातार बिना कटौती किए बिजली की सप्लाई दी जाए।ताकि किसान अपनी गेहूं की फसल में आराम से दिन में सिंचाई कर सके। पूरनपुर चीनी मिल पेराई सत्र में बार-बार चीनी मिल बंद हो रही है।जिससे किसानों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। गन्ना किसानों को पर्याप्त मात्रा में गन्ना सप्लाई पर्ची नहीं मिल पा रही है। किसानों को पर्याप्त मात्रा में पर्ची सप्लाई दी जाए। चीनी मिल मरम्मत में हुए घोटाले की जांच कर कर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसके अलावा लगभग छ प्रमुख समस्याओं के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा गया है।

नवनियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों को दिया जा रहा दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर गौरीगंज में पंचायती राज विभाग में नवनियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों को दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंचकर नवनियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों को उनके कार्यों एवं दायित्वों का बोध कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने नवनियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों को संबोधित करते हुये कहा कि गांव के समग्र विकास में तथा जन सामान्य को शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने में आप लोगों को शासन के प्रतिनिधि के रूप में ग्राम पंचायत स्तर पर कार्य करने का मौका मिलेगा आप लोग सीधे जनता से जुड़े अधिकारी होंगे जो शासन की योजनाओं का लाभ सीधे जनता को दिलाएंगे इसके लिए जरूरी है कि आप सभी लोग अपने-अपने कार्यों एवं दायित्वों को पूरी ईमानदारी, निष्ठा व लगन से करें, यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आप लोगों को बेहतर बनाने के लिए दिया जा रहा है इस प्रशिक्षण के दौरान आप लोग धरातल पर कार्य करने की पूरी प्रक्रिया को अच्छे से समझ लें जिससे आप लोगों को कार्य करने के दौरान किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सेवा के दौरान कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे आपके उच्चाधिकारियों को कार्यवाही करने के लिए बाध्य होना पड़े। अपने अपने क्षेत्र में शासकीय योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करें तथा जो पात्र लोग हैं उनको शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करें तथा जन सामान्य की शिकायतों का भी प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित कराएं। प्रशिक्षण के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज त्यागी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान नवनियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों को विभागीय प्रशासनिक ढांचा, त्री-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था, उत्तर प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1947 का संक्षिप्त परिचय, पंचायत को हस्तांतरित उनतीस विषय, ग्राम पंचायत एवं ग्राम सभा, ग्राम पंचायत एवं ग्राम सभा की बैठकों एवं कोरम, ग्राम पंचायत के कार्य, ग्राम प्रधान के कार्य एवं दायित्व, ग्राम प्रधान का मानदेय एवं अन्य भत्ते, स्थाई समितियां एवं उनके कार्य, भूमि प्रबंधन समिति, जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियमावली 2002, सीआरएस पोर्टल, परिवार रजिस्टर अनुरक्षण नियमावली, ऑडिट ऑनलाइन, सूचना का अधिकार 2005 एवं नियमावली 2015, केंद्रीय वित्त एवं राज्य वित्त आयोग, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक आचरण नियमावली, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, सेवा पुस्तिका, विभागीय प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकारी का प्रतिनिधायन, बहुउद्देशीय पंचायत भवन एवं अंत्येष्टी स्थल का निर्माण, पंचायत कल्याण कोष, ग्राम सचिवालय में स्थापित कॉमन सर्विस सेंटर का संचालन, ई डिस्टिक पोर्टल, परिवार रजिस्टर का डिजिटाइजेशन, ग्राम पंचायत विकास योजना, पंचायत द्वारा स्वयं के आय स्रोत, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान, कार्बन न्यूट्रल ग्राम पंचायत, पंचायत विकास सूचकांक, पंचायत पुरस्कार, पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार, ग्रामीण पेयजल योजनाओं के हैंडोवर एवं संचालन में रखरखाव, अटल भूजल योजना, मातृभूमि योजना, जेम पोर्टल, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत कराए गए कार्य, रिसोर्स रिकवरी सेंटर, निर्मित व्यक्तिगत शौचालय, बहुउद्देशीय पंचायत भवन, ई ग्राम स्वराज एवं अन्य विभाग की कार्यों के बारे में मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नौ दिसम्बर से संचालित है तथा अठारह दिसम्बर तक दिया जायेगा।

आज आयोजित होंगे भाजपा के मंडल चुनाव

सुलतानपुर। भाजपा इस बार संगठन के चुनाव में पूरा फोकस किए हुए हैं। जनपद के सभी मंडलों में रविवार 15 दिसम्बर को मंडल चुनाव आयोजित होंगे। पार्टी की पूरी कोशिश है कि मंडल अध्यक्ष चुनाव में सभी जाति व वर्गों समेत महिलाओं की भी भागीदारी सुनिश्चित हो। शनिवार को जिला चुनाव अधिकारी एमएलसी मानवेंद्र सिंह ने भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा की अध्यक्षता में मंडल चुनाव अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की।इस दौरान उन्होंने संगठन चुनाव की बारीकियां समझाई। बताया कि 35 से 45 वर्ष की उम्र के लोग ही मंडल अध्यक्ष पद के दावेदार हो सकते है।उन्होंने कहा मंडल सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी व सर्वसमावेशी होना चाहिए। जितनी मजबूत बूथ और मंडल की इकाइयां होगी उतनी ही मजबूत भाजपा होगी। मंडल अध्यक्ष पद पर पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता ही अध्यक्ष बन पाएंगे। इसके लिए अर्हता थोड़ी सख्त की गई है। मंडल अध्यक्ष के लिए पिछले दो बार का सक्रिय सदस्य होना जरूरी है। जिन्हें भी मंडल अध्यक्ष बनाया जाएगा वह पूर्व में मंडल के पदाधिकारी जरूर रहे होने चाहिए। भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने बताया कि मंडल अध्यक्ष के पद पर आम सहमति बनाते हुए चुनाव कराए जाएंगे।

सुविधा की निकासी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ ने अपने खाताधारकों को अगले साल से सीधे एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा देने का फैसला किया है। अब तक विभागीय जटिल प्रक्रिया व लालफीताशाही के चलते कर्मचारियों को जरूरत पड़ने पर अपना ही पैसा निकालने के लिये दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। कुल मिलाकर धन निकासी में विभागीय हस्तक्षेप कम करने का प्रयास किया गया है। निश्चित रूप से श्रम मंत्रालय की यह पहल सामाजिक सुरक्षा को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा बदलावकारी कदम है। यह कदम दक्षता सुधार व कर्मचारियों की अपने पैसे तक पहुंच बढ़ाने के लिये सार्वजनिक सेवा के साथ प्रौद्योगिकी के एकीकरण का अच्छा उदाहरण है। दरअसल, फिलहाल ईपीएफओ की निकासी प्रक्रिया में देरी के कारण खाताधारकों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। काफी समय के बाद जरूरतमंदों के खाते तक जरूरी राशि पहुंच पाती है। निश्चय ही पीएफ निकासी कार्ड का उद्देश्य उस लालफीताशाही को दूर करना है, जिसके चलते कर्मचारियों को पैसा समय पर मिल पाएगा। वैसे कुल राशि का पचास फीसदी निकासी सीमा तय करना, वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने तथा दीर्घकालीन बचत सुरक्षा को बढ़ावा देना वाला कदम ही है। इसके अलावा भी ईपीएफओ अपने व्यापक एजेंडे के साथ आगे बढ़ रहा है, जिसमें योगदान की सीमा बढ़ाना, भविष्य निधि बचत को पेंशन के रूप में परिवर्तित करना भी शामिल है। निश्चित रूप से यह पहल सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को ही उजागर करती है। जिसका मकसद अपने कार्यबल के लिये डिजिटलीकरण को बढ़ाना तथा जीवनयापन को आसान बनाना भी है। यह सुखद ही है कि वर्ष 2017 के बाद ईपीएफओ के सत्तर मिलियन सदस्य बढ़े हैं। उल्लेखनीय है कि इस नई सुविधा के लिये संगठन ने अपने खाताधारकों को एक विशेष पीएफ कार्ड देने का निर्णय लिया है। जो बैंक के एटीएम कार्ड की तरह काम करेगा।बहरहाल, खाताधारक अगले साल जनवरी से अपने कार्ड के जरिये अपने खातों से सीधा पैसा निकाल सकेंगे। निस्संदेह, अब खाताधारकों के लिये पीएफ क्लेम करना और आसान हो जाएगा। वहीं एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा के बाद इसमें मानवीय हस्तक्षेप हो जाएगा। लेकिन एक बार में खाताधारक पीएफ बैलेंस का अधिकतम पचास फीसदी धन ही निकाल पाएंगे। विभाग का कहना है कि आईटी सिस्टम को उन्नत किया जा रहा है ताकि क्लेम प्रक्रिया को आसान व तेज बनाया जा सके। अब खाताधारकों को ईपीएफओ ऑफिस जाने अथवा लंबी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। उपभोक्ता चौबीस घंटे, यहां तक कि छुट्टियों में भी पैसा निकाल सकेंगे। जिससे आपातकालीन जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। हालांकि, फिलहाल भी विशेष परिस्थितियों मसलन घर खरीदने, बच्चों की पढ़ाई, शादी व बीमारी पर एक निश्चित रकम निकालने का प्रावधान है। उसमें भी नौकरी की कार्यावधि तथा धन की निर्धारित रकम तक की सुविधा ही शामिल है। ऐसे ही सेवानिवृत्ति से कुछ समय पहले तक एक बड़ी रकम निकालने की सुविधा भी शामिल है। दरअसल, केंद्र सरकार अपने सामाजिक दायित्व को विस्तार देने के क्रम में कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम कर रही है। जिसमें सरकार गिग व प्लेटफॉर्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा देने के मकसद से इन कामगारों को चिकित्सा संरक्षण, डिसएबिलिटी सपोर्ट और पीएफ सुविधाएं देना शामिल है। फिलहाल इन्हें परंपरागत कर्मचारी व्यवस्था के लाभ नहीं मिल रहे हैं। इस तरह ईपीएफओ अपने सक्रिय सदस्यों की सुविधाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में बढ़ी है। मकसद यही है कि उन्हें अधिक सुविधाएं दे सके। निश्चित रूप से हमारे श्रम बाजार को औपचारिक बनाने, भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने तथा सामाजिक सुरक्षा के मद्देनजर इस कार्यबल को मेडिकल कवर व वित्तीय सहायता देना न्यायसंगत ही होगा। सरकार की पहल प्रौद्योगिकी संचालित सामाजिक कल्याण ढांचे में बदलाव की ओर संकेत देती है। इससे व्यवस्था परिचालन की विसंगतियों को दूर करते हुए नागरिक केंद्रित सेवाओं में सुधार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का भी पता चलता है। निश्चित रूप से यह कदम कर्मियों के कल्याण के मद्देनजर समानता व सुविधा के साथ सार्वजनिक संस्थानों के प्रति भरोसा बढ़ाने वाला भी है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए बड़ी चुनौती

महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, झारखंड इत्यादि अनेक राज्यों में सत्ताधारी पार्टी की वापसी का एक आधार महिलाओं को सीधे हर महीने पैसे देना था। इसीलिए दिल्ली की आआपा सरकार ने पहले की घोषणाओं के साथ-साथ 12 दिसंबर को दिल्ली में हर महिला को हर महीने एक हजार रुपए देने का फैसला किया। जिन आर्थिक लाभों के लिए उनकी आलोचना होती थी, खुलेआम उसे रेवड़ी कह कर प्रचारित किया जा रहा है। अपने समर्थकों के लिए तरह-तरह के वायदे किए जा रहे हैं। बावजूद इसके अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी ने थोक में अपने विधायकों का टिकट काटकर दूसरे दलों से आए नेताओं को टिकट देना शुरू किया है। अब तक 70 में से 31 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए गए हैं, उसमें ज्यादातर उम्मीदवार नए और दूसरे दलों से आए नेता हैं। बावजूद इसके सत्ता की दावेदार भाजपा आक्रामक होने के बजाए केजरीवाल के एजेंडे पर ही अब तक चलती दिख रही है। न तो भाजपा अभी तक अपना मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित कर पाई न ही भाजपा के चुनाव अभियान को अपने एजेंडे पर लाने का कोई ठोस प्रयास किया है।

करीब दो महीने बाद होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के सामने आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की छवि को ध्वस्त करने की सबसे बड़ी चुनौती है। आआपा पूरी तरह से केजरीवाल की पार्टी है। यह बार-बार साबित हो चुका है कि इस पार्टी में केजरीवाल के अलावा किसी की कोई राजनीतिक औकात नहीं है। चाहे खुद केजरीवाल ने जिन्हें पार्टी से बाहर किया या जो खुद कोई कारण बताकर बाहर हुए, वे अपना कोई ठोस आधार नहीं बना पाए। शराब घोटाले में केजरीवाल समेत आआपा के अनेक आला नेताओं के जेल जाने के बाद उनकी साख (यूएसपी) पर ही सवाल उठ गए हैं। इसलिए जेल से बाहर आने के साथ केजरीवाल ने वह सभी काम करना शुरू कर दिया जिससे दिल्ली विधानसभा चुनाव जीता जा सके। माना गया कि महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, झारखंड इत्यादि अनेक राज्यों में सत्ताधारी पार्टी की वापसी का एक आधार महिलाओं को सीधे हर महीने पैसे देना था। इसीलिए दिल्ली की आआपा सरकार ने पहले की घोषणाओं के साथ-साथ 12 दिसंबर को दिल्ली में हर महिला को हर महीने एक हजार रुपए देने का फैसला किया। जिन आर्थिक लाभों के लिए उनकी आलोचना होती थी, खुलेआम उसे रेवड़ी कह कर प्रचारित किया जा रहा है। अपने समर्थकों के लिए तरह-तरह के वायदे किए जा रहे हैं। बावजूद इसके अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी ने थोक में अपने विधायकों का टिकट काटकर दूसरे दलों से आए नेताओं को टिकट देना शुरू किया है। अब तक 70 में से 31 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए गए हैं, उसमें ज्यादातर उम्मीदवार नए और दूसरे दलों से आए नेता हैं। बावजूद इसके सत्ता की दावेदार भाजपा आक्रामक होने के बजाए केजरीवाल के एजेंडे पर ही अब तक चलती दिख रही है। न तो भाजपा अभी तक अपना मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित कर पाई न ही भाजपा के चुनाव अभियान को अपने एजेंडे पर लाने का कोई ठोस प्रयास किया है। आआपा का गठन ही भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान आंदोलन चलाने के नाम पर हुआ था। केजरीवाल अपने को और अपनी पार्टी के नेताओं को कट्टर ईमानदार बताते थे। शराब घोटाले में अनेक बड़े नेताओं के जेल जाने के बाद केजरीवाल केन्द्र सरकार पर केन्द्रीय जांच एजेंसी के दुरुपयोग के आरोप लगाते रहे हैं लेकिन पहले की तरह भ्रष्टाचार को केन्द्रीय मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ने को तैयार नहीं दिख रहे हैं। आम आदमी की पार्टी होने के केजरीवाल के दावे को उनकी सरकारी कोठी पर हुए खर्च आदि ने गलत साबित कर दिया है। दिल्ली में तो कांग्रेस हाशिए पर पहुंच गई है, भाजपा भी इसे सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाती नहीं दिख रही है। महाराष्ट्र और झारखंड राज्य के चुनाव संपन्न होने के बाद सभी की निगाहें दिल्ली पर लगी है। लगातार तीन लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सभी सातों सीटें जीतने के बावजूद दिल्ली विधानसभा में भाजपा 1993 के बाद कभी बहुमत में नहीं आ पाई। आआपा ने कांग्रेस को हाशिए पर ला दिया और फ्री बिजली-पानी के नाम पर राजधानी के एक बड़े तबके का भारी समर्थन हासिल किया है। कांग्रेस के नेता तो अपने वजूद को बचाए रखने की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनकी राजनीतिक हैसियत जानकर ही आआपा उनसे विधानसभा चुनाव में समझौता करने को तैयार नहीं है। लोकसभा चुनाव में समझौता हुआ तो भले ही आआपा या कांग्रेस को कोई सीट न मिली लेकिन कांग्रेस को 2020 के विधानसभा के मुकाबले चार के बजाए 18 फीसदी वोट मिले। केजरीवाल को यह लग रहा होगा कि कांग्रेस से समझौता करके कुछ सीट देने से उसका दिल्ली में फिर से वजूद बन जाएगा। ऐसा वह आसानी होने देना नहीं चाहेगी। यह सभी को पता है कि आआपा की बुनियाद ही कांग्रेस के माने जाने वाले मतदाता रहे हैं। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जीतने के बाद से भाजपा के हौसले बुलंद हैं। बावजूद इसके अब तक वह न तो आक्रामक अभियान चला पा रही है और न ही अपना मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित कर पाई है। राजनीति के खेल में कई रिकार्ड बनाना वाले आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक और अब दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री बन गए अरविंद केजरीवाल के सामने अपनी और अपनी पार्टी की साख (यूएसपी) बचाने का संकट है। कट्टर ईमानदार होने का दावा करने वाले केजरीवाल और उनकी पार्टी पर भ्रष्टाचार का केवल आरोप नहीं लगा है बल्कि शराब घोटाले के आरोप में केजरीवाल समेत अनेक बड़े नेता जेल गए। केजरीवाल को भी करीब छह महीने जेल में रहने के बाद इसी 13 सितंबर को सशर्त जमानत मिली। उन्होंने शहीद बनने के अंदाज में अपने पद से इस्तीफा देकर अपनी सहयोगी आतिशी मार्लेन (मार्क्स और लेनिन का संक्षेप) सिंह को मुख्यमंत्री बनाया। घोषणा कर दी कि लोगों की नजरों में आरोप मुक्त होने के बाद ही वे और उनसे पहले उसी तरह की शर्तों के साथ जमानत पाए उनके साथ उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया कोई सरकारी पद नहीं लेंगे। मुख्यमंत्री बनने के साथ ही आतिशी ने कहा कि वे तो दिल्ली विधानसभा चुनाव तक यानी केवल चार महीने के लिए मुख्यमंत्री हैं। उसके बाद फिर से अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री बन जाएंगे। वे तो मुख्यमंत्री के दफ्तर में केजरीवाल की कुर्सी के बजाए बगल में दूसरी कुर्सी पर बैठ रही है। केजरीवाल इस बात को छुपा रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट की शर्तों में एक शर्त यह भी है कि वे न तो सचिवालय जा सकते हैं और न ही कोई सरकारी फाइल देख सकते हैं। यही आदेश सुप्रीम कोर्ट ने उनके साथ लंबे समय तक उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया को जमानत देते हुए दिए। इससे यह भी साफ हो रहा है कि चाहे आआपा फिर से विधानसभा चुनाव जीत जाए लेकिन अरविंद केजरीवाल अदालत के आदेश के बिना मुख्यमंत्री नहीं बन सकते हैं। यह तय-सा है कि दिल्ली में आआपा का कोई भी मुख्यमंत्री हो, सरकार अरविंद केजरीवाल के हिसाब से ही चलेगी और चलती हुई दिख रही है। आआपा के इस छोटे से कार्यकाल में अनेक नेताओं पर आरोप लगे। कुछ को तो आआपा ने ही विदा किया और कुछ को कानूनी तरीके से आरोप लगने के बाद विदा किया गया। फर्जी डिग्री के आरोपित जितेन्द्र सिंह तोमर को तो भारी विरोध के बाद मंत्री से हटाया गया। अवैध धन शोधन के मामने में सतेन्द्र जैन की गिरफ्तारी के महीनों बाद विभाग लिए गए। फिर तो शराब घोटाले में पहले मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह और फिर खुद केजरीवाल गिरफ्तार हुए। 2011 के दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ समाजसेवी अण्णा हजारे के आंदोलन में शामिल अनेक नेताओं ने 26 अक्तूबर,2012 को आम आदमी पार्टी (आआपा) के नाम से राजनीतिक दल बनाकर 2013 में होने वाले दिल्ली विधान सभा चुनाव लड़ना तय किया। अरविंद केजरीवाल की अगुवाई में 2013 का विधानसभा चुनाव लड़ा गया। पहले ही चुनाव में ही बिजली-पानी फ्री का मुद्दा कारगर हुआ। आआपा को 70 सदस्यों वाली विधानसभा में करीब 30 फीसद वोट और 28 सीटें मिली। भाजपा ने करीब 34 फीसद वोट के साथ 32 सीटें जीती और दिल्ली में 15 साल तक शासन करने वाली कांग्रेस को 24.50 फीसद वोट के साथ महज आठ सीटें मिली। भाजपा के मना करने पर आआपा ने कांग्रेस से बिना मांगे समर्थन से सरकार बनाई और नियम का पालन किए बिना लोकपाल विधेयक विधान सभा में पेश करने से रोके जाने के खिलाफ 49 दिन पुरानी सरकार ने इस्तीफा दिया। दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगा। कांग्रेस की कमजोरी और भाजपा की अधूरी तैयारी के चलते और बिजली-पानी फ्री करने के वायदे ने आप को 2015 के चुनाव में दिल्ली विधान सभा में रिकार्ड 54 फीसदी वोट के साथ 67 सीटों पर जीत दिलवा दी। उस चुनाव के बाद पार्टी में अरविंद केजरीवाल का राजनैतिक कद और बढ़ गया। दोबारा मुख्यमंत्री बनते ही उन्होंने दिल्ली से बाहर पार्टी को न ले जाने का घोषणा कर दी। उन्होंने यह साबित कर दिया कि पार्टी को वोट उनके नाम से मिलते हैं। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में फिर उन्होंने रिकार्ड 54 फीसद वोट के साथ 62 सीटें जीती। 2017 के गोवा विधानसभा चुनाव में तो आआपा को कोई सफलता नहीं मिली लेकिन पंजाब में बेहतर नतीजे मिले। 117 सीटों की विधानसभा में कांग्रेस को 77 सीटें और आआपा को 20 सीटें मिली। 2022 में आआपा ने शानदार जीत दर्ज की। उसे न केवल 92 सीटें मिली। गुजरात और गोवा में चुनाव लड़कर आआपा अखिल भारतीय पार्टी बन गई। केजरीवाल ने अपनी ईमानदार छवि को बचाए रखने के लिए दिल्ली सरकार में मंत्री रहे असीम अहमद खान और संदीप कुमार को भ्रष्टाचार और सेक्स रैकेट के आरोप में हटाया। आआपा न तो भाजपा, माकपा जैसी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और न ही समाजवादी पार्टी, राजद आदि जैसी जाति आधारित पार्टी। वह तो अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार के खिलाफ चले आंदोलन पर आधारित पार्टी है। जो आंदोलनकारी वर्ग था वह तो कब का उनसे अलग हो गया या एक-एक करके केजरीवाल ने अलग कर दिया। जो बाहर गए वे ज्यादा कामयाब नहीं हो पाए। उनकी सूची काफी लंबी है। अब तो उनके मुट्ठी भर लाभार्थी और बड़ी तादाद में फ्री की सुविधा पाने वाले लोग हैं, जो केवल अरविंद केजरीवाल पर भरोसा करते हैं। उनकी और उनकी पार्टी के नेताओं की आबकारी घोटाले में गिरफ्तारी ने आप नेताओं के कट्टर ईमानदार होने की छवि को भारी नुकसान पहुंचाया है। भाजपा के सामने इसे आक्रामक तरीके से लोगों के सामने रखने की चुनौती है। 415 सांसदों को प्रचंड बहुमत से केन्द्र सरकार में आने वाले सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांधी की छवि मिस्टर क्लीन की बनी थी। महज 64 करोड़ रुपए के बोफोर्स घोटाले ने न केवल उनकी छवि को ध्वस्त किया बल्कि उन्हें अगले चुनाव में सत्ता से बाहर कर दिया। बोफोर्स में राजीव गांधी ने कोई दलाली ली यह साबित नहीं हो पाई लेकिन वे सालों प्रयास करके अपने पुरानी छवि नहीं बना पाए। **-मनोज कुमार मिश्र**

गुकेशः शह-मात का नया शहंशाह

डॉ. आर.के. सिन्हा

सारा भारत आज के दिन डी. गुकेश के विश्व शतरंज चैंपियन बनने से गौरवान्वित है। गुकेश ने नया इतिहास रच दिया है। वे सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने अपने अद्भुत प्रदर्शन से पूरे भारत का मान बढ़ाया है। उनकी शानदार सफलता में उनकी असाधारण प्रतिभा, समर्पण और रणनीतिक दृष्टिकोण अहम रहे। गुकेश ने बहुत कम उम्र में शतरंज खेलना शुरू कर दिया था, जिससे उन्हें खेल की बारीकियों को समझने और अपनी प्रतिभा को विकसित करने का पर्याप्त समय मिला। उनमें जन्मजात प्रतिभा है और ग्रहण करने की क्षमता बहुत तेज है, जिससे वे जटिल शतरंज रणनीतियों को आसानी से समझ पाते हैं। उन्होंने शतरंज के प्रति पूर्ण समर्पण दिखाया है और लगातार अभ्यास करके अपनी क्षमताओं को निखारा है। गुकेश को अनुभवी और कुशल प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन मिला, जिन्होंने उनकी खेल तकनीकों को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण और संसाधनों तक पहुंच मिली, जिससे उन्हें विश्व स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिली। गुकेश के प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीकी उपकरणों का उपयोग शामिल था, जिससे उनकी खेल रणनीति का विश्लेषण करना और सुधार करना आसान हो गया। गुकेश के पास शतरंज में गहरी रणनीतिक सोच है, जो उन्हें खेल के दौरान तत्काल सही निर्णय लेने में मदद करती है। वे दबाव की स्थितियों में भी शांत और संयमित रहते हैं, जिससे वे महत्वपूर्ण मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। उनमें मानसिक रूप से मजबूत होने की क्षमता है, जिससे वे हार से निराश नहीं होते और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित रहते हैं। गुकेश नियमित रूप से शतरंज का अभ्यास करते हैं और अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे अपने पिछले मैचों का विश्लेषण करते हैं और अपनी गलतियों से सीखते हैं, जिससे उनकी खेल रणनीति में लगातार सुधार होता रहता है। वे शतरंज के महान खिलाड़ियों के खेलों का लगातार गम्भीरतापूर्वक अध्ययन करते रहते हैं और उनसे नई तकनीकों को सीखते हैं। गुकेश ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिससे उन्हें उच्च स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अनुभव मिला है। उन्होंने अलग-अलग शैली के खिलाड़ियों का सामना किया है, जिससे उनकी खेल में विविधता आई है। गुकेश को अपने परिवार से भरपूर समर्थन और प्रेरणा मिली है, जो उनकी सफलता में महत्वपूर्ण कारक है। उनके परिवार ने उनके संघर्षों के दौरान उनका भावनात्मक रूप से समर्थन किया और उन्हें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इन सभी कारणों के संयोजन ने गुकेश को विश्व शतरंज चैंपियन बनने में मदद की है। उनकी सफलता न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और मेहनत का परिणाम है बल्कि यह भारत में शतरंज के विकास और प्रोत्साहन का भी प्रतीक है। इस बीच, कुछ जानकार गुकेश और पूर्व विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद की तुलना भी रहे कर रहे हैं। गुकेश और विश्वनाथन आनंद, दोनों भारतीय शतरंज के महान खिलाड़ी हैं लेकिन उनकी शैलियों, दृष्टिकोण और खेल में कुछ समानताएं और कुछ मौलिक अंतर भी हैं। दोनों ही खिलाड़ियों में शतरंज की असाधारण प्रतिभा है। वे जटिल स्थितियों को समझने और सटीक चाल चलने में माहिर हैं। दोनों खिलाड़ी अपनी रणनीतिक गहराई के लिए जाने जाते हैं। वे न केवल तात्कालिक लाभ पर ध्यान देते हैं बल्कि लंबी अवधि की योजनाओं को भी ध्यान में रखते हैं। दोनों खिलाड़ियों में दृढ़ संकल्प है और वे कभी हार नहीं मानते। उन्होंने कई बार मुश्किल परिस्थितियों से वापसी कर जीत हासिल की है। दोनों खिलाड़ी अपनी शालीनता और खेल भावना के लिए जाने जाते हैं। वे हारने पर भी सम्मान बनाए रखते हैं। विश्वनाथन आनंद एक अनुभवी खिलाड़ी हैं जो 90 के दशक से खेल रहे हैं, जबकि गुकेश युवा और उभरते हुए खिलाड़ी हैं। आनंद ने कंप्यूटर युग से पहले शतरंज खेला जबकि गुकेश का विकास कंप्यूटर के युग में हुआ है। आनंद अपनी तेज और आक्रामक शैली के लिए जाने जाते हैं, जबकि गुकेश एक अधिक रणनीतिक और रक्षात्मक खिलाड़ी हैं। आनंद त्वरित चालों और जटिलताओं में माहिर हैं जबकि गुकेश स्थिति को नियंत्रित करने और धैर्यपूर्वक आगे बढ़ने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

सेहत मंत्र

रोज सेब खाएं, फायदे होंगे इतने कि गिनते रह जाएंगे

आपने अक्सर लोगों के मुंह से सुना होगा कि एन एप्पल इन ए डे, कीप्स द डॉक्टर अवे। अर्थात अगर आप स्वस्थ रहना चाहते हैं तो आपको प्रतिदिन एक सेब का सेवन करना चाहिए। यह जुमला ही सेब के गुणों का बखान करता है। आमतौर पर लोग यह तो जानते हैं कि सेब का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है लेकिन वास्तव में इससे सेहत को क्या लाभ प्राप्त होते हैं, इसके बारे में लोग नहीं जानते। तो चलिए आज हम आपको इससे मिलने वाले कुछ फायदों के बारे में बताते हैं? पाचन तंत्र में लाभदायकः सेब आपके पेट के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें वैसे तो फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है लेकिन इसके साथ?साथ यह आपके पेट संबंधी परेशानियों को दूर करने में भी एक अहम भूमिका निभाता है। खासतौर से, जिन लोगों को कब्ज आदि की शिकायत होती है, उन्हें तो विशेष रूप से प्रतिदिन एक सेब का सेवन करना चाहिए। एनिमिया का उपचार : इस बात से तो आप वाकिफ ही होंगे कि भारत देश में अधिकतर लोग एनिमिक हैं। खासतौर से, महिलाओं में आयरन की मात्रा काफी कम पायी जाती है। ऐसे में प्रतिदिन सेब का सेवन करने से उन्हें काफी फायदा होता है क्योंकि इसमें आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। मधुमेह नियंत्रण : भले ही सेब स्वाद में मीठा हो लेकिन फिर भी इसे मधुमेह के रोगियों को खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह रक्त में शुगर लेवल को कंट्रोल करने का माद्दा रखती है। दांत बनाए स्वस्थ : शायद आपको जानकर हैरानी हो लेकिन वास्तव में सेब आपके दांतों को स्वस्थ बनाने का काम भी करता है। दरअसल, जब आप सेब को चबाकर खाते हैं तो इससे आपके मुंह में लार का उत्पादन तेज होता है। इतना ही नहीं, यह बैक्टीरिया को कम करके दांतों को भी नुकसान पहुंचाने से बचाता है। वेट लॉस में करता है मददः आजकल जिसे देखो, अपने बढ़ते वजन को लेकर चिंतित रहता है। ऐसे लोगों को अपनी डाइट में सेब को अवश्य शामिल करना चाहिए। बहुत से शोध व स्टडी इस ओर इशारा करती हैं कि सेब के सेवन से काफी हद तक वजन कम किया जा सकता है। ऐसा उसमें मौजूद फाइबर के कारण होता है। जब आप सेब का सेवन करते हैं तो आपको काफी देर तक पेट भरे होने का अहसास होता है और आप अतिरिक्त कैलोरी के सेवन से बच जाते हैं।

धर्म मंत्र

शनि मंदिरों में दर्शन कर आप पा सकते हैं मनवांछित फल

मध्य प्रदेश के मुरैना के शनि पर्वत पर स्थित त्रेतायुगीन शनि मंदिर पर देश के कोने-कोने से दर्शन करने आते हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की शनिदेव के प्रति असीम आस्था है। श्रद्धालु शनिदेव से यहां सुख समृद्धि और शांति के लिए आराधना करने आते हैं। 15 मई को शनि जयंती पर यहां एक महोत्सव जैसा माहौल था। शनि जयंती के दिन शनि देव की पूजन करना एक संयोग भी माना जाता है। शनि देव सौर मंडल का सबसे महत्वपूर्ण गृह हैं। जो व्यक्ति के कर्म अनुसार अच्छे बुरे कर्म फल के निर्णायक हैं। शनि को मृत्युलोक का न्यायाधीश माना गया है। इसलिए भी शनिदेव की आराधना बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। पुराणों के अनुसार सूर्यदेव की दूसरी पत्नी छाया के गर्भ से जन्मे शनि के श्याम रंग को देखकर सूर्य ने अपनी पत्नी छाया पर आरोप लगाते हुए शनि को अपना पुत्र मानने से इंकार कर दिया। इस कारण शनिदेव अपने पिता सूर्य से शत्रुभाव रखने लगे। उन्होंने भगवान शिव की कठोर तपस्या कर अनेक शक्तियां प्राप्त कीं। सभी ग्रहों में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया, यमराज शनिदेव के भाई और यमुना बहन हैं। देश में विख्यात मुरैना का त्रेता युगीन शनि मंदिर से ही शनि शिंगणापुर महाराष्ट्र में 1817 के आसपास शिला से शनिदेव की स्थापना की गयी। माता अहिल्या की नगरी इंदौर में शनि देव का प्राचीन मंदिर है। शहर के बीचोंबीच जूनि इंदौर में यह स्थित यह मंदिर करीब 300 साल पुराना है। इस मंदिर के बारे में एक सच्ची कहानी है कि यहां के अंधे पुजारी को शनि देव ने प्रसन्न होकर आंखें दी थीं।

पर्यटन

बारासात शहर में बसी है बंगाल की संस्कृति

बारासात बंगाली संस्कृति का एक केंद्र है, जहां दुर्गा और काली पूजा के दौरान काफी रौनक रहती है। आपने फिल्मों में अक्सर देखा होगा कि बंगाल की संस्कृति की झलकियां दिखाई जाती हैं। रसगुल्ला, संदेश मिठाई, बंगाली साड़ी जैसी कई चीजें पूरी दुनिया में मशहूर है। लेकिन बंगाल अब बिल्कुल वैसा नहीं रहा, जैसा फिल्मों या टीवी सीरियल्स में दिखाया जाता है ऐसे में अगर आपको बंगाल की संस्कृति की असल झलक देखनी हो, तो आप बारासात शहर में घूम सकते हैं। आइए, जानते हैं क्या है यहां खास। बारासात बंगाली संस्कृति का एक केंद्र है, जहां दुर्गा और काली पूजा के दौरान काफी रौनक रहती है, बारासात पर्यटन ने कोलकाता के स्थानीय लोगों का और दुनिया भर के पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। दुर्गा पूजा के दौरान आपको यहां कई विदेशी देखने को मिलेंगे। हजरत इकदिल शाह की समाधि यहां हिन्दू-मुस्लिम के संगम को दर्शाती है। हजरत इकदिल की याद में यहां हर साल मेला भी लगता है। इसके अलावा यहां पुरानी इमारतें और मंदिर भी बंगाल के इतिहास को बयां करते हैं। यहां आकर आप ऐसी कई चीजें देखने को मिलेगी, जो आपको अपने शहर में नहीं मिल सकती। आप यहां कपास बुनाई के छोटे कुटीर उद्योग भी देख सकते हैं, जो बारासात नगरी का प्रमुख उत्पादक है। आप कोलकत्ता जाने वाली किसी ट्रेन या फ्लाइट से यहां आ सकते हैं। कोलकत्ता के बाद आप किसी टैक्सी या बस से यहां पहुंच सकते हैं। बारासात में कई गेस्ट हाउस है, लेकिन अगर आपको लक्जरी होटल चाहिए, तो आप कोलकत्ता में ठहरकर दिन के समय यहां घूमने आ सकते हैं। अगर आप बारासात आ रहे हैं, तो यहां घूमने-फिरने के साथ यहां के जायकों को न भूलें। आपको यहां स्ट्रीट फूड के बेहतरीन जायके चखने को मिलेंगे। आप यहां नवम्बर से जून महीने में आ सकते हैं। मौसम खुशनुमा रहता है।

झील व जंगल बचेंगे जीवन तभी बचेगा : संजय कुमार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जनपद की बायोडायवर्सिटी पर ऑफिसर्स क्लब में आयोजित फोटो प्रदर्शिनी का उद्घाटन यूपीपीसीएफ के एमडी संजय कुमार ने किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि सुरक्षित मानव जीवन के लिए झील, तालाब, नदी, पेड़ पौधे व जंगल का रहना जरूरी है। इनके अस्तित्व पर संकट से मानव जीवन संकट में पड़ सकता है, 20 से 25 साल पहले विश्व में आठ और भारत में गिद्ध की पांच प्रजाति पाई जाती थी। यह अब 99 प्रतिशत तक गायब हो चुके हैं। इसकी वजह पशुओं को ऑक्सीटोसिन का इंजेक्शन दिया जाना कई रिसर्च में सामने आया है। जिन मवेशियों को यह इंजेक्शन दिया गया और जब कभी उनकी मौत हुई और गिद्ध ने उनको खाया तो इनको भी पेट का कैंसर हो गया। ऐसे ही प्लास्टिक के प्रयोग से हमारा ईको सिस्टम बिगड़ रहा है। ऐसे ही आबादी बढ़ने के साथ पानी की डिमांड बढ़ रही है और ऐसे में पानी को नहीं बचाया गया तो आने वाले समय में लोगो को पीने के लिए पानी मिलना मुश्किल होगा! उन्होंने प्रदर्शन देखने आए सैकड़ों छात्र छात्राओं से कहा कि वो जैव विविधता को समझे और उनको सुरक्षित रखना अपनी जिम्मेदारी समझें। उन्होने कहा कि बाराबंकी के वेटलैंड कितने समृद्ध हैं ये वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर व सचिवालय सेवा के अधिकारी नवीन बनौधा की ओर से लगाई गई इस प्रदर्शिनी को देखने से साफ पता चल जाता है। उन्होंने कहा कि यहां के वेटलैंड्स को संरक्षित करके उनको दर्शकों, बर्ड वाचर, शोधार्थियों, पर्यटकों, फोटोग्राफर आदि के लिए ईको पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की जरूरत है। राजधानी लखनऊ के नजदीक होने के कारण पर्यटक यहां जुड़ेंगे तो आसपास के गांव के लोगों की आय में भी बढ़ोतरी होगी। विशेष अतिथि जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, सीडीओ अ. सुदन, जॉइंट मजिस्ट्रेट सुश्री काव्या सी, बीएसए संतोष देव पांडे, एसडीओ वन वरुण सिंह उपस्थित रहे। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर नवीन बनौधा ने बताया कि इस फोटो प्रदर्शिनी से जन-जागरुकता फैलेगी। नागरिकों में वेटलैंड्स के पर्यावरणीय लाभ की जानकारी साझा होगी।

बनौधा ने बताया कि इस कार्यक्रम को करने की प्रेरणा के पीछे जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार का प्रकृति संरक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। उनके कारण ही इस प्रदर्शिनी का आयोजन हो सका। यह भी बताया कि बाराबंकी में 400 से अधिक वेटलैंड्स है। इनमें से 12 वेटलैंड को अधिसूचित करने की कार्रवाई साल 2018 से चल रही है। इस जिले के वेटलैंड्स

बाराबंकी में पहली बार वेटलैंडस के प्राकृतिक वास की फोटो प्रदर्शनी आयोजित

बहुत समृद्ध है और यहां पर 50 हेक्टेयर से बड़े 30 से ज्यादा वेटलैंड है। जिसमें प्रमुख रूप से सराय बरई , लटकनिया, किरकिच्ची झील, भगहर झील, सगरा झील, सराही झील, बैनाटीकाहार, नवाड़, सलारपुर वेटलैंड प्रमुख हैं। बाराबंकी की आबोहवा और यहां के वेटलैंड्स की समृद्धता के कारण ही हजारों वर्षों से प्रवासी पक्षी यहां प्रवास करते हैं। इस प्रदर्शनी में लगभग 222 फोटो प्रदर्शित की गई जिसमें 180 से ज्यादा स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों, 20 प्रकार की तितलियों, और 15 प्रकार के जंगली जानवरों व सरीसृपों को सम्मिलित किया गया। नवीन बनौधा द्वारा बाराबंकी के वेटलैंड और पक्षियों की फोटो का वर्ष 2025 के कैलेंडर का विमोचन भी संजय कुमार एमडी यूपीपीसीएफ व जिलाधिकारी सतेंद्र कुमार तथा अन्य विशेष अतिथियों की उपस्थिति में किया गया।

उपाध्यक्ष चंपत युवाओं को दे गए कन्या गोरक्षा का गुर मंत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। धर्म रक्षा निधि समर्पण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पधारे विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय ने युवाओं का आवाहन करते कहा कि पूंछ का बूढ़ा अमरनाथ व अमरनाथ की साहसिक यात्रा युवाओ को जरूर करनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा किसी कारण हमसे दूर हुए हिंदू वापस आए तो उन्हें स्वीकार करना है। कोई छोटा बड़ा नहीं है कोई पतित नहीं है सभी हिंदू सहोदर भाई हैं। प्रयागराज का महाकुंभ आने वाला है। अब तो लाखों की संख्या में लोग इस यात्रा पर जाते हैं। हिंदू कन्या रक्षा व गौ रक्षा का कार्य हम सब का है इसमें चुनौती भी आये तो पीछे नहीं हटना। इससे पूर्व मुख्य अतिथि चंपत राय ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता

जिला कार्याध्यक्ष रामनाथ मौर्य एवं संचालन जिला मंत्री राहुल कुमार ने किया। कार्यक्रम में विहिप प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप,विभाग संगठन मंत्री इंद्रेश,जिलाध्यक्ष बृजेश वैश्य डॉ सुधीर वर्मा जिला संयोजक राहुल विक्रम सिंह विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक अमित गुप्ता आदर्श श्रीवास्तव नेहा मिश्रा तुलसीराम ब्रह्मप्रकाश रश्मि नितिन अंशु सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

बालाजी ग्रुप, स्पोर्ट्स मीट पिक द फ्लैश कार्ड में अमिश्का अव्वल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी।स्थानीय के डी सिंह बाबू स्टेडियम में बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल के द्वारा आयोजित छठी स्पोर्ट्स मीट ''उड़ान 2024'' के दूसरे दिन भी बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया जिसमें कक्षा प्ले ग्रुप,नर्सरी एल केजी तथा कक्षा 2 से लेकर 8 तक के सभी बच्चों ने सैक रेस,बैडमिंटन,पिकअप द फ्लैश कार्ड,क्रॉल रेस तथा बैग पैक रेस आदि प्रतियोगिताओं में भाग लिया कार्यक्रम की सबसे पहले बालाजी किड्स की प्रधानाचार्या निखत परवीन एवं बालाजी जी किड्स कंपनी बाघ की प्रधानाचार्या में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ प्राची उमराव को शाल पहनकर एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया। स्पोर्ट्स मीट के दूसरे दिन बालाजी किड्स सिविल लाइन ब्रांच क्रॉल रेस में कक्षा प्ले ग्रुप से प्रथम स्थान पर निशंक द्वितीय स्थान पर अमोलिक तृतीय स्थान पर रियांश सिंह तथा सांत्वना पुरस्कार प्रणव निगम और युवराज सिंह ने प्राप्त किया। पिक द फ्लैश कार्ड में प्रथम स्थान अमिश्का श्रीवास्तव द्वितीय स्थान पर आयमा फातिमा तृतीय स्थान पर रियांश सिंह तथा सांत्वना पुरस्कार सक्षम सिंह और अवनी वर्मा ने प्राप्त किया बालाजी किड्स कंपनी बाग ब्रांच से पिक द फ्लैश कार्ड में कक्षा प्ले ग्रुप एवं नर्सरी से प्रथम स्थान मोहम्मद यूसुफ अक्षांश यादव आइज़ा खान द्वितीय स्थान अथर्व सिंह सिद्धार्थ पटेल, अथर्व धानुक तृतीय स्थान तनिष्क वर्मा श्रेयांश वर्मा तथा सांत्वना पुरस्कार वहाज़ कफील वियांश, अन्वी ,अतुल अनाया एवं अवंतिका सिंह ने प्राप्त किया तथा क्रॉल रेस में प्रथम स्थान पर अथर्व सिंह, अथर्व धानुक, अक्षांश यादव द्वितीय स्थान पर मोहम्मद युसुफ,आइज़ा खान अतुल्य पटेल तृतीय स्थान पर वेयांश ,आदवित सिद्धार्थ तथा सांत्वना पुरस्कार पर समरा शेख वहाज़ अनाया तिवारी अवंतिका अनविया तथा कार्तिक ने प्राप्त किया वहीं बालाजी का बचपन हेड ब्रांच से पिक द फ़्लैश कॉर्ड में प्रथम स्थान उम्मे साफिया समृद्धि पांडेय खतीजा वकार दुतीय स्थान अब्दुल्लाह जिनिशा कियांश तृतीय स्थान राशिका मोहम्मद हज़ला आंजनेय था सांत्वना पुरस्कार नवीश श्रेष्ठ अदीबा मोहम्मनद अली सक्षम गुप्ता ने प्राप्त किया।

इस अवसर पर बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल के अध्यक्ष रविन्द्र माथुर, चंद्र शेखर कांडपाल सविता कौर निखत परवीन अल्पना कौर आदि मौजूद थे

राष्ट्रीय लोक अदालत,वृहद वादों का निस्तारण, टूटने से बचे कई परिवार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष/जिला जज पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कृष्ण चन्द्र सिंह की देखरेख में सिविल कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आज शनिवार को? आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ जनपद न्यायाधीश पंकज कुमार सिंह ने मां शारदे की चित्र पर द्वीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया।

इस अवसर पर जजशीप के सभी न्यायिक अधिकारी,प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय वा अपर प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय,सभी प्रशासनिक अधिकारी वा सुरक्षा व्यवस्था के अधिकारी मौजूद रहे।

इस लोक अदालत की सफलता हेतु जिला जज पंकज कुमार सिंह ने कई

राउंड पूरे परिसर वा अदालतों का सघन निरीक्षण किया चप्पे चप्पे पर नजर बनाए रखी।

प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय सत्यदेव गुप्ता,अपर प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय प्रथम सत्येन्द्र पाण्डेय,अपर प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय द्वितीय कृष्ण कुमार ने भी काफी संख्या में पारिवारिक वादों का निस्तारण किया और लंबे समय से कचेहरी में चल रहे गुजारा भत्ता वा विदाई संबंधी वादों में सुलह कराकर पति/पत्नी को साथ साथ भेजा,अदालतों पर नियुक्त मध्यस्थ भी सक्रिय रहे। अकील अहमद पुत्र इस्माइल ने अपनी पत्नी निदा आफरीन निवासी गदिया थाना कोतवाली के मध्य काफी समय से मुकदमे बाजी चल रही थी अपर प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय प्रथम के प्रयास से दोनो ने सुलह नामा प्रस्तुत कर साथ साथ गए।इसी तरह मोहित यादव निवासी पांडेय पुरवा थाना टिकैत नगर का उनकी पत्नी सुनीता यादव से विवाद कई वर्ष से चल रहा था,न्यायाधीश सत्येंद्र पांडेय के प्रयास से यह दोनो पति पत्नी साथ साथ विदा हुए।इसी तरह कुर्बान निवासी पनिहाल का उनकी पत्नी शीबा बानो निवासी रौजगांव,पटरंगा के मध्य चल रहे विवाद को भी न्यायालय ने सुलह कराकर पति पत्नी को साथ साथ विदा किया।इसी प्रकार प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय सत्य देव गुप्ता ने भी कई पति पत्नी के जोड़ो को सुलह के माध्यम से साथ साथ भेजने में सफलता प्राप्त की।

अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कृष्ण चन्द्र सिंह ने व्यवस्था देते हुए जिले के विभिन्न बैंकों, के अलग अलग स्थानों पर काउंटर लगवाए थे,तथा परिसर में स्वास्थ/सुरक्षा का भी बेहतर प्रबंधन कराया था।बैंकों के काउंटरों पर/टोरेंट गैस के काउंटर सहित सभी काउंटरों पर लोग अपने मामले निस्तारित करते रहे,बड़े बैंक स्टेट बैंक,इंडियन बैंक,आर्यावर्त बैंक,पंजाब,सिंध बैंक,केनरा बैंक,बैंक आफ बड़ौदा, महेंद्रा बैंक, आदि सभी बैंक सेवाएं प्रदान की।जिला बार/सभी कर्मचारियों ने भी सहयोग दिया।जनपद की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सुधा सिंह ने सबसे अधिक वादों का निस्तारण किया।

शेखर को ब्लॉक संगठन का भी दायित्व मिला

रामसनेहीघाट बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बाराबंकी इकाई द्वारा शिक्षा क्षेत्र बनीकोडर के जमड़वा प्राथमिक विद्यालय में तैनात शिक्षक मृगांक शेखर मिश्रा को जिला संगठन मंत्री के साथ ही बनीकोडर ब्लॉक को संगठन मंत्री का दायित्व सौपा गया है।संगठन मंत्री मृगांक शेखर मिश्रा का शनिवार को एक होटल पर शिक्षकों के द्वारा फूल माला व मिठाई खिला कर भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर मृगांक शेखर ने कहा कि संगठन के हित में पूरी तन्मयता के साथ कार्य करते हुए संघ को मजबूती प्रदान करना ही हमारा लक्ष्य है। इसके लिए हम सभी सहयोगी अध्यापक साथियों से सहयोग की अपेक्षा करते है। स्वागत के दौरान शिक्षक दिनेश प्रताप सिंह, शैलेंद्र द्विवेदी, रोहित उपाध्याय, दिवाकर वर्मा, महावीर राम, शशांक त्रिवेदी, रोहित द्विवेदी, सौरभ द्विवेदी, अभिषेक मिश्रा एवं सुंदरलाल सहित कई अध्यापकों ने मौजूद रहे।

डंपर में घुसा ट्रक खलासी की मौत

निंदूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कुर्सी के गंगौली स्थित किसान पथ पर खड़ा डंफर में एक ट्रक पीछे से जा घुसा।हादसा शनिवार की भर में हुआ। ट्रक का खलासी मारा गया।खलासी संतोख सिंह निवासी सेन भट्टी जनपद गुरदासपुर निवासी बताया गया। थानाध्यक्ष गजेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि हादसे में खालसी व चालक दोनों घायल हुए थे। इलाज के दौरान खालसी की मौत हो गई। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भव्य भंडारा संग राम कथा अवशान श्रद्धालुओं ने छक्का प्रसाद

निंदूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकास खंड क्षेत्र के खरिहानी गांव स्थित राधा कृष्ण मंदिर परिसर में श्री राम कथा के अंतिम दिन शनिवार को कन्या पूजन संग आयोजित भव्य भंडारा में हजारों श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। कथा के अंतिम दिवस भाग राम और हनुमान जी के वन में मिलन का प्रसंग सुनाया गया। जिसे सुनकर भक्तगण मंत्रमुग्ध हो गए। इस मौके पर आयोजक नितिन अवस्थी, बालक राम राठौर, अमर सिंह ,गंगाराम राठौर, पंकज सिंह तथा हजारों की संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण का अवसान

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। परिषदीय स्कूलों में आउट आफ स्कूल बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए खण्ड शिक्षाधिकारी कार्यालय सिरौलीगौसपुर में आयोजित तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण का आज अंतिम दिवस था।शनिवार को प्रशिक्षक आशुतोष आनंद अवस्थी ने कहा कि पारिवारिक दिक्कत या फिर किसी कारणवश तमाम बच्चे बीच में शिक्षा छोड़ देते हैं। ऐसे में आउट आफ स्कूल (7 से 14 वर्ष) के बच्चों को फिर से शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने को लेकर शासन पूरी तरह से गंभीर है। ऐसे बच्चे चिहि्नत किए गए हैं जिन्होंने एक-दो वर्ष बाद या फिर कक्षा पांच-छह में पहुंचने के बाद विद्यालय से किनारा कर लिया था। इनके अभिभावकों को प्रेरित कर फिर से इनका नामांकन नजदीकी परिषदीय स्कूलों में कराया गया। इन बच्चों को अन्य बच्चों के सापेक्ष तैयार करने के लिए शासन ने अलग के विशेष प्रशिक्षण देने की योजना शुरू की है।इस अवसर पर अभिषेक सिंह,मोहम्मद शफी , आंनद सिंह, संगीता तिवारी, बबीता यादव, सूर्य कांत यादव, छोटेलाल ,अमित वर्मा,अजीज अंसारी,सहित तमाम प्रधानाध्यापक मौजूद रहे।

जालसाज ने महिला से ठगे रुपए

सरोजनीनगर, लखनऊकैनविज टाइम्स संवाददाता । तीन महीने पहले मोबाइल फोन के जरिए एक महिला को जाल साज ने फोन करके पांच लाख रुपए की मदद करने का झांसा देकर 45000 रुपए ठग लिए। इसकी जानकारी जब विवाहिता के पति को हुई तो उसने इसका मुकदमा सरोजनी नगर थाने में दर्ज कराया है।पुलिस मामले की जांच पड़ताल करके जाल साज का पता लगाने का प्रयास कर रही है।सच्चिदानंद पुत्र रामसनेही ग्राम सभा राजमलपुर थाना रसंडा जिला बलिया वर्तमान पता सतीश जायसवाल निवासी जयराजपुर थाना सरोजनीनगर ने बताया कि बीती 4 सितंबर 2024 को मेरी पत्नी रिंकू देवी के मोबाइल पर फोन आया उसने अपना नाम हर्षा साईं बताया और मेरी पत्नी से कहा कि आपकी मदद करना चाहता हूं, मेरी पत्नी ने मना किया परंतु फिर भी उसने दोबारा मेरी पत्नी के मोबाइल नंबर पर वीडियो कॉल करके बताया कि आपको मैं पांच लाख रुपए भेज रहा हूं आप अपना पासबुक व आधार कार्ड की फोटो खींचकर भेजिए और मेरी पत्नी को विश्वास में लेकर मेरी पत्नी पासबुक आधार कार्ड फोटो मंगा लिया और कहने लगा कि इनकम टैक्स के लिए 18000 रुपए मेरे फोन पर भेज दो और मैं आपको पांच लाख रुपए भेज रहा हूं। सच्चिदानंद का कहना हैं कि मेरी पत्नी इसी के लालच में आ गई और उसने जालसाज के अकाउंट में 45000 रुपए डाल दिए और उसने धोखाधड़ी करके पैसा ले लिया अब मैं जब उसको फोन करता हूं तो कहता है कि जो तुमको करना है कर लेना।

सनातन में भेदभाव नहीं सभी भाई भाई : चंपत राय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। किसी कारण हमसे दूर हुए हिंदू वापस आए तो उन्हें स्वीकार करना है। कोई छोटा बड़ा नहीं है कोई पतित नहीं है सभी हिंदू सहोदर भाई हैं। प्रयागराज का महाकुंभ आने वाला है। उक्त बातें विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय ने धर्म रक्षा निधि समर्पण कार्यक्रम में कही। पूंछ का बूढ़ा अमरनाथ व अमरनाथ की साहसिक यात्रा युवाओ को जरूर करनी चाहिए अब तो लाखों की संख्या में लोग इस यात्रा पर जाते हैं। हिंदू कन्या रक्षा व गौ रक्षा का कार्य हम सब का है इसमें चुनौती भी आये तो पीछे नहीं हटना।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि चंपत राय ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कार्याध्यक्ष रामनाथ मौर्य एवं संचालन जिला मंत्री राहुल कुमार ने किया। कार्यक्रम में विहिप प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप,विभाग संगठन मंत्री इंद्रेश,जिलाध्यक्ष बृजेश वैश्य डॉ सुधीर वर्मा जिला संयोजक राहुल विक्रम सिंह विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक अमित गुप्ता आदर्श श्रीवास्तव नेहा मिश्रा तुलसीराम ब्रह्मप्रकाश रश्मि नितिन अंशु सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

वर्तमान सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने के लिए किए बेहतरीन उपाए:सतीश चंद्र शर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दरियाबाद बाराबंकीः दरियाबाद शिक्षा क्षेत्र अंतर्गत एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय प्रधानाध्यापक और ग्राम प्रधानों की उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन कंपोजिट विद्यालय जेठौती कुर्मियान में किया गया। कंपोजिट विद्यालय मुरारपुर विद्यालय के छात्रों के द्वारा सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा, ब्लॉक प्रमुख दरियाबाद, खंड शिक्षा अधिकारी मनीराम वर्मा मुख्य तौर पर मौजूद रहे। कंपोजिट विद्यालय जेठौती कुर्मियान के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसके बाद राज्यमंत्री द्वारा कंपोजिट विद्यालय जेठौती कुर्मियान में बने नए भवन का लोकार्पण किया गया। सुर सरगम डांस एकेडमी बाराबंकी के गायक रविन्द्र यादव ने अपनी टीम के साथ भजनों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की डबल इंजन सरकार में शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन

आ रहा है। कार्यक्रम में दरियाबाद ब्लॉक में अच्छा कार्य करने वाले प्रधानों तथा विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्षों को सम्मानित किया गया। बाराबंकी जिले में राष्ट्रीय आविष्कार कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र सत्यदेव तथा मंडल स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र मोहित को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया

क्षेत्रीय सहयोग से संत केशवदास द्वारा संकल्पित उन्नीसवां यज्ञ जारी सोमवार को होगा विशाल भंडारा

रामसनेहीघाट बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील क्षेत्र क्षेत्र के टिकरा बाजार अंतर्गत श्री सुंदरदास आश्रम प्रांगण में लगातार उन्नीसवीं बार श्रीराम महायज्ञ व रासलीला जारी हैं यज्ञोपरांत पुर्णाहुति के बाद सोमवार को होगा भंडारे का आयोजन किया जाएगा, यज्ञ आयोजक संत श्री केशवदास जी ने बताया कि पूरे क्षेत्र व सनातनी हिन्दू एवं यज्ञ परिवार के अभिन्न सहयोग से यह उन्नीसवां यज्ञ संकल्प पूर्ण हो रहा है जो कि इस क्षेत्र के लिए गर्व की बात है इस यज्ञ व भंडारा में जाति पाति का बंधन टूट जाता है व सभी सनातनी एक पात में बैठकर प्रसाद पाते हैं, यज्ञ व भंडारा में शामिल होने वाले स्वयं ही राम काज में अपना श्रमदान धन-दान वस्तु दान व समय दान आदि का योगदान पूर्ण रूप से निश्छल मन से करते हैं, व यज्ञ का कार्य वैदिक आचार्य श्रीराम रंग शास्त्री जी अयोध्या द्वारा पूर्ण करवाया जाता है। क्षेत्रीय निवासी अनुज शुक्ला, हरीश पांडेय, राजेश व कमलेश रावत मोनू पांडेय आदि युवकों ने बताया कि हम लोगों के बचपन में शुरु हुआ यज्ञ व रासलीला आज भी जारी है जों कि हम क्षेत्र वासियों के लिए सौभाग्य की बात है, वही क्षेत्र के शंकरगढ़ निवासी बाबू रूद्र प्रताप सिंह ने कहा कि बाबा केशवदासजी ने टिकरा बाजार क्षेत्र को धर्म क्षेत्र बनाने में जो जप तप तपस्या की है वह इस कलयुग में बिरले ही संभव है।

कर्मकार पेंशन योजना, सोमवार को लगेगा शिविर

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार के निर्देश पर असंगठित क्षेत्र के कर्मकारों को पेंशन लाभ देने हेतु चलाई जा रही प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना व व्यापारियों हेतु एनपीएस-ट्रेडर्स योजना तथा उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत निर्माण श्रमिकों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के प्रचार प्रसार तथा पंजीयन हेतु एक कैंप का आयोजन श्रम विभाग बाराबंकी द्वारा धनोखर चौराहे पर 16 दिसंबर सोमवार को प्रातः 11 बजे से किया जाएगा। अतः सभी श्रमिकों व व्यापारियों से अपील की जाती है कि वह शिविर में पहुंचकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और अपना पंजीयन कारण जिससे विभिन्न योजनाओं का लाभ उनको प्राप्त हो सके।

गांव गांव महाकुंभ का प्रचार प्रसार

निंदूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। निंदूरा क्षेत्र के विभिन्न चौराहों व गांवों में शनिवार को महाकुंभ का संदेश लेकर श्रव्य दृश्य वैन गांव-गांव पहुंची।13 जनवरी से शुरू हो रहा महाकुंभ मेला 45 दिन तक चलेगा।मेले के प्रचार-प्रसार के लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। शनिवार को महाकुंभ मेले के प्रचार-प्रसार के लिए एक श्रव्य दृश्य वैन निंदूरा क्षेत्र के कस्बा टिकैतगंज चौराहे पर सुबह दस बजे पहुंची। ग्रामीणों की जब अचानक गाड़ी पर नजर पड़ी तो देखा कि महाकुंभ के बारे में दिखाया जा रहा है।वाहन पर लगे एक बड़े से एलसीडी स्क्रीन पर महाकुंभ 2025 की भव्यता दिखाई गई।महाकुंभ मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए रहने ,खाने ,रुकने से लेकर मिलने वाली हर एक सुविधाए लोगों को दिखाई व सुनाई गई।जिसका मुख्य उद्देश्य है कि महाकुंभ पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो ?।मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को जरुरत की सभी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो सके। वीडियो को देखने के लिए चौराहे पर लोगों भीड़ उमड़ी रही।

क्षेत्रीय सहयोग से संत केशवदास द्वारा संकल्पित उन्नीसवां यज्ञ जारी सोमवार को होगा विशाल भंडारा

रामसनेहीघाट बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील क्षेत्र क्षेत्र के टिकरा बाजार अंतर्गत श्री सुंदरदास आश्रम प्रांगण में लगातार उन्नीसवीं बार श्रीराम महायज्ञ व रासलीला जारी हैं यज्ञोपरांत पुर्णाहुति के बाद सोमवार को होगा भंडारे का आयोजन किया जाएगा, यज्ञ आयोजक संत श्री केशवदास जी ने बताया कि पूरे क्षेत्र व सनातनी हिन्दू एवं यज्ञ परिवार के अभिन्न सहयोग से यह उन्नीसवां यज्ञ संकल्प पूर्ण हो रहा है जो कि इस क्षेत्र के लिए गर्व की बात है इस यज्ञ व भंडारा में जाति पाति का बंधन टूट जाता है व सभी सनातनी एक पात में बैठकर प्रसाद पाते हैं, यज्ञ व भंडारा में शामिल होने वाले स्वयं ही राम काज में अपना श्रमदान धन-दान वस्तु दान व समय दान आदि का योगदान पूर्ण रूप से निश्छल मन से करते हैं, व यज्ञ का कार्य वैदिक आचार्य श्रीराम रंग शास्त्री जी अयोध्या द्वारा पूर्ण करवाया जाता है। क्षेत्रीय निवासी अनुज शुक्ला, हरीश पांडेय, राजेश व कमलेश रावत मोनू पांडेय आदि युवकों ने बताया कि हम लोगों के बचपन में शुरु हुआ यज्ञ व रासलीला आज भी जारी है जों कि हम क्षेत्र वासियों के लिए सौभाग्य की बात है, वही क्षेत्र के शंकरगढ़ निवासी बाबू रूद्र प्रताप सिंह ने कहा कि बाबा केशवदासजी ने टिकरा बाजार क्षेत्र को धर्म क्षेत्र बनाने में जो जप तप तपस्या की है वह इस कलयुग में बिरले ही संभव है।

ब्रिसबेन टेस्टः बारिश की भेंट चढ़ा पहले दिन का खेल, केवल 13.2 ओवर का हुआ खेल

एजेंसी

ब्रिसबेन। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ गया। पहले दिन केवल 13.2 ओवर का खेल हो सका, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी नुकसान के 28 रन बनाए। उस्मान ख्वाजा 19 और नाथन मेकस्विनी 4 रन बनाकर खेल रहे हैं। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मैच में केवल 5.3 ओवर फेंके गए थे, तभी बारिश शुरु हो गई, जिसके कारण 25 मिनट तक खेल रूका रहा। बारिश रूकने के बाद फिर से खेल शुरु हुआ और ख्वाजा और मेकस्विनी ने संभलकर खेलना जारी रखा, 13.2 ओवर के बाद फिर से बारिश शुरु हो गई और फिर रूकी ही नहीं, जिसके बाद मैच अधिकारियों ने दिन का खेल समाप्त घोषित कर दिया। इस मैच के लिए भारत ने अपनी टीम में दो बदलाव किये। हर्षित राणा और रविचंद्रन अश्विन को बाहर किया गया और उनकी जगह दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकाश दीप और अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को शामिल किया गया। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने जोश हेजलवुड को टीम में शामिल करने का फैसला किया, जो साइड स्ट्रेन के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए थे। टीम ने स्कॉट बोलैंड, जिन्होंने गुलाबी गेंद से ऑस्ट्रेलिया के लिए प्रभावशाली भूमिका निभाई थी, को बाहर किया।

शाकिब को ईसीबी प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से किया गया निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को ईसीबी द्वारा आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया है, क्योंकि लॉफबोरो विश्वविद्यालय में एक स्वतंत्र परीक्षण सुविधा द्वारा उनके गेंदबाजी एक्शन को अवैध पाया गया था। बाएं हाथ के इस स्पिनर को सितंबर में टॉन्टन में समरसेट के खिलाफ काउंटी मैच में सरे के लिए खेलने के दौरान संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट किया गया था। मैदानी अंपायर स्टीव ओ'शॉघनेसी और डेविड मिल्न्स ने शाकिब के गेंदबाजी एक्शन में खामी पाई, जिन्होंने उस खेल में नौ विकेट लिए थे, और बाद में उन्हें अपने गेंदबाजी एक्शन की जांच करवाने के लिए कहा गया। ईसीबी की विज्ञप्ति में कहा गया, ''शाकिब ने इस महीने की शुरुआत में लॉफ़बोरो विश्वविद्यालय में एक स्वतंत्र मूल्यांकन पूरा किया, जिसमें पाया गया कि उनके गेंदबाजी एक्शन में कोहनी का विस्तार विनियमों में परिभाषित 15 डिग्री की सीमा से अधिक है। यह निलंबन 10 दिसंबर 2024 को स्वतंत्र मूल्यांकन की प्राप्ति से प्रभावी होगा, और संदिग्ध अवैध गेंदबाजी एक्शन के साथ रिपोर्ट किए गए गेंदबाजों की समीक्षा के लिए ईसीबी के विनियमों में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करेगा। अपने 17 साल के करियर में यह पहली बार है, जब शाकिब की गेंदबाजी पर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने 447 मैचों में 712 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने सितंबर-अक्टूबर में भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूरी बना रखी है। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान अपने टेस्ट करियर को अलविदा कहना चाहते थे, लेकिन सुरक्षा चिंताओं के कारण वह बांग्लादेश टीम का हिस्सा नहीं बन पाए। शाकिब यूएई में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज और बांग्लादेश के वेस्टइंडीज दौरे से भी चूक गए, जबकि उन्होंने अबू धाबी टी10 प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

इमाद वसीम के बाद पाकिस्तान तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी

नई दिल्ली। इमाद वसीम के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से फिर से संन्यास लेने की घोषणा के एक दिन बाद, पाकिस्तान के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। 32 वर्षीय तेज गेंदबाज आमिर ने सोशल मीडिया पर अपने फैसले की घोषणा की। आमिर का मानना है कि पाकिस्तान क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए अगली पीढ़ी को कमान सौंपने का यह सही समय है। आमिर ने एक्स पर लिखा, ''सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का कठिन निर्णय लिया है। ये निर्णय कभी आसान नहीं होते, लेकिन अपरिहार्य होते हैं। मुझे लगता है कि अगली पीढ़ी के लिए यह सही समय है कि वे कमान संभालें और पाकिस्तान क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं ! अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा। मैं ईमानदारी से पीसीबी, अपने परिवार और दोस्तों और सबसे बढ़कर अपने प्रशंसकों को उनके निरंतर प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। आमिर ने 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था, लेकिन इस साल की शुरुआत में उन्होंने अपना फैसला बदल दिया और खुद को 2024 टी20 विश्व कप के लिए उपलब्ध कराया। अनुभवी तेज गेंदबाज का करियर विवादों से भरा रहा, खासकर जब उन्हें स्पॉट फिक्सिंग के आरोपों के कारण 2010 और 2015 के बीच पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। अपने करियर के दौरान, आमिर ने 36 टेस्ट, 61 वनडे और 62 टी20 मैच खेले। लाल गेंद वाले क्रिकेट में, आमिर ने 30.47 की औसत से 119 विकेट चटकाए। 50 ओवर के प्रारूप में, बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने 29.62 की औसत से 81 विकेट हासिल किए। क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में, आमिर 21.94 की औसत से 71 विकेट लेने में सफल रहे। कुल मिलाकर, आमिर ने सभी प्रारूपों में 159 मैचों में 271 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए।

सोफी मोलिनक्स घुटने की चोट के कारण न्यूजीलैंड दौरे से बाहर

एजेंसी

मेलबर्न। एशेज से पहले ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम को एक और बड़ा झटका लगा है, स्पिनर सोफी मोलिनक्स घुटने की चोट के कारण न्यूजीलैंड के वनडे दौरे से बाहर हो गई हैं। कप्तान एलिसा हीली की फिटनेस और उनके घुटने में दर्द की वजह से पहले से ही जूझ रही ऑस्ट्रेलियाई टीम को शनिवार को मोलिनक्स की चोट के रूप में एक और बुरी खबर मिली। इस गर्मी में मोलिनक्स घुटने की समस्या से जूझना पड़ा, जोड़ों में दर्द के कारण वे मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ डब्ल्यूबीबीएल के कुछ मैच नहीं खेल पाई। वह ऑस्ट्रेलिया की भारत पर 3-0 की सीरीज के आखिरी दो मैचों में खेली थी, लेकिन बुधवार को पर्थ में पिछली जीत के बाद उन्हें फिर से दर्द शुरु हो गया। इसका मतलब है कि अब वह इस महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीनों वनडे मैचों में नहीं खेल पाएंगी, जबकि गेंदबाजी-ऑलराउंडर हीथर ग्राहम एशेज से चार हफ्ते पहले उनकी जगह लेंगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला अगले महीने होने वाली बहु-प्रारूप एशेज श्रृंखला से पहले टीम के आखिरी मैच हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया लगातार पांचवीं बार ट्रॉफी बरकरार रखने का लक्ष्य रखेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, ''सोफी मोलिनक्स को घुटने में दर्द के कारण न्यूजीलैंड श्रृंखला से हटा दिया गया है। हीथर ग्राहम होबार्ट में न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ तस्मानिया की महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग के मैचों के बाद मंगलवार को न्यूजीलैंड में टीम से जुड़ेंगी।'' जॉर्जिया वेयरहम गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकादश में शामिल होने वाली सबसे संभावित खिलाड़ी होंगी, क्योंकि उन्हें भारत के खिलाफ अंतिम दो मैचों से बाहर रखा गया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छी खबर यह है कि हीली न्यूजीलैंड दौरे पर जा सकती हैं। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान घुटने की चोट के कारण भारत के खिलाफ तीन वनडे मैचों में नहीं खेल पाई थीं, इसके बाद वे पैर की समस्या के कारण टी20 विश्व कप के अंत में भी नहीं खेल पाई थीं। हीली की वापसी चयनकर्ताओं के लिए सिरदर्द पैदा कर सकती है, क्योंकि जॉर्जिया वोल ने भारत के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शानदार शुरुआत की थी। वोल ने सिडनी थंडर के साथ डब्ल्यूबीबीएल में शानदार प्रदर्शन करने के बाद शीर्ष क्रम में हीली की जगह 46, 101 और 26 रन बनाए। लेकिन वोल को न्यूजीलैंड में वनडे टीम से बाहर किए जाने का खतरा है, क्योंकि हीली के फिर से फोबे लिचफील्ड के साथ ओपनिंग करने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि वोल को पहली पसंद की एकादश में तभी रखा जा सकता है, जब चयनकर्ता उन्हें निचले क्रम में बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनें और एक अधिक स्थापित खिलाड़ी को बाहर करने का साहसिक फैसला लें।

संक्षिप्त समाचार

असम सरकार खेल प्रतिभाओं की पहचान के लिए पहल नहीं कर रहीः भोगेश्वर बरुआ

शिवसागर (असम)। असम के पहले अर्जुन पुरस्कार विजेता धावक भोगेश्वर बरुआ ने राज्य सरकार की खेल नीति की आलोचना करते हुए कहा कि वह ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें पोषित करने के लिए पर्याप्त पहल नहीं कर रही है। एशियाई खेलों (1966) में 800 मीटर में स्वर्ण पदक विजेता बरुआ ने 'पीटीआई' से कहा, ''यह कहते हुए दुख हो रहा है कि असम में कहीं से भी खिलाड़ी नहीं निकल रहे हैं। पहले हम नयी प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए शिविर आयोजित करते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है।'' इस 84 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि सरकार ने बहुत सारे प्रशिक्षकों को नियुक्त किया है जिन्हें जिलों में ऐसे शिविर आयोजित करने और प्रशिक्षण देने के लिए भेजा जा सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा, ''अगर कोई कोचिंग नहीं होगी, तो हम खिलाड़ी कैसे तैयार करेंगे? अगर कोई खेल आयोजन होता है, तो बच्चों को सिर्फ भाग लेने के लिए वहां ले जाया जाता है। अगर कोई प्रशिक्षण या शिविर नहीं होगा, तो हमारे बच्चे कैसे प्रगति करेंगे?'' साल 1966 और 1970 में एशियाई खेलों में क्रमशः स्वर्ण और रजत जीतने वाले बरुआ ने सरकार पर केवल उन खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने का आरोप लगाया जिन्होंने अपने दम पर पहचान बना ली है। उन्होंने कहा, ''क्या सरकार ने किसी खिलाड़ी को तैयार किया है? सरकार प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें जमीनी स्तर से नहीं उठा रही है। जब कोई खुद को साबित कर देता है, तभी सरकार सामने आती है। आजकल यही हो रहा है।'' बरुआ ने कहा कि लगभग छह-सात साल से राज्य में किसी खेल शिविर को आयोजन नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार संबंधित अधिकारियों से खेल शिविर लगाने का आग्रह किया है लेकिन उसका कोई फायदा नहीं हुआ।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड के नौ विकेट पर 315 रन

हैमिल्टन। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन शनिवार को न्यूजीलैंड ने नौ विकेट पर 315 रन बना लिये। मिचेल सेंटनेर ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर अपना चौथा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया और वह 50 रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि विल ओराउरकी ने खाता नहीं खोला है। न्यूजीलैंड के पुछल्ले बल्लेबाजों ने आखिरी आठ ओवरों में 76 रन बनाये। इससे पहले टॉम लैथम और विल यंग ने पहले विकेट की साझेदारी में 105 रन जोड़े। पहली बार मेजबान टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ अच्छी शुरूआत की जो श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढत पहले ही ले चुका है। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट चार दिन के भीतर आठ विकेट से और दूसरा तीन दिन के भीतर 323 रन से जीता था। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और लंच तक न्यूजीलैंड का स्कोर बिना किसी नुकसान के 93 रन था। लैथम और यंग ने पहले विकेट के लिये 105 रन जोड़े। यंग ने 42 रन बनाते ही टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन पूरे कर लिये और बिना शतक के इस आंकड़े तक पहुंचने वाले वह स्टीफन फ्लेमिंग के बाद न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज बने। रचिन रविंद्र 18 रन बनाकर ब्रायडन कार्स की गेंद पर गली में बेन डकेट को कैच दे बैठे। केन विलियमसन ने 44 रन बनाये। न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल (14), ग्लेन फिलिप्स (पांच) और टॉम ब्लंडेल (21) के विकेट जल्दी गंवा दिये। सेंटनेर और मैट हेनरी ने आठवें विकेट के लिये 41 रन जोड़े।

नोएडा में जीएसटी विभाग 10-15 साल पुराने मामलों में दे रहा नोटिसः उद्योग निकाय

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग उद्योगपतियों को 10 से 15 वर्ष पुराने मामलों में नोटिस भेज रहा है। एक उद्योग निकाय ने यह दावा करते हुए कहा कि इससे व्यापारियों में रोष है। कई उद्यमियों का दावा है कि कर जमा न करने पर उनके बैंक खाते को सीज कर दिया गया है। उद्योगपतियों के अनुसार, जीएसटी विभाग ने बीते दो माह के अंदर 100 से अधिक व्यवसायों को नोटिस भेजा है। इन नोटिस में 10 से 15 साल पुराने मामले में कर बकाया बताते हुए जुर्माने के साथ कर जमा करने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कर जमा नहीं करने पर आगे कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जीएसटी विभाग की कार्रवाई से उद्यमियों में रोष है। उद्योग संगठन नोएडा एंटरप्रेन्योर एसोसिएशन के महासचिव बी के सेठ ने बताया कि अब उद्यमियों के पास 10 से 15 साल पुराने मामले के दस्तावेज नहीं हैं। ऐसे में वे कैसे साबित करें कि उन्होंने कर जमा कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया, विभाग अपने दस्तावेजों को ठीक से नहीं रखता है और उद्यमियों को नोटिस भेज कर परेशान कर रहा है।

अब किसानों को बिना गारंटी के मिल सकेगा 2 लाख रुपये तक का कृषि ऋण

आरबीआई ने 1 जनवरी से ऋण की सीमा 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये की

एजेंसी

नई दिल्ली। खेती की बढ़ती लागत के बीच छोटे और सीमांत किसानों को अगले साल से बिना गारंटी के दो लाख रुपये तक का कर्ज बैंकों से मिल सकेगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 1 जनवरी से किसानों के लिए ऋण की सीमा 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दी है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि सरकार ने यह फैसला खेती की बढ़ती लागत और किसानों को आसानी से ऋण देने के मकसद से लिया है। नए निर्देश में देशभर के बैंकों से प्रत्येक किसानों के लिए दो लाख रुपये तक के कृषि ऋण के लिए जमानत और मार्जिन जरूरतों को माफ करने को कहा गया है। इस उपाय से छोटे और सीमांत भूमिधारक 86 फीसदी से ज्यादा किसानों को लाभ होगा। बैंकों को जारी दिशा-निर्देश तेजी से लागू करने और नए ऋण प्रावधानों के बारे में किसानों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया है। कृषि मंत्रालय ने कहा कि इस कदम से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण तक आसान पहुंच की सुविधा मिलने की उम्मीद है। यह सरकार की संशोधित ब्याज सहायता योजना का पूरक होगा। इस योजना के तहत सरकार चार फीसदी प्रभावी ब्याज दर पर तीन लाख रुपये तक का ऋण देती है। आरबीआई ने भी पिछले हफ्ते मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद किसानों के लिए बिना गारंटी के ऋण की सीमा को 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का ऐलान किया था।

जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान के टेस्ट कोच पद से दिया इस्तीफा, आकिब जावेद ने संभाली जिम्मेदारी

एजेंसी

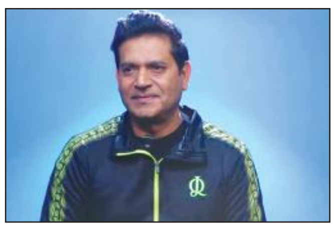

लाहौर। जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान की टेस्ट टीम के कोच के रूप में अपनी भूमिका छोड़ दी है जिसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बृहस्पतिवार पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो मैचों की श्रृंखला के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी है। पाकिस्तान 26 दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट खेलेगा। टीम टेस्ट से पहले सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका में ही है। आकिब वर्तमान में पाकिस्तान की सफ़ेद गेंद टीम के भी अंतरिम कोच हैं। गिलेस्पी का अनुबंध 2026 में समाप्त होने वाला था लेकिन पीसीबी द्वारा टिम नीलसन के अनुबंध की समीक्षा नहीं करने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया। गिलेस्पी की सिफारिश पर नीलसन को टीम का हाई परफोरमेन्स कोच नियुक्त किया गया था। गिलेस्पी पीसीबी के उस फैसले से भी नाराज थे जिसमें उन्हें टीम चयन और पिच की तैयारी में शामिल होने जैसी शक्तियां वापस ले ली गयी। गिलेस्पी से पहले टीम के सीमित ओवर प्रारूप के कोच गैरी कर्स्टन ने भी पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में श्रृंखला के लिए रवाना होने से पहले इस्तीफा दे दिया था। गिलेस्पी और कर्स्टन दोनों को टी20 विश्व कप 2024 से पहले दो साल के अनुबंध पर नियुक्त किया गया था। इस नियुक्ति के साथ ही पीसीबी ने पाकिस्तान टीम के लिए एक नए युग का वादा किया था। कर्स्टन ने अधिकार के मामलों पर पीसीबी के साथ मतभेदों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था।

पाकिस्तानः जरूरी कलपुर्जों की कमी के कारण पीआईए के 34 में 17 विमान सेवा से बाहर

एजेंसी

कराची। आवश्यक कलपुर्जों और अन्य उपकरणों की कमी के कारण पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) के 34 विमानों में से 17 को उड़ान भरने से रोक दिया गया है, जिससे वे सेवा से बाहर हो गए हैं। एयरलाइन्स के एक सूत्र ने कहा, स्थिति यह है कि पीआईए बेड़े के 17 विमान अब भी सेवा से बाहर हैं। वर्तमान में एयरलाइन के बोइंग 777 बेड़े में 12 में से सात विमान खड़े हैं। इसके अलावा, 17 एयरबस ए320 विमानों में से सात भी काम नहीं कर रहे हैं। एयरलाइन के छोटे एटीआर विमान भी इससे अछूते नहीं हैं, वर्तमान में पांच में से केवल दो विमान ही काम कर रहे हैं। उड़ान से बाहर रखे गए विमानों में इंजन, लैंडिंग गियर, सहायक विद्युत इकाइयां (एपीयू) और अन्य महत्वपूर्ण भागों सहित आवश्यक घटकों की कमी है। एयरलाइनों के सूत्रों ने कहा कि धन की कमी और संबंधित मंत्रालयों से उचित मंजूरी न मिलना कमी का मुख्य कारण है। इससे देश की राष्ट्रीय एयरलाइन्स की परिचालन क्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई है, जो चार वर्ष के प्रतिबंध के बाद 10 जनवरी से यूरोप के लिए उड़ानें पुनः शुरू करने वाली है। सूत्रों ने बताया कि हालांकि अभी भी इसका आकलन करना जल्दबाजी होगी, लेकिन यदि वर्तमान स्थिति बनी रहती है, तो यूरोप के लिए सेवाओं की नियोजित बहाली में देरी हो सकती है, जो पेरिस के लिए दो साप्ताहिक उड़ानों के साथ शुरू होने वाली है। इस कमी ने सरकार के निजीकरण आयोग की प्रक्रिया को भी प्रभावित किया है, जो एयरलाइन्स की 60 प्रतिशत हिस्सेदारी निजी बोलीदाताओं को बेचने का प्रयास कर रहा है। इसी साल सरकार ने कर्ज में डूबी एयरलाइंस में 60 प्रतिशत शेयरों का निजीकरण करने का असफल प्रयास किया था, लेकिन इसके लिए केवल 10 अरब पाकिस्तानी रुपये की बोली ही मिल सकी थी, जो आरक्षित मूल्य से काफी कम थी।

ईडी ने भूषण स्टील की 4025 करोड़ रुपये की संपत्ति जेएसडब्ल्यू को लौटाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद पूर्ववर्ती भूषण स्टील एंड पावर लिमिटेड की 4,025 करोड़ रुपये की संपत्ति जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड को लौटा दी है। जेएसडब्ल्यू स्टील कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत दिवालिया कंपनी की परिसंपत्तियों के लिए सफल समाधान आवेदक थी। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसने सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद पूर्ववर्ती भूषण स्टील एंड पावर लिमिटेड कंपनी की 4,025 करोड़ की संपत्ति जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड को वापस कर दी है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) की धारा-5 के तहत संपत्तियों को अनंतिम रूप से जब्त किया था, क्योंकि पूर्ववर्ती प्रमोटरों ने बैंकों को धोखा दिया था और निजी निवेश के लिए बैंक के फंड का गबन किया था। ईडी ने कहा कि 4,025 करोड़ की संपत्ति की वापसी पीएमएलए की धारा 8(8) (मुकदमा लंबित रहने तक वापसी) के तहत की गई है, जिसे पीएमएलए संपत्ति बहाली नियमों के नियम 3ए के साथ पढ़ा जाए। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (11 दिसंबर) को प्रवर्तन निदेशालय के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि आईबीसी की धारा 32ए (2) की व्याख्या, सीआईआरपी के तहत कॉर्पोरेट देनदारों की संपत्ति कुर्क करने की ईडी की शक्तियों या किसी अन्य संबंधित मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई राय व्यक्त नहीं की है। वहीं, मुद्दों को खुला छोड़ दिया है। उल्लेखनीय है कि ईडी ने यह कार्रवाई भूषण स्टील एंड पावर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला कंपनी और उसके प्रमोटरों के खिलाफ केंद्रीय कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की जांच और दायर आरोपपत्र के आधार पर की है।

बदलते युद्ध की प्रकृति में 'एयरोस्पेस पावर' महत्वपूर्ण : वायु सेना प्रमुख

वायु सेना अकादमी में 204 स्नातक कैडेट्स को दी पूरे करियर में लड़ाई के लिए फिट रहने की सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने युद्ध की तेजी से विकसित हो रही प्रकृति में एयरोस्पेस पावर की प्रासंगिकता को महत्वपूर्ण बताया है। हैदराबाद के डुंडीगल स्थित वायु सेना अकादमी में शनिवार को संयुक्त स्नातक परेड में उन्होंने सामंजस्य और टीम वर्क के महत्व पर जोर देते हुए स्नातक फ्लाइट कैडेट्स को अपने पूरे करियर में लड़ाई के लिए फिट रहने और अत्यधिक समर्पण के साथ काम करने की सलाह दी। वायु सेना को आज यहां से कुल 204 स्नातक कैडेट्स मिले, जिनमें 178 पुरुष और 26 महिलाएं हैं।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह भारतीय वायु सेना की फ्लाइंग और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के फ्लाइट कैडेट्स की संयुक्त स्नातक परेड में बतौर समीक्षा अधिकारी शामिल हुए। परेड को संबोधित करते हुए वायु सेना प्रमुख ने परेड में शामिल कैडेट्स के शानदार प्रदर्शन तथा सटीक ड्रिल मूवमेंट को सराहा। उन्होंने युद्ध की तेजी से विकसित हो रही प्रकृति में

एयरोस्पेस पावर की प्रासंगिकता को सामने रखा। उन्होंने सामंजस्य और टीम वर्क के महत्व पर जोर दिया। विभिन्न प्रशिक्षण विषयों में उनके असाधारण प्रदर्शन के सम्मान में समीक्षा अधिकारी ने स्नातक अधिकारियों को पुरस्कार प्रदान किए। एयर चीफ मार्शल ने उन्हें अपने पूरे करियर में लड़ाई के लिए फिट रहने और अत्यधिक समर्पण और ईमानदारी के साथ काम करने के महत्व के बारे में भी सलाह दी। उन्होंने सभी पास आउट अधिकारियों को याद दिलाया कि आप भविष्य के कमांडर हैं, और आप भारतीय वायु सेना के भाग्य का निर्धारण करेंगे। उन्होंने प्रत्येक पास आउट अधिकारी से भारतीय वायु सेना का सम्मान और परंपरा को बनाए रखने का आग्रह किया। अकादमी के कमांडेंट ने स्नातक अधिकारियों को देश की संप्रभुता और सम्मान की रक्षा करने की शपथ दिलाई। विभिन्न प्रशिक्षण विषयों में उनके असाधारण प्रदर्शन के सम्मान में समीक्षा अधिकारी ने स्नातक अधिकारियों को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने परेड की सलामी लेने के बाद स्नातक फ्लाइट कैडेटों को राष्ट्रपति का कमीशन प्रदान किया। शानदार मार्च पास्ट में कुल 204 कैडेट्स शामिल हुए, जिसमें 178 पुरुष और 26 महिलाएं हैं। परेड का सबसे मुख्य आकर्षण 'कमीशनिंग समारोह' था, जिसके दौरान स्नातक कैडेटों को वायु सेना प्रमुख ने उनकी 'रैंक' प्रदान की। फ्लाइंग ब्रांच के फ्लाइंग ऑफिसर पराग धनखड़ को पायलट कोर्स में समग्र योग्यता क्रम में प्रथम स्थान पर आने के लिए प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पट्टिका' और 'चीफ ऑफ द एयर स्टाफ स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया। फ्लाइंग ऑफिसर राम प्रसाद गुर्जर को ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच में समग्र योग्यता क्रम में प्रथम स्थान पर आने के लिए 'राष्ट्रपति पट्टिका' से सम्मानित किया गया। समारोह में स्नातक अधिकारियों के परिजन भी मौजूद थे। वायु सेना अधिकारियों के जीवन में कमीशनिंग समारोह का बहुत महत्व है, क्योंकि वे अपने माता-पिता और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में राष्ट्रपति का कमीशन प्राप्त करते हैं। यह उनके करियर का सबसे यादगार दिन बन जाता है, जो राष्ट्र की सेवा में सम्मान, गर्व और गरिमा से भरे जीवन की शुरुआत का प्रतीक है। वायु सेना प्रमुख का स्वागत प्रशिक्षण कमान के कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल नागेश कपूर और वायु सेना अकादमी के कमांडेंट एयर मार्शल एस श्रीनिवास ने किया। इस मौके पर भारतीय नौसेना के नौ अधिकारियों, भारतीय तटरक्षक बल के नौ अधिकारियों और मित्र देश के एक अधिकारी को भी उड़ान प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर 'विंग्स' से सम्मानित किया गया। परेड का समापन वायु सेना में शामिल हुए नए अधिकारियों के 'प्रथम पग' के साथ हुआ, जिन्होंने मार्शल मार्चिंग धुनों की गूंज के साथ दो स्तंभों में मार्च किया। स्नातक परेड के दौरान चार प्रकार के प्रशिक्षक विमानों ने फ्लाई पास्ट किया, जिसमें पिलाटस पीसी-7 एमके ॠ हॉक, किरण और चेतक विमान शामिल थे। इसके अलावा पीसी-7 एमके-ॠ एसयू-30 एमकेआई विमान, सारंग हेलीकॉप्टर टीम और सूर्य किरण एरोबैटिक टीम का प्रदर्शन भव्य समापन का हिस्सा थे।

डूबने से दुनिया में हर साल तीन लाख मौत आधे 29 साल से कम के : डब्ल्यूएचओ

एजेंसी

जिनेवा/ नयी दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने डूबने से मरने वालों की रोकथाम पर अपनी पहली रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें 2000 के बाद से विश्व में डूबने से होने वाली मृत्यु दर में 38 प्रतिशत की गिरावट आयी है, लेकिन कम आय वाले देशों में यह जोखिम ऊंचा बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डूबना एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बनी हुई है, जिसमें अनुमान है कि हर घंटे 30 से अधिक लोग डूब रहे हैं और अकेले 2021 में तीन लाख लोगों की डूबने से मौत हुई। करीब डेढ लाख लोगों की मौत 29 वर्ष से कम उम्र में हुई है और एक चौथाई मरने वाले पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे होते हैं। वयस्कों की देखरेख के बिना बच्चों में डूबने का जोखिम विशेष रूप से अधिक होता है। डब्ल्यूएचओ ने डूबने से मौत की गिरावट को वैश्विक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया है, लेकिन उन्होंने कहा है कि यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो वर्ष 2050 तक 72 लाख से अधिक लोग, मुख्य रूप से बच्चे डूबने से मर सकते हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि उसके द्वारा सुझाए गए हस्तक्षेपों को लागू करके डूबने से होने वाली अधिकतर मौतों को रोका जा सकता है। डब्ल्यूएचओ डूबने से होने वाली मौत की रोकथाम के लिए समुदाय-आधारित कार्रवाइयों की एक श्रृंखला की सिफारिश की है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने कहा, वर्ष 2000 से डूबने से होने वाली मौतों में उल्लेखनीय गिरावट सुखद है और यह इस बात का सबूत है कि डब्ल्यूएचओ द्वारा सुझाए गए सरल, व्यावहारिक हस्तक्षेप कारगर साबित हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर, डूबने से होने वाली 10 में से नौ मौतें निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं। अफ्रीकी क्षेत्र में डूबने से प्रति एक लाख लोगों में 5.6 मौतों का औसत किसी अन्य क्षेत्र की तुलना में सबसे अधिक दर है। अफ्रीकी क्षेत्र में केवल 15 प्रतिशत देशों के पास डूबने की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय रणनीति या योजना थी, जबकि यूरोपीय क्षेत्र के 45 प्रतिशत देशों के पास थी।

इज़रायल ने बंगलादेशी हिंदुओं के साथ एकजुटता व्यक्त की

एजेंसी

मुंबई। इजरायल ने बंगलादेश में रहने वाले हिन्दू समुदाय के लोगों के साथ गहरी एकजुटता व्यक्त की है तथा उनके साथ होने वाले उत्पीड़न और हिंसा की कड़ी निंदा की है।

मुंबई स्थित इजरायल के महावाणिज्यदूत कोब्बी शोशनी ने शनिवार को सुबह विश्व हिंदू आर्थिक मंच (डब्ल्यूएचईएफ) 2024 के पूर्ण सत्र के दौरान अपने संबोधन में बंगलादेश में हिंदू समुदाय के साथ गहरी एकजुटता व्यक्त की और उनके साथ होने वाली हिंसा और उत्पीड़न की निंदा की। इज़रायली राजनयिक की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब बंगलादेशी हिंदुओं की दुर्दशा ने अंतरराष्ट्रीय ध्यान और चिंता आकर्षित की है। श्री शोशनी ने कहा, ''वहां जो हो रहा है वह अस्वीकार्य है।'' उन्होंने इस अल्पसंख्यक समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यहूदियों के ऐतिहासिक अनुभवों का हवाला देते हुए पीड़ा की साझा समझ को व्यक्त किया, जो बिना किसी डर या उत्पीड़न के भारत में रहते आए हैं। उन्होंने कहा, ''हम समझते हैं कि बेटियों और बच्चों की हत्या और अपराधियों द्वारा उनका कत्ल किया जाना कैसा होता है।'' उन्होंने हाल ही में दोनों समुदायों को प्रभावित करने वाली त्रासदियों का संदर्भ दिया। श्री शोशनी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार को इजरायल और बंगलादेशी हिंदुओं के प्रति उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने आतंकवाद से निपटने में एकजुटता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''07 अक्टूबर, 2023 को हमारे साथ जो हुआ, उसे हम कभी नहीं भूलेंगे। इज़रायली महावाणिज्यदूत ने कहा कि सुरक्षा और उग्रवाद से जुड़ी चुनौतियों में इज़रायल और भारत दोनों की ही समानताएं हैं। उन्होंने दूरसंचार और चिकित्सा प्रौद्योगिकी में प्रगति का हवाला देते हुए यह भी बताया कि संकटों से नवाचार को बढ़ावा मिल सकता है। श्री शोशनी ने दोनों देशों के लिए मजबूत सैन्य और आर्थिक नींव के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''कमजोर सेना के साथ मजबूत अर्थव्यवस्था नहीं हो सकती।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि आर्थिक स्थिरता के लिए सैन्य ताकत जरूरी है। उन्होंने भारत को एशिया में इजरायल का सबसे बड़ा दोस्त बताया और दोनों देशों के बीच निरंतर सहयोग की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने भारत की जीवंत संस्कृति और वैश्विक समाज में इसके महत्वपूर्ण योगदान की प्रशंसा की।

हमारा संविधान सबसे बड़ा और खूबसूरत: रिजिजू

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने समानता को संविधान की आत्मा करार देते हुए लोकसभा में आज कहा कि इसमें सभी नागरिकों के लिए बराबरी का अधिकार और अवसर प्रदान किया गया, इसलिए यह दुनिया का सबसे बड़ा और खूबसूरत संविधान है।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने 'संविधान अंगीकार करने के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर आज दूसरे दिन चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि संविधान की भावना के अनुसार ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास के साथ सरकार का कामकाज शुरू किया। उन्होंने कहा कि संविधान की बदौलत ही आज देश के सर्वोच्च पद पर एक आदिवासी महिला विराजमान है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा ही नहीं, बल्कि सबसे खूबसूरत भी है, जिसमें सभी के लिए प्रावधान है। इस संविधान को लेकर हम लोग गौरव महसूस करते हैं। श्री रिजिजू ने कहा कि हमारे देश में अल्पसंख्यक आयोग है, जबकि अन्य देश में ऐसा नहीं है। अल्पसंख्यकों के लिए विशेष कानून बनाया गया है। अल्पसंख्यकों के लिए कई योजनाएं बनाई गई, जिसका उनको लाभ मिल रहा है। कांग्रेस की सरकार हो या हमारी सरकार सबने अपने तरीके से काम किया है, लेकिन अल्पसंख्यक यहां सुरक्षित नहीं है, यह कहना गलत है। इस तरह की बात नहीं करनी चाहिए, जिससे देश की छवि खराब हो। देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं तभी तो दूसरे देशों के पीड़ित यहां आते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब नहीं होते, तो हम जैसे लोग यहां चुनकर सदन में नहीं आते। बाबा साहब ने जो कहा उसकी कुछ लोग ग़लत व्याख्या कर कहने लगे कि उन्होंने हिन्दू विरोधी बात की है, जबकि ऐसा उन्होंने नहीं कहा है। बाबा साहब ने किसी एक धर्म को लेकर कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि देश प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उस समय के सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर कहा था कि अगर आरक्षण को बढावा देंगे, तब प्रतिभावान लोगों का नुकसान होगा। इस प्रकार की बात पंडित नेहरू ने कई बैठकों में भी कही। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत प्रतिभावान को हम लोग भी बढाना चाहते हैं, लेकिन गरीबों पिछड़ों और वंचितों को कुचलकर नहीं हैं। श्री रिजिजू ने कहा कि बाबा साहब दोबारा 1952 में चुनकर सदन में आना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस ने षड्यंत्र करके उनको हराने का काम किया। कांग्रेस को इसके लिए देशवासियों से माफ़ी माँगनी चाहिए। बाबा साहब को कांग्रेस ने अपने शासन काल में भारत रत्न नहीं दिया। उन्होंने भारत रत्न उस समय दिया गया, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थित सरकार केंद्र में आई। श्री रिजिजू ने कहा कि देश को आगे ले जाने के लिए सबको एकजुट होकर काम करना होगा। भारत को जब आजादी मिली उस समय कई अन्य देशों को आजादी मिली। भारत में लोकतंत्र सबसे मजबूत है, लेकिन अर्थव्यवस्था में पीछे रह गये, इसलिए श्री मोदी ने विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया। हमारै देश में किसी चीज की कमी नहीं है फिर भी देश गरीब कैसे रहा। देश विकसित क्यों नहीं बना यह सोचने की जररूत है। देश को विकसित करने का लक्ष्य 2014 के बाद आया है। बिना लक्ष्य के कुछ नहीं हासित कर सकते है। उन्होंने कहा कि पूरा देश मिलकर काम करेगा तब 2047 में भारत विकसित बनेगा।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी के आने के बाद सीमावर्ती इलाकों का तेजी से विकास किया गया जबकि कांग्रेस की नीतियों की वजह से सीमावर्ती इलाकों में कोई विकास हुआ था। कांग्रेस ने पूर्वोत्तर की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया था लेकिन आज आंसू बहा रहे हैं।

विदेश मंत्री, यूएई उप उपप्रधानमंत्री ने डीपीएम ने आईएमईईसी, वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर पर काम पर चर्चा की

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद ने आज यहां 15वीं भारत–यूएई संयुक्त आयोग की बैठक के दौरान भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईईसी) पर चर्चा की और हाल ही में वर्चुअल माध्यम व्यापार गलियारा (वीटीसी), से काम शुरू होने का स्वागत किया। एक बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने एमएआईटीआरआई इंटरफ़ेस (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और नियामक इंटरफ़ेस के लिए मास्टर एप्लिकेशन) पर काम शुरू करने का भी स्वागत किया, और स्वीकार किया कि वीटीसी और एमएआईटीआरआई एक डेटा विनिमय प्रणाली के माध्यम से व्यापार प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करेंगे जो दोनों देशों के बीच कागज रहित लेनदेन की सुविधा प्रदान करेगा। कहा। वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईईसी) का एक अभिन्न अंग है, जो भारत, संयुक्त अरब अमीरात और यूरोप के बीच समुद्री कनेक्टिविटी और व्यापार में सुधार लाने के उद्देश्य से एक प्रमुख पहल है। वीटीसी और एमएआईटीआरआई पर काम इस साल सितंबर में शुरू किया गया था।

रविशंकर प्रसाद का राहुल पर कटाक्षः 'ट्यूटर' बदलना बहुत जरूरी है

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने विनायक दामोदर सावरकर के बारे में टिप्पणी को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर शनिवार को निशाना साधा और तंज कसते हुए कहा कि 'ट्यूटर' बदलना बहुत जरूरी है। उन्होंने लोकसभा में संविधान पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि राहुल गांधी को एक बार अंडमान–निकोबार की उस सेलुलर जेल में ले जाया जाना चाहिए जहां सावरकर 11 साल बंद थे। इससे पहले राहुल गांधी ने दावा किया कि सावरकर ने संविधान के बारे में कहा था कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने कहा, ''इस सदन में मैं आग्रह करूंगा कि एक बार इन्हें (राहुल) अंडमान–निकोबार की सेलुलर जेल लाया जाए जहां सावरकर 11 साल बंद थे। मैं तीन बार गया हूं। जब भी गया हूं रोया हूं। उनका कहना था, ''आप अपनी राजनीति के लिए जो कुछ भी बोलिए। जिस व्यक्ति ने इतना त्याग किया है उसके बारे में इस तरह की टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए। प्रसाद ने कटाक्ष करते हुए कहा, ''ट्यूटर बदलना बहुत जरूरी है, ये ट्यूशन कहां से आ रहा है, यह बताना जरूरी है। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र में जो ऐतिहासिक जीत हुई है, 1971 के बाद किसी को इतना बहुमत नहीं आया था। हम हरियाणा में भी अच्छे बहुमत से जीते हैं। इसका मतलब है कि जनता ने सोचा कि जो अच्छा काम करेगा उसे तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएंगे तथा जनता ने संविधान बदलने के दुष्प्रचार को भी खारिज किया।

पेज एक का शेष

कांग्रेस संविधान...

में महिलाएं हैं और देश के राष्ट्रपति के पद एक आदिवासी महिला है। मंत्रि परिषद में भी महिलाओं का योगदान बढ़ रहा है। राजनीति, विज्ञान, खेलकूद, शिक्षा जैसे सभी क्षेत्रों में महिलाओं का योगदान अद्वितीय रहा है और सब उसकी प्रशंसा करते हैं और इसकी प्रेरणा संविधान से मिलता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश तेजी से विकास कर रहा है और बहुत जल्द ही बहुत बड़ी आर्थिक व्यवस्था बन रहा है और 2047 हम देश को विकसित भारत बनाकर रखेंगे। हमारा संविधान देश की एकता का आधार है। देश के संविधान के निर्माण में सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक, लेखकर, मजदूर एवं किसान नेता थे और समाज तथा देश के हर वर्ग से आये लोगों ने संविधान के निर्माण में योगदान दिया है और यह संविधान देश की एकता का आधार है। श्री मोदी ने कहा कि आज हम संविधान अंगीकार करने का 75वां साल मना रहे हैं। हमारे यहां 75 साल का ही नहीं, 50वें और 25वें साल का भी महत्व है। जब देश को संविधान अंगीकार करने का अपना 25वां साल मनाना था तो उस समय आपातकाल लगाया गया और पूरे देश को जेल खाना बनाया गया, नागरिकों के अधिकारों को नोंचा गया, नागरिकों के अधिकारों को खत्म कर दिया गया था और कांग्रेस के माथे पर लोकतंत्र का गला घोटने का यह पाप कभी हटेगा नहीं क्योंकि भारत के संविधान निर्माताओं की भावनाओं को भुला दिया गया था। उनका कहना था कि 25वां वर्ष आपातकाल की भेंट चढ गया था। प्रधानमंत्री ने संविधान की महत्ता को उद्धृत करते हुए कहा कि उनको आगे बढाने के लिए कोई मददगार नहीं था, लेकिन संविधान का ही चमत्कार है कि बिना पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को इस देश ने एक नहीं, दो नहीं बल्कि तीन बार देश का प्रधानमंत्री बनाया है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश की विविधता में एकता के मूल की भावना पर प्रहार हुआ है और देश की विविधता में विरोधाभास खोजकर जहरीले बीज बोते रहे हैं जिससे देश की एकता कमजोर होती रही है। हमने दस साल के कार्यकाल में देश की एकता को निरंतर गति देने का काम किया है और देश की एकता मजबूत हो इसलिए देश की एकता में बाधक रही धारा 370 को हटाने का काम हुआ है। राशन कार्ड को गरीबों के अमूल्य दस्तावेज बताते हुए उन्होंने कहा कि अब मजदूर देश के किसी भी हिस्से में जाकर अपने राशन कार्ड से राशन ले सकता है। गरीब को मुसीबत के समय मदद मिले इसलिए सरकार ने एक राष्ट्र एक राशन कार्ड तथा चिकित्सा के लिए एक राष्ट्र एक आयुष्मान कार्ड की व्यवस्था कर देश में एकता के भाव को मजबूती प्रदान की है। ढांचागत विकास को लेकर भी कुछ भेदभाव की बातें आती थीं, लेकिन उनकी सरकार ने ढांचागत विकास को पूरे देश में एक समान समर्थवान बनाने का काम सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि मातृभाषा के महत्व को सरकार ने स्वीकार किया है इसलिए नयी शिक्षा में मातृभाषा को महत्व दिया गया है इसलिए गरीब का बच्चा अब अपनी भाषा में चिकित्सा की पढाई कर डॉक्टर बन सकता है। देश की नयी पीढ़ी को संस्कारित करने काम चल रहा है और इस क्रम में समाज को निकट लाने का सांस्कृतिक प्रयास हो रहा है और इसके लिए तमिल संगम एकता जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

मोदी बोले- 75 साल की ये उपलब्धि साधारण नहीं असाधारण है। जब देश आजाद हुआ, उस समय भारत के लिए जो-जो संभावनाएं व्यक्त की गईं थी, उन सभी संभावनाओं को परास्त करते हुए संविधान हमें यहां तक ले आया है। इस महान उपलब्धि के लिए संविधान निर्माताओं के साथ-साथ मैं देश के कोटि-कोटि नागरिकों को नमन करता हूं। मैं संविधान के प्रकाश में मेरी बात रखता हूं। अगर आप हमारी नीतियों को देखेंगे, पिछले 10 साल देश की जनता ने जो हमें सेवा करने का मौका दिया है। उसमें निर्णय देखिए भारत की एकता को मजबूती देने का हम निरंतर प्रयास करते रहे हैं। 370 देश की एकता में रुकावट बना था। हमने उसे जमीन में गाड़ दिया। यह एकता में रुकावट बनी थी। कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एक परिवार का उल्लेख इसलिए करता हूं कि 75 साल में से 55 साल एक ही परिवार ने राज किया है। देश को क्या-क्या हुआ है, ये जानने का अधिकार है। इस परिवार के कुविचार, कुरीति, कुनीति की परंपरा निरंतर चल रही है। हर स्तर पर इस परिवार ने संविधान को चुनौती दी है। 1947 से 1952 इस देश में इलेक्टेड गवर्नमेंट नहीं थी। अस्थाई व्यवस्था थी, चुनाव नहीं हुए थे और जब तक चुनाव ना हो तब तक एक खाका खड़ा किया गया था। 1952 से पहले राज्य सभा भी नहीं थी। राज्यों में भी चुनाव नहीं थे। कोई जनादेश नहीं था। अभी-अभी तो संविधान निर्माताओं ने इतना मंथन किया था। 1951 इन्होंने ऑर्डिनेंस लाकर संविधान को बदला। अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला कर दिया गया। पीएम बोले- भारत का नागरिक सर्वाधिक अभिनंदन का भागी है। संविधान निर्माता इस बात पर बहुत सजग थे। ये वो नहीं मानते थे कि भारत का जन्म 1947 में हुआ। वे मानते थे कि यहां की महान परंपरा को हजारों साल की उस यात्रा के लिए वे सजग थे। भारत का लोकतंत्र, गणतांत्रिक अतीत समृद्ध रहा है, विश्व के लिए प्रेरक रहा है। तभी भारत मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में जाना जाता है। हम सिर्फ विशाल लोकतंत्र नहीं, हम लोकतंत्र की जननी हैं। राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन ने कहा था- सदियों के बाद हमारे देश में एक बार फिर ऐसी बैठक बुलाई गई है, ये हमारे मन में अपने गौरवशाली अतीत की याद दिलाती है। जब हम स्वतंत्र हुआ करते थे, सभाओं में विद्वान देश के अहम मामलों पर चर्चा करते थे। डॉक्टर राधाकृष्णन ने कहा था- इस महान राष्ट्र के लिए गणतांत्रिक व्यवस्था नई नहीं है। हमारे यहां ये इतिहास की शुरुआत से ही है। बाबा साहब अंबेडकर ने कहा था- ऐसा नहीं है कि भारत को पता नहीं था कि लोकतंत्र क्या होता है। एक समय था जब भारत में कई गणतंत्र हुआ करते थे। संविधान निर्माण में नारी शक्ति ने संविधान को सशक्त करने की भूमिका निभाई है। सक्रिय सदस्य थे। मौलिक चिंतन के आधार पर उन्होंने संविधान सभा की डिबेट को समृद्ध किया था। वे अलग-अलग बैकग्राउंड की थीं। उनके सुझावों का संविधान निर्माण में बहुत प्रभाव रहा था। दुनिया के कई देश आजाद हुए, संविधान बना, महिलाओं को अधिकार देने में दशकों बीत गए। हमारे यहां शुरुआत से ही महिलाओं को वोट का अधिकार दिया गया। जब जी-20 हुई, उसी भावना को आगे बढ़ाते हुए विश्व के सामने विमन लीड डेवलपमेंट का विचार रखा। अब आगे जाने की जरूरत है। विमल लीड डेवलपमेंट की चर्चा को हमने अंजाम दिया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करके हमारी महिला शक्ति को भारतीय लोकतंत्र में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए। आज हम देख रहे हैं कि हर बड़ी योजना के केंद्र में महिलाएं होती हैं। भारत के राष्ट्रपति के पद पर एक आदिवासी महिला है, ये संयोग है। ये संविधान की भावना की अभिव्यक्ति है। इस सदन में लगातार हमारे महिला सांसदों की संख्या बढ़ रही है। आज समाज, राजनीति, शिक्षा, खेलकूद जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं का योगदान देश के लिए गौरव दिलाने वाला रहा। स्पेस टेक्नोलॉजी में उनके योगदान की सराहना हर हिंदुस्तानी गर्व से कर रहा है। इसकी प्रेरणा संविधान है। हमारा देश बहुत तेज गति से विकास कर रहा है। भारत बहुत जल्द विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में बहुत मजबूत कदम रख रहा है। 140 करोड़ देशवासियों का संकल्प है कि जब हम आजादी की शताब्दी बनाएंगे, हम विकसित भारत बनाकर रहेंगे। संकल्प से सिद्धि के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता भारत की एकता है। हमारा संविधान भी भारत की एकता का आधार है। हमारे संविधान के निर्माण में बड़े-बड़े दिग्गज, स्वतंत्रता सेनानी, साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षा विद् थे, मजदूर-किसान नेता थे। सबके सब भारत की एकता के प्रति संवेदनशील थे। अंबेडकरजी ने चेताया था। कहा था- समस्या ये है कि देश में जो विविधता से भरा जनमानस है, उसे किस तरह एकमत किया जाए। कैसे एकदूसरे के साथ निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया जाए। जिससे देश में एकता की भावना स्थापित हो। मुझे दुख के साथ कहना है कि आजादी के बाद विकृत मानसिकता, या स्वार्थवश सबसे बड़ा प्रहार हुआ तो देश की एकता के मूलभाव पर हुआ। भारत की विशेषता विविधता में एकता है, लेकिन गुलामी की मानसिकता में पले-बढ़े लोगों ने, जिनके लिए 1947 में हिंदुस्तान पैदा हुआ, वे विविधता में विरोधाभास ढूंढते रहे। विविधता हमारा अमूल्य खजाना है। उसमें ये लोग ऐसे बीज ढूंढते रहे, जिससे देश की एकता को नुकसान पहुंचे। मैं संविधान के प्रकाश में मेरी बात रखता हूं। अगर आप हमारी नीतियों को देखेंगे, पिछले 10 साल देश की जनता ने जो हमें सेवा करने का मौका दिया है। उसमें निर्णय देखिए भारत की एकता को मजबूती देने का हम निरंतर प्रयास करते रहे हैं। 370 देश की एकता में रुकावट बना था। हमने उसे जमीन में गाड़ दिया। हमारे देश में जीएसटी को लेकर चर्चा चली। इकनॉमिक यूनिटी के लिए ये बहुत महत्वपूर्ण थी। वो भी हमने किया। वन नेशन वन टैक्स लागू किया। राशन कार्ड गरीब के लिए मूल्यवान दस्तावेज रहा है। गरीब एक राज्य से दूसरे राज्य जाता था तो उसे कुछ भी नहीं मिलता था। एकता को मजबूत करने के लिए हमने वन नेशन-वन राशन कार्ड की बात को पूरा किया। गरीब-सामान्य नागरिक को मुफ्त में इलाज मिले तो गरीबी से लड़ने की ताकत बढ़ जाती है। जहां काम करता है वहां मिल जाता है, लेकिन बाहर गया तो सुविधा नहीं मिलती। वन नेशन- वन हेल्थ कार्ड को सोचा और आयुष्मान कार्ड लाए। हम जानते हैं कि देश के एक हिस्से में बिजली थी पर सप्लाई नहीं हो रही थी। पिछली सरकारों में विश्व के अंदर अंधेरे के कारण हेडलाइन में बदनामी होती थी। वन नेशन-वन ग्रिड को हमने पूरा किया। हमारे देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर में भी भेदभाव की बू आती रही। हमने एकता को ध्यान में रखते हुए हमने नॉर्थ ईस्ट, या जम्मू-कश्मीर, इन्फ्रास्ट्रक्चर को सामर्थ्य देने का काम किया। युग बदल चुका है और हम नहीं चाहते हैं कि डिजिटल क्षेत्र में हमारी स्थिति खराब हो। भारत के डिजिटल इंडिया की सक्सेस स्टोरी है कि हमने टेक्नोलॉजी को डेमोक्रेटाइज करने का काम किया। ऑप्टिकल फाइबर गांव तक ले गए। मातृ भाषा की अहमियत पहचानी है। हमने न्यू एजुकेशन पॉलिसी में इसे बहुत बल दिया है। गरीब का बच्चा भी अपनी भाषा में डॉक्टर इंजीनियर बन सकता है। हमने क्लासिकल लैंग्वेज की दिशा में भी लोगों का सम्मान किया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत का अभियान शुरू किया। नई पीढ़ी को संस्कारित करने का काम चल रहा है।

भाजपा हर समय...

एकलव्य ने स्वीकार किया और बोले कि आपकी मूर्ति बनाकर उसके सामने मैंने धनुष विद्या हासिल की है। द्रोणाचार्य ने कहा कि आपने शिक्षा ली है इसलिए दक्षिणा दीजिए। गुरु द्रोणाचार्य ने गुरु दक्षिणा के रूप में एकलव्य से उसका अंगूठा मांग लिया। इसी तरह से भाजपा हिंदुस्तान के युवकों का अंगूठा काटने में लगी है और भाजपा सरकार आज इसी तरह से अडानी को सारे काम देकर देश के युवाओं, गरीबों, कमजोरों का अंगूठा काट रहे हैं। उनका कहना था कि सरकार ने अग्निवीर योजना लेकर युवकों का अंगूठा काटा है, 70 बार पेपर लीक करवा कर सरकार ने युवाओं का अंगूठा काटा है। किसान अपने हक की लड़ाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन किसान की बात नहीं की जा रही है और उसका भी अंगूठा काटा जा रहा है। श्री गांधी ने भाजपा पर हर समय और 24 घंटे संविधान का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा लोगों के संवैधानिक अधिकारों का हनन कर रही है। जबकि विपक्षी गठबंधन मिलकर देश के संविधान को बचाने का काम कर रहा है। भाजपा के राज में संवैधानिक संस्थाओं को खत्म किया जा रहा है इसलिए गठबंधन देश के दलितों आदिवासियों, पिछडों किसानों के हित के लिए जाति जनगणना करवाने का काम करेंगे ताकि देश में नयी तरह की राजनीति शुरु की जा सके। देश में 50 प्रतिशत आरक्षण की जो दीवार खडी की गई है उसे इसी संसद में तोड़ा जाएगा।

सोमवार को सरकार...

इसमें प्रस्ताव किया गया है कि एक अवधि के बाद सभी राज्यों की वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल छोटा कर एक साथ चुनाव कराये जाएं। केन्द्र और राज्यों में चुनाव के थोड़े समय बाद ही नगर निकायों और पंचायतों के चुनाव कराए जाएं। बहुमत न मिलने और अल्पमत की स्थिति में दोबारा चुनाव कराए जाने पर कार्यकाल केवल बाकी बचे समय के लिए हो।

इंजीनियर आत्महत्या...

उसकी भाभी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया, साले अनुराग सिंघानिया व निकिता के ताऊ सुशील सिंघानिया के ऊपर बेंगलुरु में मुकदमा दर्ज कराया है। इस मामले में अग्रिम जमानत के लिए निकिता व सभी आरोपियों ने इलाहबाद हाईकोर्ट में बृहस्पतिवार को जमानत अर्जी दाखिल की है। इस बात की जानकारी आरोपियों के अधिवक्ता अजय सिंह ने आज शनिवार को साझा की है। घटना के सामने आने के बाद ससुराल वाले फरार हैं और बेंगलूरू पुलिस जौनपुर में साक्ष्य संकलन कर रही है। इन सबके बीच 12 दिसंबर को हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए पत्नी निकिता सहित चार अन्य की ओर अर्जी डाली गई है। जानकारी के अनुसार इस अर्जी पर सोमवार को कोई फैसला आ सकता है।

भारतीय सेना को मिले 491 युवा अफसर, अंतिम पग पार कर ली भारत माता की रक्षा की सौगंध

■ 35 विदेशी कैडेट्स मित्र देश में देंगे सेवा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) देहरादून में आज आयोजित गरिमामय पासिंग आउट परेड ने देश को 456 नए सैन्य अधिकारी सौंपे। अकादमी के ऐतिहासिक चेटवुड भवन के सामने ड्रिल स्क्वायर पर हुई इस परेड में भारतीय सेना के लिए 456 और मित्र देशों की सेनाओं के लिए 35 कुल 491 अधिकारी कैडेट्स ने अपने प्रशिक्षण का अंतिम चरण पार किया। इस ऐतिहासिक परेड में नेपाल के सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल ने बतौर रिव्यूइंग ऑफिसर परेड की सलामी ली। तमाम गणमान्य व्यक्तियों, विदेशी मेहमानों, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और कैडेटों के परिजनों की मौजूदगी में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम ने गर्व और प्रेरणा का माहौल बनाया। परेड का आयोजन अकादमी के सबसे प्रतिष्ठित स्थल चेटवुड भवन के सामने किया गया। अनुशासन, समर्पण और गर्व की झलक प्रस्तुत करती इस परेड ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रिव्यूइंग ऑफिसर ने कैडेटों के अनुशासन और परिश्रम की सराहना की और उन्हें उत्कृष्ट सैन्य अधिकारी बनने के लिए प्रेरित किया। परेड के बाद आयोजित पीपिंग और शपथ ग्रहण समारोह (ओथ सेरेमनी) के दौरान कैडेट्स ने अपनी वर्दी पर स्टार चिह्न लगाए और भारत माता की सेवा और सुरक्षा के लिए शपथ ली। इन 491 कैडेट्स में से 456 युवा अधिकारी भारतीय थल सेना का अभिन्न हिस्सा बनेंगे। जबकि 35 अधिकारी मित्र देशों की सेनाओं में सेवा देंगे। इस वर्ष की पासिंग आउट परेड के साथ भारतीय सैन्य अकादमी ने देश-विदेश की सेनाओं को अब तक कुल 66,119 सैन्य अधिकारी प्रदान करने का कीर्तिमान स्थापित किया। इनमें मित्र देशों की सेनाओं के 2,988 अधिकारी भी शामिल हैं। यह अकादमी का गौरवपूर्ण योगदान है जो इसे विश्वस्तरीय सैन्य प्रशिक्षण संस्थान बनाता है। नए अधिकारी कैडेट्स के चेहरे पर गर्व और आत्मविश्वास की झलक साफ दिखी। ये युवा सैनिक अपनी मातृभूमि की सेवा के लिए तत्पर हैं और अपने साहसिक कर्तव्यों को निभाने के लिए तैयार हैं। भारतीय सेना में शामिल होने वाले इन 456 युवा अधिकारियों के लिए यह दिन उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन साबित हुआ।

यज्ञशाला में लगी भीषण आग, स्टेडियम में अफरा-तफरी, टली बड़ी दुर्घटना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जनपद के रुड़की में रुद्र चंडी महायज्ञ के लिए बनाई गई यज्ञशाला में अचानक से आग लग गई। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी सी मच गई। सूचना मिलते ही तत्काल दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। दरअसल, रुड़की गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के नेहरू स्टेडियम में रुद्र चंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। 9 से 15 दिसंबर तक चलने वाले इस आयोजन का शुक्रवार को पांचवां दिन था। बताया जा रहा है कि देर शाम पूजन के बाद सब लोग वापस चले गए थे, लेकिन एक दो ब्राह्मण यज्ञशाला में विश्राम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक यज्ञशाला में आग लग गई। आग लगते देख स्टेडियम में मौजूद लोग भागे और शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद घटना की जानकारी दमकल विभाग की टीम को दी गई। सूचना मिलते ही तत्काल फायर यूनिट घटनास्थल पर पहुंची और मोटर फायर इंजन से हौज पाइप फैलाकर पंपिंग कर उक्त स्थान पर रुद्र चंडी महायज्ञ के लिए बनी घास फूस की झोपड़ियों में लगी भयंकर आग को कड़ी मशक्कत के बाद बुझाया गया। आग में घास फूस की झोपड़ियां और यज्ञ का सामान जलकर राख हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया गया कि कहीं से पटाखा जलता हुआ झोपड़ियों पर गिरा है, जिस कारण झोपड़ियों ने आग पकड़ ली। हालांकि टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाल रही है। जांच के बाद ही आग लगने के कारण स्पष्ट हो पाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

अंबाला में इंटरनेट सेवाएं निलंबित, शंभू सीमा पर सुरक्षा उपाय कड़े

चंडीगढ़। फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी के कानून व अन्य मांगों को लेकर किसानों के दिल्ली कूच के तीसरे प्रयास के बीच शनिवार को हरियाणा सरकार ने अंबाला जिले के कुछ हिस्सों में मोबाईल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दीं और पंजाब-हरियाणा शंभू सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने घोषणा की हुई है कि 101 किसानों का एक जत्था शनिवार को दिल्ली कूच का प्रयास करेगा। हरियाणा सरकार पिछले करीब दस दिनों में किसानों के दो जत्थों को शंभू सीमा पर ही रोकने में सफल रही है। शनिवार का दिल्ली कूच रोकने के प्रयास में अंबाला पुलिस-प्रशासन ने शंभू सीमा पर बनाई अस्थायी दीवार के ऊपर आठ फुट ऊंची दीवार और बना दी है। तैनाती भी बढ़ा दी गई है। इस बीच किसान नेता तेजवीर सिंह ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर जारी वीडियो में आरोप लगाया कि केंद्र व हरियाणा सरकारें किसानों में फूट डालकर पंजाब के किसानों को अलग-थलग करना चाहती हैं और पंजाब में 'मणिपुर-श्रीलंका-बंगलादेश' जैसे हालात बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ अंबाला और जींद जिलों के उपायुक्तों ने शुक्रवार को संगरूर के उपायुक्त को पत्र लिखकर 19 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे जगजीत सिंह डल्लेवाल के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई और उन्हें चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, दूसरी तरफ अब अंबाला के कुछ हिस्सों में स्कूल बंद कर, इंटरनेट सेवाएं निलंबित करने के अलावा शंभू सीमा पर सुरक्षा के उपाय बढ़ाकर अनावश्यक रूप से तनाव पैदा करना चाहती है। उन्होंने दावा किया कि सच्चाई यह है कि हरियाणा समेत देश भर के किसान आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं। गौरतलब है कि किसान संगठन गत दस महीने से पंजाब-हरियाणा सीमाओं पर हैं। उनकी मांगों में एमएसपी गारंटी कानून के अलावा, किसानों-खेत मजदूरों की कर्ज माफी, कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने समेत बारह मांगें हैं।

नगर निगम चुनाव:जांच के बाद कुल 86 नामांकन खारिज

चंडीगढ़। पंजाब राज्य चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि राज्य में पांच नगर निगम चुनावों के लिए नामांकनों की शुक्रवार को हुई जांच में कुल 86 नामांकन खारिज कर दिए गए। प्रवक्ता ने बताया कि नगर निगम, जालंधर के लिए कुल पांच नामांकन, नगर निगम लुधियाना के लिए 19 नामांकन, नगर निगम फगवाड़ा के लिए एक नामांकन, नगर निगम अमृतसर के लिए 53 नामांकन और नगर निगम, पटियाला के लिए आठ नामांकन खारिज कर दिए गए हैं।

सरकारी कार्य में बांधा पहुंचाना पड़ा भारी, छह हिरासत में

हरिद्वार। सरकारी काम में बांधा पहुंचाने के आरोप में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है। दरअसल, गत रोज जनपद के भगवानपुर में एसडीएम के आदेश पर राजस्व विभाग एवं बुग्गावाला पुलिस की संयुक्त टीम के साथ अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चला कर अवैध कब्जा हटाया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान भगवानपुर निवासी विरमपाल व उनके 05 साथियों ने सरकारी कार्य में बांधा उत्पन्न करने की कोशिश की। पुलिस ने सभी को समझाने का प्रयास किया किन्तु वह पुलिस के साथ भी दुर्व्यवहार करते हुए शांतिभंग करने पर आमादा रहे। पुलिस ने नायब तहसीलदार के आदेश पर सभी को धारा 170 बीएनएसएस के तहत हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपितों में विरमपाल (59), सीमा (20), निर्मला (30), डिंपल (25), शुभम (21) व रोनू उर्फ रविंद्र निवासीगण तेलपुरा थाना बुग्गावाला जनपद हरिद्वार हैं।

स्मार्ट मीटर को लेकर विद्युत विभाग के खिलाफ व्यापारियों का प्रदर्शन, जताया रोष

हरिद्वार। व्यापारियों ने शनिवार को उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन के खिलाफ प्रदर्शन कर रोष जताया। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि बिलों में अतिरिक्त चार्ज जोड़ कर जनता पर अनावश्यक भार डाला जा रहा है। महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने कहा कि बिजली के बिलों में भारी कमियां है, जिसकी वजह से आम जनता हो या व्यापारी सभी त्रस्त है। बिलों में अनावश्यक चार्जेस, अतिरिक्त यूनिट चार्जेस जोड़ विभाग जनता का शोषण कर रहा है। सुनील मनोचा पंकज माटा ने कहा कि जब पहले इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगा दिए गए तो अब स्मार्ट मीटर की क्या आवश्यकता है। भूदेव शर्मा एवं प्रीत कमल ने कहा कि उत्तराखंड जैसे राज्य में जहां बिजली-पानी का उत्पादन होता हो उस राज्य में बड़े बिल, अनावश्यक चार्जेस जनता पर थोपकर विभाग सरकार को बदनाम कर रहा है। रोष जताने वालों में नाथीराम सैनी, मुकेश अग्रवाल, राकेश सिंह, अनिल कोरी, रवि बांगा, सोनू चौधरी, पवन पांडेय, नंदकिशोर पांडेय आदि हैं।

उत्तराखंड कांग्रेस 18 दिसंबर को निकालेगी राजभवन मार्च

देहरादून। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर गौतम अडानी और भाजपा के कथित भ्रष्टाचार तथा मणिपुर में जारी हिंसा के खिलाफ देशभर में मार्च आयोजित किए जाएंगे। इसी कड़ी में उत्तराखंड कांग्रेस आगामी 18 दिसंबर को देहरादून में राजभवन मार्च करेगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में यह मार्च सुबह 10:30 बजे कांग्रेस कार्यालय, राजीव भवन से शुरू होकर राजभवन तक जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन में प्रदेश के वरिष्ठ नेता, विधायक, पूर्व विधायक, कांग्रेस के विभिन्न संगठन और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संगठन एवं प्रशासन मथुरादत्त जोशी ने बताया कि अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा गौतम अडानी और उनके सहयोगियों पर लगाए गए भ्रष्टाचार व धोखाधड़ी के आरोपों ने भाजपा-अडानी गठजोड़ की कथित साजिशों को उजागर किया है। उन्होंने इसे भारत की आर्थिक और व्यापारिक साख पर बड़ा हमला बताया। जोशी ने मणिपुर हिंसा पर भी भाजपा सरकार को घेरा।

शीतकाल के लिए बंद हुए लाटू मंदिर के कपाट

गोपेश्वर। चमोली जिले के देवाल के वाण गांव में स्थित राजराजेश्वर नंदा के धर्म भाई और क्षेत्र के अराध्य भगवान लाटू मंदिर के कपाट पूजा विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद किए गए हैं। इस मौके पर सैकड़ों भक्तों ने ढोल-नगाड़ों और पंच स्वरों के साथ देवता के जयकारे लगाए। शनिवार को मार्गशीर्ष की शुक्ल पूर्णिमा के दिन मंदिर के पूजारी खीम सिंह और प्रताप सिंह ने लाटू मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश किया और भगवान लाटू का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना किया। उसके बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। मंदिर के कपाट अब बैशाख पूर्णिमा को खुलेंगे।

शीतकालीन धामों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, पंचमुखी मूर्ति के दर्शन कर धन्य हो रहे भक्त

■ मुख्यमंत्री की पहल से देवभूमि सजी, शीतकालीन तीर्थाटन में बढ़ा क्रेज
■ केदारनाथ से बदरीनाथ तक, बर्फ में घिरी आस्था की डगर
■ धार्मिकता और प्रकृति का संगम, शीतकालीन धामों में उमड़ी श्रद्धा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

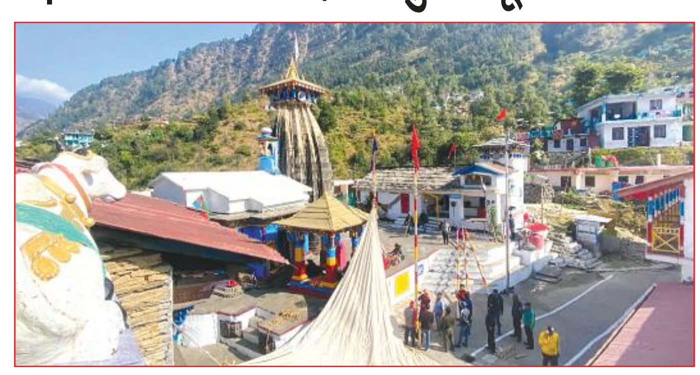

ज्योतिर्मठ/पांडुकेश्वर/उखीमठ। उत्तराखंड की बर्फीली वादियों में देवताओं की शीतकालीन यात्रा ने तीर्थयात्रियों के दिलों में नई ऊर्जा और उत्साह भर दिया है। गत आठ दिसंबर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा श्रीकेदारनाथ धाम के शीतकालीन गद्दीस्थल श्रीओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ से चारधाम शीतकालीन यात्रा का शुभारंभ होते ही श्रद्धालुओं का सैलाब पूजा स्थलों की ओर उमड़ पड़ा है।इस बार की यात्रा में श्रद्धालुओं की सबसे बड़ी आकर्षण है भगवान केदारनाथ की पंचमुखी मूर्ति और शीतकालीन गद्दीस्थलों पर चल रही दिव्य आराधना। ठंडी हवाओं और बर्फ की चादर के बीच भक्त भगवान केदारनाथ और बदरीविशाल के दर्शन कर खुद को धन्य महसूस कर रहे हैं। श्रीकेदारनाथ के कपाट बंद होने के बाद पंचमुखी डोली जब श्री ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ पहुंचती है, तो मानो पूरी घाटी आध्यात्मिक ऊर्ज़ा से भर उठती है। यहां न केवल केदारनाथ, बल्कि द्वितीय केदार श्रीमद्महेश्वर जी की डोली भी भक्तों को दर्शन देती है। मंदिर में हो रही शीतकालीन पूजाएं और वेद मंत्रों की ध्वनि यात्रियों को एक अलौकिक अनुभव देती है।उधर, श्रीबदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद भगवान बदरीविशाल की शीतकालीन पूजा योग बदरी पांडुकेश्वर और श्री नृसिंह मंदिर, जोशीमठ में संपन्न हो रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि बर्फ की चादर में लिपटे इन मंदिरों में दर्शन करना किसी चमत्कार से कम नहीं। तीर्थयात्रियों में बढ़ता क्रेज, हजारों ने लिया पुण्यलाभमुख्य कार्याधिकारी विजय थपलियाल के मुताबिक अब तक 3,000 से अधिक श्रद्धालु इन शीतकालीन धामों पर पूजा-अर्चना कर चुके हैं। इनमें से 2,230 श्रद्धालु श्री ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ पहुंचे, जबकि 1,069 भक्त श्री नृसिंह मंदिर, जोशीमठ और 65 तीर्थयात्री योग बदरी पांडुकेश्वर में दर्शन कर चुके हैं।श्रद्धालु दीपक शर्मा जो दिल्ली से पहली बार शीतकालीन यात्रा पर आए हैं, कहते हैं कि हमने सिर्फ गर्मियों में बदरीनाथ-केदारनाथ की यात्रा के बारे में सुना था। लेकिन बर्फ से घिरे इन शीतकालीन स्थलों में पूजा करने का जो अनुभव है, वो अविस्मरणीय है। भगवान के पंचमुखी स्वरूप के दर्शन ने हमारी यात्रा को सार्थक कर दिया। देवभूमि में सर्दियों का नया पर्यटन आकर्षणमुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर मंदिर समिति ने इस बार शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा देने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। शीतकालीन यात्रा अब सिर्फ धार्मिक महत्व तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह पर्यटकों को भी उत्तराखंड की ओर खींच रही है।

बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में आईटीबीपी की तैनाती, शीतकाल में सुरक्षा व्यवस्था सख्त

गोपेश्वर। सुरक्षा को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों को बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में तैनात कर दिया गया है। दोनों धामों में आईटीबीपी की एक-एक प्लाटून शीतकालीन अवधि में सुरक्षा का जिम्मा संभालेगी। इसके अलावा स्थानीय पुलिस और बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के कर्मचारी भी सुरक्षा कार्य में सहयोग करेंगे। बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि 2022 में केदारनाथ धाम के गर्भगृह में सोने की परतें चढ़ाने के बाद शीतकाल में सुरक्षा के महत्व को देखते हुए बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से धामों में आईटीबीपी की तैनाती का अनुरोध किया था। इसके बाद हर वर्ष कपाट बंद होने के बाद धामों में जवानों की तैनाती की जाने लगी। इस वर्ष भी धामों के कपाट बंद होने के साथ आईटीबीपी ने सुरक्षा का मोर्चा संभाल लिया है।

महिलाओं पर की गयी अपमानजनक टिप्पणी को लेकर हरजिंदर सिंह धामी को नोटिस जारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब महिला आयोग ने बी बी जगीर कौर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी और भाषा के प्रयोग के मामले में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी को एक स्वतः संज्ञान नोटिस जारी किया है। पंजाब महिला आयोग की अध्यक्ष रज लाली गिल ने शनिवार को कहा कि आयोग ने महिलाओं के खिलाफ की गयी इस अपमानजनक टिप्पणी को बेहद गंभीरता से लिया है और यह सुनिश्चित करने के लिये प्रतिबद्ध है कि पंजाब में महिलाओं के अधिकार, सम्मान और प्रतिष्ठा की रक्षा की जाये। आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से यह मामला आयोग के ध्यान में आया कि एक पत्रकार के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान हरजिंदर सिंह धामी ने बीबी जगीर कौर को संबोधित करते हुये बेहद अपमानजनक और अमानवीय शब्दों का इस्तेमाल किया। ऐसी भाषा और टिप्पणी न केवल एक महिला को बदनाम करती है, बल्कि समस्त महिला समाज का भी अपमान करती है। रज लाली गिल ने कहा कि श्री धामी एसजीपीसी के अध्यक्ष के रूप में एक महत्वपूर्ण और अत्यधिक सम्मानित पद पर होने के नाते, उनसे यह अपेक्षा नहीं की जाती है कि उनका आचरण समस्त मानव जाति के सम्मान और गरिमा के उच्चतम मानकों को दर्शाये। इस प्रकार की अपमानजनक भाषा का प्रयोग न केवल उनके पद के लिये अनुचित है, बल्कि समाज को एक गलत संदेश भी देता है। आयोग की अध्यक्ष ने गुरु नानक देव जी की उक्ति 'सो क्यों मंदा आखिए जितु जमेह राजान' का हवाला देते हुये एसजीपीसी से अपील की है कि महिलाओं के प्रति की गयी भद्दी शब्दावली के लिये श्री धामी को तुरंत बर्खास्त किया जाये। आयोग ने धामी को निर्देश दिया है कि वे कथित टिप्पणियों से संबंधित ऑडियो रिकॉर्डिंग के साथ अपना लिखित स्पष्टीकरण और बयान 17 दिसंबर 2024 तक पंजाब राज्य महिला आयोग के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर प्रस्तुत करें। महिला आयोग ने यह भी कहा कि यदि श्री धामी तय समय सीमा के भीतर व्यक्तिगत रूप से पेश होकर नोटिस का जवाब नहीं देते हैं, तो आयोग पंजाब राज्य महिला आयोग अधिनियम, 2001 के तहत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुये संबंधित प्राधिकरणों को उचित कार्रवाई की सिफारिश करेगा।

काठगढ़ ग्रेनेड हमले के तीन आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जालंधर। पंजाब में जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) मॉड्यूल के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर काठगढ़ में हुए हैंड ग्रेनेड हमले को सुलझाने का दावा किया है। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को कहा कि जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस ने एसबीएस नगर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में दो नवंबर को पुलिस पोस्ट आसरों, काठगढ़ थाने में रिपोर्ट की गई हैंड ग्रेनेड हमले की घटना को सफलतापूर्वक सुलझाया लिया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान युगप्रीत सिंह (युवी), जसकरन सिंह, और हरजोत सिंह के तौर पर हुई है। डीजीपी ने कहा कि गिरफ्तार आरोपी खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) मॉड्यूल के सदस्य हैं, जिन्हें जर्मनी, ब्रिकेट और अन्य देशों में स्थित हैंडलर नियंत्रित करते हैं और उन्हें पुलिस प्रतिष्ठानों और अल्पसंख्यक नेताओं को निशाना बनाने का काम सौंपा गया था। इस मॉड्यूल को पिछले छह महीनों में 4.5 लाख रुपए का वित्त पोषण मिला है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि ग्रेनेड 28 नवंबर को जी.टी. रोड जालंधर से एक डेड लेटर बॉक्स (डीएलबी) से बरामद किया गया था जिसे एक व्यक्ति द्वारा दो दिसंबर को एसबीएस नगर में पुलिस चौकी आसरों में फेंका गया था। आरोपियों से एक देशी पिस्तौल, एक रिवॉल्वर और छह जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।

हरिद्वार-ऋषिकेश ट्रेन में हथियारबंद बदमाशों ने यात्रियों को लूटा, मोतीचूर स्टेशन के पास कूदकर भागे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ऋषिकेश। धर्मनगरी हरिद्वार से तीर्थनगरी ऋषिकेश जाने वाली पैसेंजर ट्रेन में अज्ञात लुटेरों ने आधा दर्जन से अधिक यात्रियों से हथियारों के बल पर लूटपाट कर उनका सामान छीन लिया। इस घटना ने यात्रियों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया। लुटेरे चलती ट्रेन में यात्रियों से नकदी और मोबाइल लूटकर मोतीचूर स्टेशन के पास ट्रेन से कूदकर फरार हो गए। यह वारदात शुक्रवार सुबह की है, जब हरिद्वार से ऋषिकेश जाने वाली पैसेंजर ट्रेन के जनरल कोच में कुछ यात्री सफर कर रहे थे। ट्रेन के हरिद्वार रेलवे स्टेशन से रवाना होने के कुछ ही देर बाद चार से पांच युवक कोच में घुस गए और हथियारों के बल पर यात्रियों से उनका सामान छीनने लगे। लुटेरों ने यात्रियों के साथ मारपीट भी की और उनके मोबाइल फोन तथा नकदी लूट ली। ट्रेन के मोतीचूर स्टेशन पर रुकने पर बदमाश वहां से कूदकर जंगल की तरफ भाग निकले। ट्रेन के ऋषिकेश पहुंचने पर यात्रियों ने घटना की जानकारी जीआरपी (रेलवे पुलिस) को दी। हरिद्वार जीआरपी के इंचार्ज अनुज सिंह ने बताया कि इस लूटपाट में पांच यात्रियों से मोबाइल और नकदी लूटे जाने की पुष्टि हुई है। घटना के बाद हरिद्वार और ऋषिकेश रेलवे स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इसमें कुछ संदिग्ध चेहरे दिखाई दिए हैं, जिनकी पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद जीआरपी ने लुटेरों की धरपकड़ के लिए जांच तेज कर दी है। हालांकि, यह सवाल उठ रहा है कि धार्मिक महत्व वाले इस रूट पर सुरक्षा इतनी कमजोर क्यों है। हरिद्वार से ऋषिकेश तक का यह मार्ग श्रद्धालुओं और पर्यटकों से भरा रहता है, लेकिन इसके बावजूद पुलिस और रेलवे सुरक्षा की कमी का फायदा उठाकर अपराधी बेखौफ हो गए हैं। हरिद्वार में जीआरपी एसपी का पद खाली होने से रेलवे सुरक्षा पर भी असर पड़ा है। एसपी सरिता डोबाल के उत्तरकाशी स्थानांतरण के बाद से यह पद खाली पड़ा है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था में कमी का अंदेशा जताया जा रहा है। घटना के बाद यात्रियों में भय और असुरक्षा की भावना फैल गई है। लोग रेलवे प्रशासन और पुलिस से इस रूट पर सुरक्षा बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। खासकर, धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले रूट पर इस तरह की घटनाएं यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

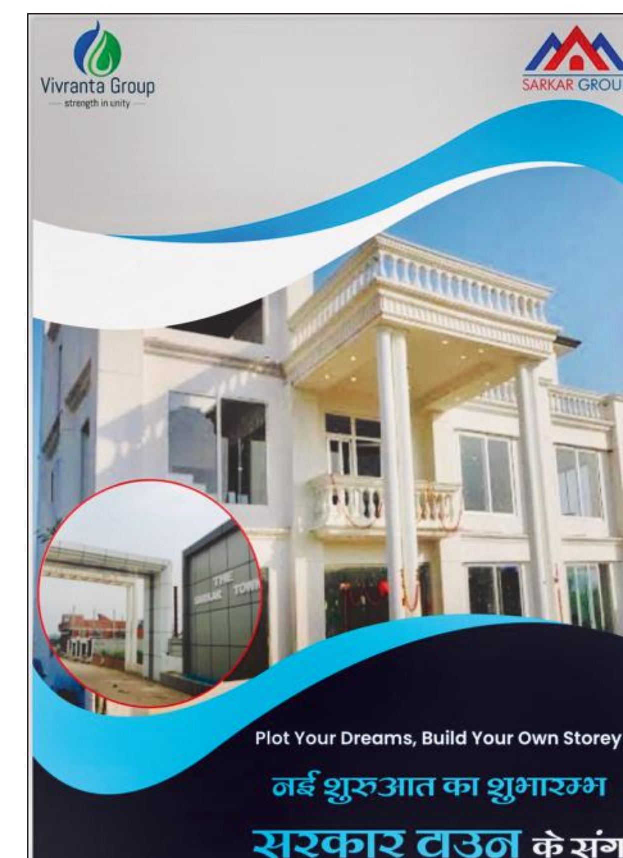

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063